जबलपुर सोमवार 24 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी

वर्ष 32 अंक 57 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण
3

मौसम
अधिकतम तापमान 30.5°C
न्यूनतम तापमान 23.8°C
सूर्योदय - 5.50 | सूर्यास्त - 6.35

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

3959 बच्चों का मीजल्स-रुबेला टीकाकरण... 4

इमरान हाशमी पर भारी पड़ा आवारापन 2... 7

बारिश के बीच शहर की व्यवस्थाओं का जायजा... 9

स्पेस स्टार्टअप के सीईओ के साथ बातचीत

निजी अंतरिक्ष कंपनियां अनुसंधान और नवोन्मेष का माहौल बनाएं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य कर रहीं निजी कंपनियों से अपने ईर्द-गिर्द अनुसंधान के लिए माहौल बनाने की अपील की ताकि दुनिया भर के लोग करियर बनाने के उद्देश्य से भारत आने के लिए प्रेरित हों। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली 20 स्टार्टअप के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और संस्थापकों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के समक्ष भारत की लागत-प्रतिस्पर्धात्मकता को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री और अंतरिक्ष स्टार्टअप के पदाधिकारियों एवं संस्थापकों के साथ संवाद की जानकारी रविवार को दी गई। इसके अनुसार मोदी ने रेखांकित किया कि देश के विशाल प्रतिभा आधार और जोखिम उठाने की अधिक क्षमता की वजह से भारत वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से मजबूत स्थिति बना पाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया अब भारतीय स्टार्टअप पर नजर रखे हुए हैं और वह जानना चाहती है कि इस क्षेत्र में कौन आगे है। उन्होंने कहा कि क्योंकि जब भी कोई बड़ी कामयाबी मिलती है, तो लोगों का ध्यान तुरंत उस ओर चला जाता है। एक सीईओ ने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत में निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष उद्योग के द्वार खोले जाने के बाद से बहुत सकारात्मक रुझान देखने को मिले हैं और अमेरिका और यूरोप में रहने वाले कई भारतीय नागरिक अब देश वापस आकर काम करना चाहते हैं। इसके जवाब में मोदी ने कहा, हमें बहुत से लोगों से जुड़ने की जरूरत है। जो लोग विदेश गए थे, वे अब वापस आ रहे हैं। मेरा मानना है कि हमें ऐसा माहौल बनाना चाहिए जिससे दुनिया भर के लोगों को यह लगे कि अगर उन्हें अपना करियर बनाना है, तो उन्हें भारत जाना चाहिए। प्रधानमंत्री से संवाद के कार्यक्रम में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस, गैलेक्सआई, पियरसाइट, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस, दिगंतरा, सैटश्योर, सुहोरा टेक्नोलॉजीज, मनस्तु स्पेस, एस्ट्रोबेस, टेकमी2स्पेस, व्योमआईसी, कॉस्मोसर्व स्पेस, ऑर्बिटएड एयरोस्पेस, स्काईसर्व (हाइस्पेस), सेरेंडिपिटी स्पेस, वासर लैब्स और मिस्टईओ नामक स्टार्टअप के प्रतिनिधि शामिल थे।

यह हमारी बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर के ऐसे लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि उन्हें भारत में किसी स्टार्टअप और भारत की किसी अंतरिक्ष एजेंसी से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा पुख्ता विश्वास है कि आपकी वजह से हम चुंबक की तरह सभी मेधावियों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं, और यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी ताकत बन सकता है। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष स्टार्टअप के उन सीईओ की तारीफ की जिन्होंने एक नए क्षेत्र में कदम रखने का साहस दिखाया।

हम बहुत प्रतिस्पर्धी हैं

मोदी ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने सरकार की बात पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, मेरी हमेशा से यही राय रही है कि हम जो भी फैसला लें, उस पर अडिग रहें और बार-बार बदलाव करने से बचें। इससे खतरा लेने वाले लोगों को यह भरोसा रहता है कि अगर उनसे कोई गलती हो भी जाए और उससे कोई समस्या खड़ी हो, तो भी कोई उन्हें अकेला नहीं छोड़ेगा। हमारा उद्देश्य यही भरोसा कायम करना है। हम लागत के मामले में बहुत प्रतिस्पर्धी हैं।

यह तो बस शुरुआत है

कंपनियों के सीईओ ने कहा कि भारत की पहली अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी यूनिकॉर्न (यूनीकॉर्न का अभिप्राय एक अरब डॉलर से अधिक पूंजी आधार की कंपनी), स्काईरूट एयरोस्पेस ने सफलतापूर्वक भारत का पहला निजी रॉकेट कक्षा में भेजा और यह तो बस शुरुआत है। सीईओ ने कहा कि वे 2027 के मध्य तक हर महीने एक प्रक्षेपण का लक्ष्य रख काम कर रहे हैं। उन्होंने निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया और कहा कि अब तक हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता वाली फैक्ट्रियां बनाई गई हैं। सीईओ ने कहा कि उनका सपना हर हफ्ते एक प्रक्षेपण करने का है, और आगे चलकर हर दिन कई प्रक्षेपण करने का है। मोदी ने जब सवाल किया कि क्या निवेशकों में भरोसा है, तो एक सीईओ ने कहा कि स्काईरूट के पहले प्रक्षेपण के बाद निवेशकों का भरोसा काफी बढ़ गया है।

बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि : सीएम

डॉ. यादव ने दिल्ली से रीवा पहुंचकर अतिवृष्टि, राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार की शाम दिल्ली से सीधे रीवा पहुंचकर रीवा-शहडोल संभाग में अतिवृष्टि और राहत कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर अच्छी तरह से संचालित किये जायें। बाढ़ से प्रभावित सभी गाँव और नगरीय क्षेत्रों के वार्डों में विशेष चिकित्सा शिविर लगाये जाये। यदि लोगों का खाने पीने का सामान, घर इत्यादि नष्ट हो गए हों उन्हें तत्काल आरबीसी 64 के तहत सहायता उपलब्ध कराएं। बैठक में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार सभी बाढ़ प्रभावितों के साथ खड़ी है। हम जान-माल-मवेशी सबकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। राहत एवं बचाव कार्य चलाये जा रहे हैं। बाढ़ से प्रभावित किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी नहीं आने दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जहां अभी भी बाढ़ का पानी है, वहां राहत कैंप अच्छी तरह से संचालित किए जाएं। राहत कैंपों में समुचित मात्रा में खाद्य सामग्री, पीने के पानी एवं चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करें। शिविरों में साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जाए। जहां बाढ़ का पानी उतर गया है, वहां शासकीय अमले को भेजें, लोगों को खाने-पीने की किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीने के पानी की शुद्धता के लिए सभी जल स्रोतों एवं हैंडपंपों में ब्लीचिंग पाउडर इत्यादि से क्लोरिनेशन कराएं। ऐसे सभी गांव में और नगरीय क्षेत्र के वार्डों में जहां बाढ़ का प्रकोप रहा है, वहां विशेष चिकित्सा एवं उपचार शिविर आयोजित करें। बुखार एवं सर्दी जुकाम के मरीज को भी गंभीरता से लिया जाए। जिन गांवों में अति वर्षा से विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई हो, उसे तत्काल बहाल करें।

जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा में गुलाब नगर क्षेत्र में जल भराव का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिये कि पूरी संवेदना के साथ जिन प्रभावितों का नुकसान हुआ है, उन्हें मुआवजा उपलब्ध करायें। प्रशासन ने प्राकृतिक चुनौती का तत्परता से सामना किया। आगामी 24 से 27 अगस्त 2026 के बीच जिन जिलों में वर्षा चक्र सक्रिय होने की संभावना है, वहां सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

दो शिक्षकों सहित एक छात्र की डूबने से मौत

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम शहर से करीब 11 किमी दूर पैराडाइज वैली पिकनिक स्पॉट पर रविवार दोपहर खेलते वक्त 4 बच्चे पानी में गिर गए। 2 शिक्षकों ने 3 बच्चों को बचा लिया, लेकिन चौथे को बचाने के चक्कर में गहराई में समा गए। डूबने से 2 शिक्षकों और एक छात्र की मौत हो गई। मृतकों में जावरा के त्रिमूर्ति कॉन्वेंट स्कूल के शिक्षक प्रिंस मोदी, विजय सिंह राठौर और कक्षा 7वीं के छात्र हर्षित पाटीदार शामिल हैं। वहीं, खुशी, अन्वेष और सिद्धि को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रेमिका के 2 बच्चों को मारकर कुएं में फेंकी लाश

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में लवकुशनगर में स्कूल से घर लौटते समय लापता हुए दो सगे भाइयों की हत्या कर दी गई। दोनों के शव रविवार को पहाड़तरे के पुरवा के पास एक कुएं में मिले। मृतकों की पहचान 11 वर्षीय सचिन यादव और 9 वर्षीय प्रेम यादव के रूप में हुई है। दोनों निरपत यादव के बेटे थे और लवकुशनगर के वार्ड नंबर-2 स्थित सिद्दन मोहल्ले में रहते थे। दोनों क्लाइमेक्स इंग्लिश स्कूल में पढ़ते थे। पुलिस की जांच में बच्चों की मां के प्रेमी बालकेश सिंह पर अपहरण और हत्या का आरोप सामने आया है।

बांग्लादेशः हिंदू परिवार के 4 लोगों की हत्या

ढाका। बांग्लादेश के रंगपुर शहर के दासपारा (मछुआपारा) इलाके में एक ही परिवार के चार लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। शनिवार देर रात एक बंद घर के अंदर रंगपुर जिला स्कूल के रिटायर्ड शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती, बेटी आगामी चक्रवर्ती और बेटे प्रियम चक्रवर्ती के शव बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि चारों की गला घोंटकर हत्या की गई है। पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच की टीमें संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह जैश हेडक्वार्टर फिर तैयार

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभानअल्लाह हेडक्वार्टर तबाह कर दिया था। अब यह फिर से बनकर तैयार हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसके री-कंस्ट्रक्शन में 15 महीने लगे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि मरकज सुभानअल्लाह के क्षतिग्रस्त गुंबद फिर बना दिए गए हैं, नया संगमरमर और प्लास्टर लगाया गया है। नया पेंट भी किया गया है। दीवारों समेत पूरी इमारत की मरम्मत कर की गई है। 2025 में 6-7 मई की रात हुए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवादी संगठन जैश के इस ठिकाने को काफी नुकसान पहुंच था। 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने जैश को मरम्मत के लिए 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपए दिए। मदरसा अल-सबीर और जैश कमांडरों के रहने के लिए इस्तेमाल होने वाले एरिया का भी दोबारा निर्माण भी किया जा रहा है।

सीजेपी नेशनल वर्किंग कमेटी की बैठक आज

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी सोमवार को अपनी नेशनल वर्किंग कमेटी की बैठक करने वाली है। इसमें 25 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आंदोलन वापस लेने के बाद केंद्र सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। सीजेपी ने कहा कि सरकार ने आश्वासन पूरे करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की अब तक औपचारिक जानकारी नहीं दी है। पार्टी ने कहा कि वादे पूरे कराने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होगा, जिसमें दोबारा शांतिपूर्ण राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करना भी शामिल है।

आज से दूरसंचार विभाग बदल देगा नियम

हद हुई पार तो नहीं मिलेगा नया सिम

नई दिल्ली। 24 अगस्त से सिम कार्ड को लेकर एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। भारत सरकार का दूरसंचार विभाग सिम कार्ड लिमिट नियम पर सख्ती करने जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, अगर कोई शख्स पूर्व निर्धारित सिम कार्ड की लिमिट तक सिम को खरीद चुका है, तो ऐसे लोगों के लिए टेलीकॉम कंपनियां नई सिम प्रोवाइड नहीं कराएगी। इसके लिए जरूरी है कि लोगों को पता होना चाहिए कि उनके नाम पर कितने सिम कार्ड इशू हो चुके हैं। सिम कार्ड को लेकर नियम है कि एक शख्स अधिकतम 9 सिम कार्ड खरीद सकता है और उनको चला सकता है। हालांकि अगर कोई नंबर बंद हो चुका है तो वह उसमें काउंट नहीं होगा। यह लिमिट देश के अधिकतर राज्यों में लागू होती है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, असम और पूर्वोत्तर के राज्यों में मैक्सिमम सिम कार्ड की सीमा 6 हैं। जानकारी के मुताबिक, दूरसंचार विभाग की नई गाइडलाइंस के मुताबिक टेलीकॉम

कंपनियों को सिम बेचने से पहले देखना होगा कि नया सिम कार्ड लेने वाले शख्स के नाम पर पहले से कितने सिम कार्ड एक्टिव हैं। अगर वह पहले से निर्धारित लिमिट की सिम कार्ड इशू करा चुका है और वे सिम एक्टिव हैं, तो नए कनेक्शन के लिए सिम कार्ड देने से मना किया जा सकता है। 24 अगस्त के बाद से अगर आप अपने सिम कार्ड खरीदने जा रहे हैं तो सबसे पहले संचार साथी पोर्टल की मदद से खुद चेक कर सकते हैं कि आपके नाम से कितने सिम कार्ड एक्टिव हैं।

संचार साथी पोर्टल पर चेक करें

संचार साथी पोर्टल के होमपेज पर जाना होगा, जिसके बाद नीचे स्क्रॉल करेंगे तो वहां 'नो मोबाइल कनेक्शन इन योर नेम' नजर आएगा, उस पर क्लिक करें। फिर दस नंबर का मोबाइल नंबर एंटर करें। इसके बाद कैप्चा एंटर करें और फिर ओटीपी एंटर करें। आखिर में जाकर लॉगइन के ऑप्शन पर क्लिक कर दें। इसके बाद न्यू विंडो ओपन हो जाएगा, जहां आपके नाम पर रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर को देख सकेंगे। हालांकि जिन नंबर का आप यूज नहीं कर रहे हैं, उनको बंद करा सकते हैं। साथ ही कोई अनजान नंबर है, तो उसकी रिपोर्ट भी कर सकते हैं।

भारत में विश्व स्तरीय पोत निर्माण केंद्र बनने की पूरी क्षमता : राजनाथ

कोलकाता।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कोलकाता से ऑनलाइन माध्यम से 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स' और 'यंत्र इंडिया लिमिटेड' की पांच विस्तार योजनाओं की आधारशिला रखी। आधारशिला रखने के लिए आयोजित कार्यक्रम में सिंह के साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 3,500 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा, भारत में पोत निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है। वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक शून्यता आ रही है और भारत इस मौके का लाभ उठा सकता है। इन परियोजनाओं में जीआरएसई की तीन और यंत्र इंडिया की दो विस्तार योजनाएं शामिल हैं।

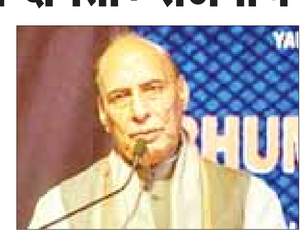

रक्षामंत्री ने कहा, राज्य विकास के एक नए दौर की शुरुआत करने के लिए कदम उठाएगा। पश्चिम बंगाल में कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नयी परियोजनाओं की शुरुआत ने ले ली हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए जीआरएसई ने युद्धपोत बनाने और उनकी मरम्मत करने की अपनी क्षमता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह, कोलकाता के साथ पट्टा समझौता किए हैं। इस समझौते के तहत हुगली नदी के दोनों किनारों पर दो छोटे शिपयार्ड और रायचक में नदी के किनारे 32 एकड़ जमीन ली गई है।

पीएनजी उपयोग बढ़ाने जिला स्तर पर अधिकारी नियुक्त करें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरों में पाइप के जरिये प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की पहुंच और इस्तेमाल बढ़ाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। ये अधिकारी गैस वितरण कंपनियों और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के साथ समन्वय कर उन घरों को पाइप वाली रसोई गैस से जोड़ने में मदद करेंगे, जहां पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे पत्र में कहा कि पीएनजी सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुविधाजनक ईंधन है। इसका इस्तेमाल बढ़ने से रसोई गैस सिलेंडर यानी एलपीजी की ढुलाई का बोझ कम होगा और शहरों में तैयार किए गए गैस वितरण ढांचे का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

मंत्रालय चाहता है कि इस मामले में जिला-स्तर पर हस्तक्षेप हो। मंत्रालय एक ऐसा नियामकीय ढांचा लागू करने वाला है जिसके तहत परिवार ऐसे इलाकों में एलपीजी और पीएनजी कनेक्शन दोनों एक साथ नहीं रख सकेंगे जहां पाइप वाली गैस उपलब्ध है। सरकार का यह कदम ऐसे उठाया आया है जब इस साल पश्चिम एशिया में संकट के दौरान एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई थी। सरकार अब उन क्षेत्रों में एलपीजी से पीएनजी की ओर तेजी से बदलाव करना चाहती है, जहां पाइप वाली गैस पहुंच चुकी है। पीएनजी को तेजी से बढ़ावा देने के लिए सरकार ने प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन बिछाने, निर्माण, परिचालन और विस्तार तथा अन्य सुविधाओं) आदेश 2026 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा तीन के तहत एलपीजी नियंत्रण आदेश को अधिसूचित किया है। मंत्रालय ने राज्यों से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को इस काम के लिए नामित करने को कहा है। प्रत्येक जिले में कम से कम जिला आपूर्ति अधिकारी स्तर के एक अधिकारी को पीसीसी से जोड़ा जाएगा।

किस तैयारी में जुटी सरकारः कांग्रेस

मानसून सत्र खत्म करने में देरी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त करने में हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने रविवार को पूछा कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब भी परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को विशेष सत्र में पारित कराने के लिए अपने दागी दो-तिहाई बहुमत की तलाश में हैं। लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने और उसके सत्रावसान (औपचारिक रूप से सत्र समाप्त करने) के बीच आमतौर पर दो से चार दिन का अंतर होता है। हालांकि, ऐसे कई उदाहरण हैं जब स्थगन और सत्रावसान एक ही दिन हुआ है। रमेश ने कहा कि लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 10 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इसके सत्रावसान की कोई जानकारी नहीं है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर कहा, यह सही है कि 2015 में मानसून सत्र में यह अंतर 28 दिन और 2021 में 20 दिन का था। लेकिन तब कोई चाल नहीं चल रही थी। उन्होंने सवाल किया, अब असामान्य देरी की वजह क्या है? क्या केंद्रीय गृह मंत्री अब भी विशेष सत्र में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए अपने दागी दो-तिहाई बहुमत की तलाश में हैं? कांग्रेस नेता ने संसद की कार्यवाही से जुड़ी पुस्तक 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामेंट' के एमएन कौल और एसएल शकधर द्वारा लिखे गए एक पृष्ठ का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। इसका उद्देश्य सदन के सत्रावसान की प्रक्रिया को रेखांकित करना था। पुस्तक में कहा गया है, अनुच्छेद 85(2) के तहत राष्ट्रपति के आदेश से सदन के सत्र की समाप्ति को सत्रावसान कहा जाता है। सदन का सत्रावसान करने की शक्ति का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर कार्य करते हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को सलाह देने से पहले मंत्रिमंडल से परामर्श कर सकते हैं। इसमें कहा गया है, सदन का सत्रावसान किसी भी समय हो सकता है, यहां तक कि सदन की बैठक के दौरान भी। हालांकि, आमतौर पर सदन की बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद सत्रावसान होता है।

परिसीमन को लेकर क्या है कांग्रेस का रुख?

कांग्रेस ने पहले कहा था कि विपक्ष की सफलता के कारण दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन सरकार इसमें सफल नहीं हो सकी और परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पेश नहीं किया जा सका। दोनों सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद रमेश ने कहा था, उनके पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है और उन्हें यह कभी नहीं मिलेगा। कांग्रेस ने पिछले सप्ताह लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को अगले 25 वर्षों तक बरकरार रखने की मांग की थी। पार्टी ने 2029 के लोकसभा चुनाव से ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की भी मांग की थी।

डूबने की कगार पर गौरीघाट पर बनी होटलें धुआंधार का जलप्रपात दिखना हुआ बंद

उफान पर आई नर्मदा नदी, पर्यटकों से सर्तकता बरतने की अपील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में लगातार हुई बारिश से नदी, तालाब, जलाश्य भी लहराने लगे है। नर्मदा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इधर गौरीघाट में जमी दर्जनभर से अधिक होटले डूबने की कगार पर पहुंच गई। बताया जा रहा है कि गौरीघाट में नर्मदा नदी का जलस्तर रामजानकी मंदिर तक पहुंच गया है।

घाट पर लगने वाली पूजन-सामग्री सहित अन्य दुकानें ऊपर सड़क पर आ गईं। जिस तरह नर्मदा का जलस्तर बढ़ रहा है उसे देखते हुए कहा जा रहा है कि आगामी एक-दो दिन में नागमंदिर भी नर्मदा में समाहित हो जाएगा।

जहां तक देखा नर्मदा की अथाह जलराशि नजर आ रही है। सुरक्षा के मद्देनजर नावों का संचालन बंद कर दिया गया है वहीं सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। जलस्तर बढ़ने का दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग घाटों पर पहुंच रहे हैं और मोबाइल कैमरों में नर्मदा के इस स्वरूप को कैद कर रहे हैं।

तिलवारा घाट का पुराना पुल तक पहुंचा पानी

इधर तिलवारा घाट का पुराना पुल भी डूबने की कगार पर पहुंच गया है। रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना (बरगी डैम) का जलस्तर बढ़कर 421.05 मीटर पहुंच गया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बांध के 13 गेट खोलकर 3,988 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। पानी छोड़े जाने से नर्मदा नदी के सभी घाट लबालब भर गए हैं और निचले तटीय इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम घाटों में सावधानी बरतने की अपील कर रहा है।

अगस्त में अब तक 526.2 मिमी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक अगस्त में अब तक जबलपुर में 526.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि तक 873.6 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इस बार भी रुक-रुककर हो रही बारिश से औसत बारिश का लक्ष्य धीरे-धीरे पूरा हो रहा है। सितंबर में भी अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक शहर में बादल छाए रहेंगे और मध्यम से तेज बारिश हो सकती है।

फोटो: अनिल तिवारी

पुलिस ने चलाया व्यापक अभियान कॉम्बिंग गश्त में पकड़े 269 वारंटी

शहर से लेकर देहात के थानों तक देर रात हुई कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अपराधियों पर शिकंजा कसने और जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जबलपुर पुलिस ने शनिवार रात व्यापक कॉम्बिंग गश्त एवं धरपकड़ अभियान चलाया। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शहर से लेकर देहात तक पुलिस की अलग-अलग टीमों ने देर रात तक दबिश देकर लंबे समय से फरार आरोपियों और वारंटियों को पकड़ा। 22 अगस्त की रात 9 बजे से 23 अगस्त की रात 2 बजे तक चले इस अभियान में पुलिस ने कुल 269 वारंट तामील किए। इनमें कई वर्षों से फरार 117 गैर-जमानती वारंट, 85 गिरफ्तारी वारंट और 67 जमानती वारंट शामिल हैं। पुलिस कप्तान के निर्देश पर शहर और देहात के थानों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों की विशेष टीमें गठित की गई थीं। प्रत्येक टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी अथवा उप निरीक्षक और सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को सौंपा गया।टीमों ने चिन्हित आरोपियों के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। पुलिस के अनुसार, कई वारंटी लंबे समय से फरारी काट रहे थे और पुलिस की गिरफ्त से बचते आ रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

491 पाव शराब हुई बरामद

कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ भी व्यापक कार्रवाई की। अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही में पुलिस ने कुल 35 लीटर कच्ची शराब तथा 491 पाव देशी एवं अंग्रेजी शराब जब्त की। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्यवाही की जा रही है। अभियान के दौरान पुलिस ने सक्रिय गुंडे-बदमाशों की गतिविधियों की भी जांच की। देर रात आने-जाने वाले संदिग्ध लोगों को रोककर पूछताछ की गई और संदिग्ध वाहनों की जांच की गई। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मुसाफिरखाना सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी पुलिस टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की।

पंजाबी समाज की मांग, चण्डीगढ़ तक चलाई जाए जबलपुर-निजामुद्दीन ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर से हजरत निजामुद्दीन तक 4 रेलगाड़ी नियमित रूप से चलाई जा रही है, लेकिन निजामुद्दीन से आगे की यात्रा के लिए कोई भी ट्रेन जबलपुर से उपलब्ध नहीं है। निजामुद्दीन से आगे हरियाणा, पंजाब, चण्डीगढ़, हिमाचल प्रदेश की मात्रा करने हेतु सीधी ट्रेन उपलब्ध न होने कारण यात्रियों, पर्यटको, व्यापारियों, छात्रों एवं पीजी आई मेडीकल कॉलेज एवं अस्पताल, धार्मिकजनों को हिमाचल प्रदेश विश्वस्तरीय पर्यटन राज्य एवं वीर भूमि, देव भूमि के नाम से विख्यात है। उपरोक्त राज्यों की यात्रा अत्यधिक कठिनाईयों का सामना करते हुए पूरी करनी पड़ती है। पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन की विगत दिवस एक बैठक आयोजित की गई में पंजाबी समाज के सदस्यों ने जबलपुर से हजरत निजामुद्दीन सुपर फास्ट ट्रेन को चढ़ीगढ़ तक सीधी रेल सेवा प्रदान करने के लिए व्हाया नई दिल्ली से अम्बाला केन्ट के रास्ते होते हुए चढ़ीगढ़ तक बढ़ाये जाने की मांग रखी। पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्रपाल मलिक, उमेश खुराना, उमेश शर्मा, एड. कृष्ण कुमार बस्सी ने बताया कि जबलपुर से निजामुद्दीन तक चलने वाली 4 नियमित ट्रेनों में से जबलपुर निजामुद्दीन सुपर फास्ट ट्रेन नम्बर 22181-22182 को हजरत निजामुद्दीन से चण्डीगढ़, व्हाया नई दिल्ली अम्बाला केन्ट तक विस्तारित करने हेतु जबलपुर सांसद आशीष दुबे जो को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई कि रेलवे विभाग एवं रेल मंत्री से इस माँग को पूरा करने की अपील की है। ज्ञापन सौंपते समय पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन के नरेन्द्रपाल मलिक, आरके कपूर, इन्दर बिरमानी, जनसम्पर्क अधिकारी उमेश शर्मा, उमेश खुराना, सुधीर मेहता, सुशील आनंद आदि उपस्थित रहे।

2 सितंबर को होगा हीरक जयंती का भव्य समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्था मिलन के स्थापना दिवस एवं संस्था की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह का भव्य समापन शहीद स्मारक में आगामी 2 सितंबर को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर स्व मोहन शशि द्वारा प्रारंभ किए गए हीरक जयंती वर्ष के कार्यक्रमों के समापन की औपचारिक घोषणा भी की जाएगी। मिलन के मीडिया प्रभारी मृगेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि संस्था की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, हास्य एवं व्यंग्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दर्शकों का मनोरंजन करेंगी। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में अपने उल्लेखनीय कार्यों से समाज और जबलपुर का गौरव बढ़ाने वाले 10 विशिष्ट एवं गुणीजनों का अभिनंदन भी किया जाएगा।

एनएसओ छात्र संगठन का 16वें दिन भी धरना प्रदर्शन जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

एनएसओ छात्र संगठन द्वारा नर्सिंग काउंसिल भोपाल पर 16वें दिन भी धरना प्रदर्शन जारी रहा और सभी मांगो को पूरा करने तक धरना प्रदर्शन जारी रखने की मांग दोहराई। संगठन के संस्थापक गोपाल पाराशर ने बताया कि संगठन द्वारा सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना प्रदर्शन लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सरकार और नर्सिंग काउंसिल भोपाल द्वारा पुराने 2020,2021,2022 के सत्रों के स्टूडेंट्स की रिजल्ट, परीक्षा, स्कॉलरशिप, जैसी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है। लाखों स्टूडेंट्स का भविष्य बर्बाद हो चुका है और आगामी लाखों स्टूडेंट्स का भविष्य बर्बाद करने की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन लगातार मांग कर रहा है कि फर्जी और डुप्लीकेट फैकल्टी रोकने के लिए देश के अन्य राज्यों की तरह फैकल्टी मैनेजमैंट सिस्टम लागू किया जाए और उसके बाद ही नए सत्र की मान्यता प्रदान की जाए लेकिन भ्रष्टाचारी अधिकारी व मंत्री भ्रष्टाचार में गले तक डूबे हुए हैं इनको स्टूडेंट्स के भविष्य की चिंता नहीं है।

संगठन की मांग है कि मान्यता प्रक्रिया रोककर फैकल्टी मैनेजमैंट सिस्टम लागू करके फर्जीवाड़ा खत्म किया जाए और तब ही आगामी सत्र की मान्यता प्रदान की जाए।

रक्तदाताओं में दिखा उत्साह, शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्ल. के यौम-ए-विलादत के मुबारक अवसर पर हसनी हुसैनी सोसायटी, जबलपुर द्वारा रविवार को सरदार हामिद हसन की बाड़ी, गोहलपुर में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हाजी कदीर सोनी ने कहा कि रक्तदान महादान है। जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में रक्त की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। मकबूल रज़वी ने कहा कि हसनी हुसैनी सोसायटी का यह आयोजन लोगों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

नेताओं को स्मरण पत्र देकर याद दिलाया जाएगा भाजपा नेत्री स्मृति ईरानी का वादा

सिहोरा जिला बनाने आंदोलन समिति शुरू करेगी अभियान

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान सिहोरा को जिला बनाने का प्रस्ताव सरकार के समक्ष स्वयं लेकर जाने के दिए गए वादे की याद अब लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति दिलाएगी। समिति ने इस अभियान की शुरुआत 1 सितंबर से करने का निर्णय लिया है। आंदोलन समिति के सदस्यों अनिल जैन, विकास दुबे, कृष्णकुमार कुररिया, सुशील जैन का कहना है कि चुनाव के दौरान सिहोरा जिला का मुद्दा उठाते हुए स्मृति ईरानी ने मंच से सिहोरा की जनता और कार्यकर्ताओं के बीच स्पष्ट रूप से वादा किया था कि भाजपा की सरकार बनने और संतोष बरकड़े के विधायक चुने जाने के बाद वे स्वयं मुख्यमंत्री के समक्ष सिहोरा को जिला बनाने का निवेदन लेकर जाएंगी।

समिति ने स्मृति ईरानी के उस वक्तव्य का वीडियो भी सामने रखा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह दुनिया जानती है कि आपकी दीदी एक बार किसी को स्वयं वचन दे दे तो वचन की पूर्ति करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सिहोरा जिला का निवेदन स्वयं सरकार के समक्ष लेकर जाने का आश्वासन दिया था।

फाइल फोटो

प्रतिदिन एक भाजपा नेता को सौंपेंगे स्मरण पत्र

लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने निर्णय लिया है कि 1 सितंबर से प्रतिदिन एक स्थानीय भाजपा नेता के घर पहुंचकर उन्हें स्मरण पत्र सौंपा जाएगा। समिति का कहना है कि चुनाव के दौरान जिस मंच से सिहोरा जिला बनाने के मुद्दे को लेकर वादा किया गया था, उस मंच पर मौजूद सभी प्रमुख भाजपा नेताओं को स्मरण पत्र देकर वादे की याद दिलाई जाएगी।

जिन नेताओं को स्मरण पत्र सौंपा जाना है, उनमें संतोष बरकड़े, दिलीप दुबे, संध्या दिलीप दुबे, रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, राजा मोर, राजेश दाहिया, अनुपम सराफ, अंकित तिवारी और सतीश पटेल के नाम शामिल हैं। समिति ने सिहोरा के नागरिकों से भी इस अभियान में शामिल होने की अपील की है। समिति ने कहा कि नागरिक स्मृति ईरानी के उस वीडियो को अधिक से अधिक साझा करें और सिहोरा जिला बनाने के वादे की याद दिलाते हुए अपनी बात रखें। आंदोलन समिति का कहना है कि सिहोरा जिला की मांग को लगातार जीवंत बनाए रखने के लिए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से यह अभियान चलाया जाएगा।

हाईकोर्ट बार कौंसिल के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। घंटाघर काफी हाउस मित्र मंडल के तत्वाधान में हाईकोर्ट बार कौंसिल के अध्यक्ष एड मृगेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष सत्येंद्र ज्योतिषी एवं संस्कार कांवड़ यात्रा के संस्थापक शिव यादव का घंटाघर काफी हाउस में स्वागत किया गया। इस अवसर पर महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संस्थापक डॉ प्रशांत मिश्रा, काफी हाउस मित्र मंडल के अध्यक्ष राजेश कांत सोनकर, रामरतन यादव, संजय साहू,ि संघई प्रशांत पाल ने तीनों अतिथियों का शॉल श्रीफल तथा पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन दिनेश सिंह ठाकुर ने किया।

ब्लॉकचेन तकनीक के माध्यम से रोकी जा सकेगी वित्तीय धोखाधड़ी

पारदर्शी और भरोसेमंद वित्तीय भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण शोध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच तकनीक को आम नागरिक की मेहनत की कमाई, विश्वास और भविष्य की सुरक्षा का माध्यम बनाने की दिशा में युवा शोधकर्ता डॉ. कामेश सतीश पवार और उनकी शोध टीम ने महत्वपूर्ण पहल की है। डॉ. पवार के शोध का विषय वित्तीय सेवाओं पर ब्लॉकचेन तकनीक के प्रभाव का अध्ययन है। शोध में वित्तीय क्षेत्र में ब्लॉकचेन तकनीक के संभावित उपयोग, पारदर्शिता बढ़ाने, लेन-देन की सुरक्षा मजबूत करने तथा वित्तीय धोखाधड़ी की चुनौतियों से निपटने में इसकी भूमिका का अध्ययन किया गया है।

ब्लॉकचेन से वित्तीय क्षेत्र में नई संभावनाएं-ब्लॉकचेन तकनीक अपनी विकेंद्रीकृत संरचना, रिकॉर्ड की पारदर्शिता और लेन-देन की विश्वसनीयता के कारण वित्तीय क्षेत्र में नई संभावनाएं प्रस्तुत करती है। शोध में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि इस तकनीक का प्रभाव वित्तीय सेवाओं की सुरक्षा और पारदर्शिता को किस प्रकार मजबूत कर सकता है तथा भविष्य में वित्तीय धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने में इसकी क्या संभावित भूमिका हो सकती है। शोध टीम का मानना है कि तकनीकी नवाचार का वास्तविक उद्देश्य तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के आम नागरिक तक पहुंचे और वह लोगों के आर्थिक जीवन को अधिक सुरक्षित एवं भरोसेमंद बनाने में योगदान दे।

इस शोध में डॉ. कामेश सतीश पवार के साथ डॉ. अनिल कुमार, डॉ. सुल्तान सिंह, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. निर्मलम एस. एवं डॉ. शालिनी गौतम का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

जल-ताप विद्युत गृहों की अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत विकसित होंगी प्रणालियां

एक-दिवसीय आईएसओ कार्यशाला में अभियंताओं ने लिया भाग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड अपने सभी जल एवं ताप विद्युत गृहों के अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्यप्रणालियाँ एवं एकीकृत प्रबंधन प्रणालियों के नवाचार हेतु सजगता से अग्रसर हो रही है। इसी सिलसिले में कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह की अध्यक्षता में नयागांव, जबलपुर में स्थित नवनिर्मित मध्यप्रदेश पावर जनरेशन प्रशिक्षण संस्थान में आईएसओ मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में कंपनी के विभिन्न जल एवं ताप विद्युत गृहों के 15 अभियंताओं ने भाग लिया। कंपनी के प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित कार्यशाला में आईएसओ मैनेजर नविता ठाकुर एवं तरंग श्रीवास्तव ने वरिष्ठ अभियंताओं के समक्ष आईएसओ के मूल सिद्धांतों तथा इसके लाभों पर सहित मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन की कंपनी की कार्यप्रणालियों के परिप्रेक्ष्य में महत्ता पर प्रस्तुति दी। इसके साथ ही सभी विद्युत गृहों के आईएसओ रोडमैप तथा विभिन्न आईएसओ मानकों को एकीकृत प्रबंधन प्रणाली के रूप में लागू किए जाने पर भी चर्चा की गई। अति. मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक तिवारी ने आईएसओ ऑडिट एवं प्रमाणन की तैयारियों के संबंध में अभियंताओं को दस्तावेजीकरण, प्रक्रियाओं के मानकीकरण, अनुपालन, आंतरिक ऑडिट तथा निरंतर सुधार जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी।

क्या दर्शाते है आईएसओ मानक

आईएसओ 9001 के माध्यम से गुणवत्ता प्रबंधन, प्रक्रियाओं का मानकीकरण, दस्तावेजीकरण, प्रक्रिया नियंत्रण एवं निरंतर सुधार सुनिश्चित होता है। ताप एवं जल विद्युत संयंत्रों में पर्यावरणीय प्रभावों की पहचान एवं नियंत्रण किया जा सकता है।

45001 पावर प्लांट में मौजूद विभिन्न सुरक्षा जोखिमों के प्रबंधन और सक्रिय सुरक्षा संस्कृति विकसित करने में सहायक है। वहीं ढ्स्ह 50001 के माध्यम से ऊर्जा खपत का मापन, विश्लेषण तथा ऊर्जा दक्षता में निरंतर सुधार किया जा सकता है।

प्रोफेशनल स्टैन्डर्ड के बल बनाएंगे नई पहचान

प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने आईएसओ प्रमाणन को मात्र एक उपलब्धि से परे कंपनी के लिए दैनिक कार्यप्रणाली का हिस्सा बताते हुए कहा कि कंपनी के युवा अभियंताओं की ऊर्जा, दक्षता और प्रोफेशनल स्टैन्डर्ड के बल पर हम अपने सभी विद्युत गृहों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय, कुशल तथा पर्यावरणानुकूल बनाएंगे। वहीं डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम ने कहा कि आईएसओ 9001, आईएसओ 14001, आईएसओ 45001 एवं आईएसओ 50001 कंपनी के विद्युत गृहों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इन मानकों को अलग-अलग प्रणालियों के रूप में देखने के बजाय एकीकृत प्रबंधन प्रणाली के रूप में लागू करना अधिक प्रभावी होगा। आयोजित कार्यशाला में कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन दीपक कश्यप, अति. मुख्य अभियंता मानव संसाधन एवं प्रशासन संजय कुमार जैन आदि शामिल रहे।

हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए सेठ गोविंददास का संघर्ष

संस्कारधानी की धरती ने ऐसे अनेक महान व्यक्तित्व दिए, जिन्होंने देश और समाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इनमें सेठ गोविंददास का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वे हिंदी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित कराने के लिए जीवनभर संघर्ष करते रहे। सेठ गोविंददास का मानना था कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी थी। उन्होंने संसद में हिंदी के पक्ष में प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी। उनका स्पष्ट विचार था कि जिस भाषा ने स्वतंत्रता संग्राम में देश को एक सूत्र में बांधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसे कमजोर नहीं माना जा सकता।

संविधान सभा में उठाई आवाज

वर्ष 1946 में संविधान सभा की पहली बैठक से ही उन्होंने हिंदी के पक्ष में अपनी बात रखनी शुरू कर दी थी। 14 जुलाई 1947 को संविधान सभा की चौथी बैठक में सेठ गोविंददास और पी.डी. टंडन ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के समर्थन में जोरदार पक्ष रखा। सेठ गोविंददास ने दिल्ली में 6 और 7 अगस्त 1949 को राष्ट्रभाषा सम्मेलन आयोजित कराया। सम्मेलन में देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली संस्कृतनिष्ठ हिंदी को राजभाषा घोषित किए जाने का प्रस्ताव पारित हुआ। यह हिंदी के पक्ष में उनके निरंतर प्रयासों का महत्वपूर्ण पड़ाव था।

संसद में अकेले किया विरोध

वर्ष 1963 में अंग्रेजी के आधिकारिक उपयोग को जारी रखने और राज्यों को अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को सरकारी भाषा के रूप में अपनाने से संबंधित विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया। सेठ गोविंददास ने इसका विरोध किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से सहमति न बनने के बावजूद उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए विरोध दर्ज कराने की अनुमति मांगी। कहा जाता है कि नेहरू को उनकी दृढ़ता के सामने उन्हें विरोध दर्ज कराने की अनुमति देनी पड़ी। संविधान के अनुच्छेद 343 में प्रस्तावित बदलाव के विरोध में वे संसद में अकेले सांसद के रूप में खड़े हुए।

सेठ गोविंददास की विरासत

आज जब हिंदी का प्रयोग शिक्षा, पत्रकारिता, साहित्य और डिजिटल माध्यमों में लगातार बढ़ रहा है, तब सेठ गोविंददास जैसे हिंदी सेवियों के योगदान को याद करना आवश्यक है। संस्कारधानी जबलपुर की इस महान विभूति ने हिंदी के सम्मान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष विद्यार्थियों को यह सीख देता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, पहचान और राष्ट्रीय चेतना का आधार भी है।

शब्दों की शक्तिः रिश्ते संवारने से जीवन बदलने तक

श्रद्धा पटेरिया
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रंस एकेडमी, गोरखपुर

शब्द हमारे विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। सही शब्द न केवल दूसरों तक हमारी बात पहुंचाते हैं, बल्कि उनके विचारों और भावनाओं को भी प्रभावित करते हैं। अच्छे और सकारात्मक शब्द व्यक्ति को सही दिशा और आत्मविश्वास देते हैं। कई बार सोच-समझकर बोले गए कुछ शब्द किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

इसके विपरीत, गलत या कठोर शब्द रिश्तों में दरार पैदा कर सकते हैं। इसलिए हमें बोलने से पहले अपने शब्दों पर विचार करना चाहिए। पुरानी कहावत हैकृमुंह से निकली बात और कमान से निकला तीर वापस नहीं आते। यही कारण है कि शब्दों का चयन बहुत सावधानी से करना चाहिए।

मधुर शब्द बिगड़े रिश्तों को भी संवार सकते हैं। 'मुझे माफ कर दीजिए', 'मुझसे गलती हो गई' और 'धन्यवाद' जैसे छोटे-छोटे शब्द बड़े विवादों को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। वहीं कटु शब्द छोटी-सी बात को भी बड़ी समस्या बना सकते हैं। शब्दों की शक्ति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इतिहास में कई बड़े विवाद और युद्ध गलत शब्दों या संवाद की कमी से जन्मे। दूसरी ओर, प्रेम, शांति और विश्वास से कहे गए शब्द लोगों को जोड़ने का काम करते हैं। इसलिए हमें अपने शब्द-भंडार को समृद्ध करने के साथ मधुर, सकारात्मक और सही शब्दों के प्रयोग की आदत डालनी चाहिए। शब्द केवल बोलने का माध्यम नहीं, बल्कि रिश्ते बनाने और जीवन को बेहतर दिशा देने की ताकत हैं। अच्छे शब्द मन में खुशी, विश्वास और अपनापन पैदा करते हैं।

व्याकरण में होने वाली सामान्य गलतियां

भाषा को प्रभावी और शुद्ध बनाने में व्याकरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विद्यार्थी अक्सर लिखते या बोलते समय कुछ ऐसी सामान्य गलतियां कर देते हैं, जिनसे वाक्य का अर्थ और भाषा की सुंदरता दोनों प्रभावित होती हैं। यदि इन गलतियों पर ध्यान दिया जाए तो भाषा को आसानी से बेहतर बनाया जा सकता है।

वर्तनी की गलती- शब्दों को गलत लिखना विद्यार्थियों की सबसे सामान्य भूल है। जैसे 'आवश्यक' को 'आवशयक' या 'स्वतंत्र' को 'स्वतन्त्र' लिखना संदर्भ के अनुसार गलत माना जा सकता है। कठिन शब्दों की सही वर्तनी का नियमित अभ्यास जरूरी है।

'है' और 'हैं' का गलत प्रयोग- एकवचन और बहुवचन के अनुसार क्रिया का प्रयोग होना चाहिए। जैसे, 'बच्चे खेल रहा है' गलत है, जबकि 'बच्चे खेल रहे हैं' सही है। इसी तरह 'वह विद्यालय जा रहे हैं' की जगह सामान्यतः 'वह विद्यालय जा रहा है' लिखा जाएगा।

लिंग संबंधी गलती- हिंदी में पुल्लिंग और स्त्रीलिंग का सही ज्ञान जरूरी है। जैसे 'सीता बाजार गया' गलत है, जबकि 'सीता बाजार गई' सही है। संज्ञा के लिंग के अनुसार क्रिया और विशेषण का प्रयोग करना चाहिए।

भारतेंदु हरिश्चंद्रः आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक

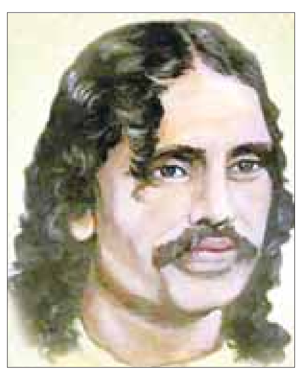

हिंदी साहित्य के इतिहास में भारतेंदु हरिश्चंद्र का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें 'आधुनिक हिंदी साहित्य का जनक' तथा 'हिंदी नवजागरण का अग्रदूत' माना जाता है। उन्होंने हिंदी साहित्य को परंपरागत सीमाओं से निकालकर आधुनिक सामाजिक, राष्ट्रीय और राजनीतिक चेतना से जोड़ा। कविता, नाटक, निबंध, पत्रकारिता, व्यंग्य और सामाजिक चिंतनकृलगभग हर क्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके साहित्य में देशप्रेम, समाज-सुधार, अपनी भाषा के प्रति गौरव और तत्कालीन भारत की समस्याओं की स्पष्ट झलक दिखाई देती है।

जन्म और पारिवारिक पृष्ठभूमि

भारतेंदु हरिश्चंद्र का जन्म 9 सितंबर 1850 को वाराणसी के एक प्रतिष्ठित वैश्य परिवार में हुआ था। उनके पिता बाबू गोपालचंद्र, जिन्हें 'गिरधर दास' नाम से भी जाना जाता था, स्वयं कवि थे। घर के साहित्यिक वातावरण का प्रभाव बालक हरिश्चंद्र पर पड़ा और बहुत कम उम्र में ही उनमें कविता तथा साहित्य के प्रति गहरी रुचि विकसित हो गई। बचपन में ही उन्होंने हिंदी के साथ संस्कृत, ब्रजभाषा, उर्दू, बंगला और अंग्रेजी जैसी भाषाओं का अध्ययन किया।

'भारतेंदु' की उपाधि कैसे मिली?

भारतेंदु हरिश्चंद्र की साहित्यिक प्रतिभा से प्रभावित होकर विद्वानों ने उन्हें 'भारतेंदु' की उपाधि प्रदान की। 'भारतेंदु' का अर्थ है, भारत का चंद्रमा। यह नाम आगे चलकर उनकी साहित्यिक पहचान बन गया। उन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से भारत की सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना को स्वर दिया। इसलिए उनका नाम केवल एक व्यक्ति का नाम नहीं, बल्कि हिंदी साहित्य के एक महत्वपूर्ण युग का प्रतीक बन गया।

हिंदी नवजागरण के प्रमुख प्रवर्तक

19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारतीय समाज अनेक समस्याओं से जूझ रहा था। अंग्रेजी शासन, आर्थिक शोषण, अशिक्षा, सामाजिक कुरीतियां और भाषा संबंधी चुनौतियां समाज के सामने थीं। भारतेंदु ने साहित्य को इन समस्याओं पर विचार करने का माध्यम बनाया। उन्होंने लोगों में देशप्रेम, आत्मसम्मान और सामाजिक जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया। उनके साहित्य में तत्कालीन भारत की दुर्दशा के साथ-साथ देश के बेहतर भविष्य की आकांक्षा भी दिखाई देती है।

How to Write an Effective Essay

Writing an essay is an important skill for students. A good essay is not only about correct grammar; it is about presenting ideas clearly, logically and effectively. With the right approach, students can make their essays more interesting and score better in examinations.

Understand the Topic First

Before writing, read the topic carefully and understand what it asks. Identify the main subject and think about the points you want to include. Spending a few minutes planning can prevent you from going off-topic.

Begin with an Attractive Introduction

The introduction creates the first impression. Start with an interesting statement, question, fact or short quotation related to the topic. Clearly introduce the subject and give the reader an idea of what the essay will discuss.

Organize Ideas into Paragraphs

The main body should contain your important ideas. Each paragraph should focus on one main point. Arrange your points in a logical order so that one idea naturally connects with the next. Use simple examples wherever they are helpful.

Use Simple and Correct Language

An effective essay does not require complicated words. Use clear, grammatically correct and meaningful sentences. Avoid unnecessary repetition, slang and very long sentences. A strong vocabulary is useful, but clarity should always come first.

Add Examples and Relevant Facts

Examples make an essay more convincing and interesting. Depending on the topic, you can include facts, real-life examples, short quotations or suitable observations. However, every example should be relevant to the subject.

End with a Strong Conclusion

The conclusion should briefly summarize the main idea of the essay. Do not introduce a completely new argument at the end. Finish with a positive thought, suggestion or message that leaves a lasting impression.

Revise Before You Submit

Always keep a few minutes for revision. Check spelling, grammar, punctuation and sentence structure. Make sure every paragraph is connected to the topic and that the essay has a clear beginning, middle and ending. An effective essay is a combination of good ideas, proper organization, correct language and clear expression. By reading regularly, practicing writing and revising their work, students can gradually develop strong essay-writing skills and perform better in examinations.

शब्द पहेली - 8956

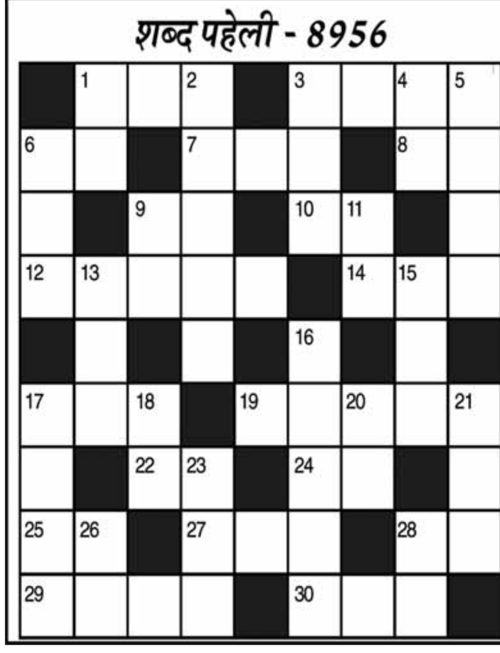

बाएँ से दाएँ

1. दैत्य, असुर-3
3. रुकावट, बाधा-4
6. सम्मान-2
7. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
8. मूल, कंद-2
9. सलाह, मशवरा-2
10. मोटा आटा-2
12. सलाह देने वाला-5
14. जलाना-3
17. माला का मोती-3
19. उग्रवाद, हिंसा वाद-5
22. शराब, मदिरा-2
24. दुख, कष्ट-2
25. चेतना, ध्यान-2
27. सालन, रसा-3
28. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
29. राजकुमार (उर्दू-4)
30. अस्तित्व, प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1. खैरात, दक्षिणा-2
2. गोलाकार-5
3. नश्वर, जो कभी न मरे-3
4. प्रतिदिन-2
5. हृदय स्पंदन-4
6. विचार-3
9. मार्ग, रास्ता-2
11. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13. बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15. सीरा, एक मिष्ठान्न-3
16. पतंग के पेच लड़ाना-5
17. बेसुध, अलमस्त-4
18. कार्य-2
20. जरा, थोड़ा-2
21. दरवाजा खटखटाना-3
23. इन्होंने कृष्ण को पाला था, कृष्ण की दूसरी मां-3
26. उकसावा, बढ़ावा-2
28. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -8955 का हल

न	ट	व	र	ना	ग	र	■	■
■	क	■	म	■	ज	■	का	■
ज	र	■	जा	हि	रा	■	जी	त
ब	■	ज	न	■	ज	मा	■	ल
र	च	ना	■	■	■	ज	वा	ब
द	■	ना	स	■	दा	रा	■	गा
स्त	र	■	मा	न	ना	■	ख	र
■	थ	■	धा	■	पा	■	ल	■
■	■	स	न	स	नी	फै	ल	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

ओवरब्रिज निर्माण की खुली पोल, जलभराव पर उठे सवाल!

लोकार्पण के दो माह में गर्रा रेलवे ओवरब्रिज पर पानी जमा रहा तो उखड़ सकती हैं कंक्रीट

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। सीमेंट-कंक्रीट सड़क और पुल निर्माण में पानी का अपना विशेष महत्व है। निर्माण के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत पानी देने से सीमेंट-कंक्रीट मजबूत होता है लेकिन यही पानी यदि लंबे समय तक सड़क या पुल की सतह पर जमा रहे तो निर्माण के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता हैं। बरसात के दिनों में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने पर सीमेंट कंक्रीट की सतह धीरे-धीरे प्रभावित होने लगती है और गिट्टियां उखड़ने की आशंका बढ़ जाती हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति नगर से वारासिवनी रोड़ पर करीब दो माह पहले लोकार्पित किए गए रेलवे ओवरब्रिज पर दिखाई दे रही हैं। नगर के समीप वारासिवनी रोड़ पर लंबे समय से निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण करीब दो माह पहले किया गया था। इसके बाद इसे आम आवागमन के लिए खोल दिया गया। लोगों को उम्मीद थी कि लंबे समय से चली आ रही रेलवे क्रॉसिंग की समस्या से राहत

मिलेगी और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। लेकिन पहली ही बारिश में ओवरब्रिज की निर्माण गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

दोनों ओर के ढलानों पर जमा हो रहा बारिश का पानी...

बरसात के दौरान ओवरब्रिज के ऊपरी हिस्से के साथ-साथ दोनों तरफ बने ढलानों पर भी पानी जमा होता दिखाई दे रहा हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ओर के ढलान पूरी तरह समतल और उचित ढंग से तैयार नहीं होने के कारण बारिश का पानी सहज रूप से नीचे नहीं उतर पा रहा हैं। परिणामस्वरूप जगह-जगह जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही हैं। ओवरब्रिज जैसे महत्वपूर्ण निर्माण में बारिश के पानी की निकासी के लिए पर्याप्त ढ़लान और ड्रेनेज व्यवस्था होना बेहद जरूरी माना जाता हैं। यदि पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होगी और लंबे समय तक पानी सीमेंट-कंक्रीट की सतह पर जमा रहेगा तो आने वाले समय में निर्माण की मजबूती प्रभावित होने की आशंका बनी रहेगी।

जलभराव रहा तो उखड़ सकती हैं गिट्टियां...

जानकारों के अनुसार, सीमेंट कंक्रीट की सतह पर लगातार जलभराव रहने से समय के साथ उसकी ऊपरी परत प्रभावित हो सकती हैं। पानी के लगातार संपर्क और वाहनों के दबाव के कारण कंक्रीट की सतह से गिट्टियां निकलने तथा जगह-जगह क्षरण होने की स्थिति बन सकती हैं। यदि शुरुआती स्तर पर ही जल निकासी की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में ओवरब्रिज की सड़क को नुकसान पहुंच सकता हैं और इसकी मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च का भार भी पड़ सकता हैं।

निर्माण के दौरान गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत...

रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण लंबे समय तक लोगों को सुविधा देने के उद्देश्य से किया जाता है। ऐसे में लोकार्पण के महज दो माह बाद ही यदि बरसात में जलभराव की स्थिति सामने आ रही है तो संबंधित निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी गंभीरता से जांच करनी चाहिए। पुल की सतह दोनों तरफ के ढलानों तथा जल निकासी व्यवस्था का तकनीकी निरीक्षण कर आवश्यक सुधार किए जाने की जरूरत है।

छोटी सी खामी कहीं बड़ी लापरवाही न बन जाए...

ओवरब्रिज का निर्माण भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया गया है। इसलिए इसकी छोटी सी खामी को भी नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यदि समय रहते जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में यह समस्या ओवरब्रिज की मजबूती और उपयोगिता पर असर डाल सकती हैं और यही लापरवाही में हादसों का कारण भी बन सकता हैं। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेते हैं और बरसात के दौरान सामने आई जल निकासी की इस समस्या का तकनीकी परीक्षण कर इसका स्थायी समाधान कब तक करते हैं।

इनका कहना हैं

गर्रा रेलवे ओरवब्रिज के मध्य वाला भाग रेलवे विभाग के अधिन हैं हमने उन्हे यह पानी जमा होने की स्थिती को लेकर बताया गया हैं वहीं अगर हमारे ओरवब्रिज के ढलान पर पानी जमा होता हैं तो जल्द ही देखा जाएगा, अगर कचरा के वजह से जाम होता हैं तो उसे खोला जाएगा।

अजुर्न सनोड़िया
एसडीओं, सेतू विभाग
बालाघाट

सवा 11 किलो गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

लालबर्रा पुलिस की कार्यवाही, जांच जारी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध मादक पदार्थों के परिवहन और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लालबर्रा पुलिस को बड़ी सफलता मिली हैं। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान 11.380 किलोग्राम गांजा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख 69 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने गांजा परिवहन में प्रयुक्त यामाहा मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है।पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त 2026 को लालबर्रा थाना पुलिस द्वारा ग्राम कनकी एवं बेहरई के मध्य बालाघाट-लालबर्रा हाईवे रोड पर संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान बालाघाट की ओर से लालबर्रा की तरफ जा रही यामाहा आर-15 मोटरसाइकिल क्रमांक टीएस-10-ईजी-5176 को पुलिस टीम ने रोककर जांच की। मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति सवार थे। पुलिस की नजर पीछे बैठे युवक के पास रखे नीले रंग के पिट्ठू बैग पर गई। बैग के संबंध में पूछताछ करने पर दोनों युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। संदेह होने पर पुलिस ने नियमानुसार तलाशी की कार्रवाई की।

बैग में मिले गांजा के 7 बंडल...

तलाशी के दौरान पिट्ठू बैग के अंदर खाकी-भूरे रंग के प्लास्टिक टेप से पैक किए गए कुल 7 बंडल बरामद हुए। बंडलों को खोलकर देखने पर उनमें हरे-भूरे रंग की पत्तेदार एवं बीजयुक्त वनस्पति मिली, जिसमें गांजा जैसी तेज गंध थी। पुलिस ने मौके पर नियमानुसार तौल और अन्य वैधानिक कार्रवाई की। इसमें कुल 11.380 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 5,69,000 रुपये आंकी गई। यामाहा आर-15 मोटरसाइकिल, आरोपी हितेश के कब्जे से मोबाइल फोन भी जब्त किया गया।

दोनों आरोपी गिरफ्तार...

मामले में पुलिस ने हितेश पिता स्व. मनोहर नागेश्वर, उम्र 35 वर्ष, निवासी औवल्याकन्हार, थाना लालबर्रा तथा चेतन पिता राजेन्द्र बांगरे, उम्र 19 वर्ष, निवासी मानपुर, थाना लालबर्रा को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध मादक पदार्थ संबंधी धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका...

कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस वारासिवनी के निर्देशन में की गई। इसमें थाना प्रभारी लालबर्रा निरीक्षक राजमल दायमा, सउनि. प्रभूदयाल कानतोड़े, सउनि. अनिल मडामें, प्रआर. विसराम धुर्वे, आरक्षक सौरभ शर्मा, आरक्षक हर्ष कनोजिया, आरक्षक लवकुश शर्मा, आरक्षक दिलीप राहंगडाले एवं चालक आरक्षक विजय हरदिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समाज के उत्थान और संगठन को लेकर तेली साहू समाज की बैठक में मंथन

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिला तेली साहू समाज की बैठक रविवार को स्थानीय शीतल पैलेस होटल में आयोजित की गई। बैठक में समाज के उत्थान, संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक गतिविधियों को गति देने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सामाजिक आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने, समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने, समाज के आय के स्त्रोत बढ़ाने, सामाजिक भवन निर्माण तथा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही जिला एवं ब्लॉक स्तर की कार्यकारिणी को सक्रिय करते हुए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपने पर भी चर्चा हुई। बैठक में आगामी समय में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं जिला तेली साहू समाज का मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उपस्थित समाजजनों ने सामाजिक एकता और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में जिला तेली साहू समाज के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र मानवटकर, सचिव संतोष समरिते, कोषाध्यक्ष जीएल लांजेवार, कन्हैया हटवार, खेमराज भोंगाड़े, कृष्ण कुमार बावनकर, तरुण साहू, हीरालाल बावनकर, भानेश साकुरे, सुनील पाटिल, शिव अगासे, पीतम आंबिलकर, जयराम कावड़े, सुजय साहू, केशव बैस, कमलेश साहू, संतोष आंबिलकर, योगेश तुलसीकर, खेमलाल पटले, हीरालाल पटले, ईशुलाल धावड़े सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित थे।

3959 बच्चों का मीजल्स-रुबेला टीकाकरण

प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार संचालन

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

जिले के बिरसा विकासखंड के ग्राम कुंडेकसा, अडोरी, कोरका एवं बांदरी में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं तथा मौसमी बीमारियों से प्रभावित बच्चों के उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रहीहैं। सर्दी- खांसी, बुखार, चर्मरोग, मीजल्स, स्कैबीज और मलेरिया सहित विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिए पिछले एक माह में 229 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 201 बच्चे स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने गांव लौट चुके हैं। वर्तमान में 28 बच्चे अस्पताल में उपचाररत हैं और स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य विभाग की 20 सर्वेक्षण टीमों द्वारा घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। बीमार व्यक्तियों की जांच एवं उपचार के लिए 4 पीएम जनमन एएमएमयू, 10 चिकित्सा अधिकारी तथा मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 4 एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें बच्चों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी कर रही हैं तथा आवश्यकता के अनुसार उन्हें उपचार एवं अस्पताल में भर्ती की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक किए गए सर्वे में विभिन्न बीमारियों से प्रभावित 798 मरीजों की पहचान की गई है। इनमें 229 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार दिया गया, जबकि 569 मरीजों को घर पर ही उपचार उपलब्ध कराया गया। अस्पताल में उपचार प्राप्त करने वाले 201 बच्चे

स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुंडेकसा, बोंदारी, कोरका, घुम्मुर, अडोरी, मछुरदा, गठिया एवं मातला सहित प्रभावित ग्रामों में घर-घर सर्वे का कार्य जारी है। सर्वे के दौरान 715 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक, ओआरएस एवं जिंक की गोलियां वितरित की गई हैं। वहीं 678 बच्चों को आयरन सिरप तथा 572 बच्चों को अल्बेंडाजोल की गोलियां दी गई हैं। मीजल्स-रुबेला टीकाकरण के विशेष अभियान के तहत आज 23 अगस्त को 5 सत्रों में 277 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इस प्रकार अब तक 109 सत्रों में कुल 3959 बच्चों का मीजल्स-रुबेला टीकाकरण किया जा चुका है। बीमारी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा मच्छर एवं अन्य संक्रमण नियंत्रण गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। आज 20 ग्रामों के 2652 मकानों में कीटनाशक का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही 18 ग्रामों में इनडोर-आउटडोर सर्वे तथा 20 ग्रामों में लार्वा सर्वे का कार्य पूर्ण किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार, टीकाकरण, पोषण संबंधी दवाओं के वितरण तथा संक्रमण नियंत्रण गतिविधियों को निरंतर जारी रखते हुए ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

भदार नदी में डूबा युवक, पुल नहीं होने से जान जोखिम में डाल रहे ग्रामीण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले सहित अन्य क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के चलते नदी नाले उफान पर हैं। वहीं जिले के मानपुर जनपद क्षेत्र अंतर्गत सलैया-पड़वार गांव के भदार नदी पर एक युवक के गहरे जल भराव स्थान पर डूबने से मौत हो गई। दरअसल सलैया-पड़वार गांव से होकर निकलने वाली भदार नदी उफान पर है, और तेज बहाव के बीच नदी पार करना ग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। रविवार सुबह तकरीबन 9 बजे भदार नदी में मुडगुड़ी निवासी 30 वर्षीय जितेंद्र पिता रामनरेश द्विवेदी के डूब जाने से मौत होने की खबर सामने आई। घटना की सूचना मिलते ही अमरपुर चौकी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की गई। कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय मछुआरों और ग्रामीणों ने मृतक का शव नदी के गहरे पानी वाले हिस्से से बरामद किया।

सलैया और पड़वार के बीच भदार नदी पर लंबे समय से पुल की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक पुल नहीं बन सका है। बताया गया कि नदी पार करने के बाद पड़वार गांव की दूरी करीब एक किलोमीटर है, जबकि नदी के रास्ते से न जाने पर ग्रामीणों को लगभग 15-20 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है।

इसी वजह से बारिश के दिनों में नदी का बहाव तेज होने के बावजूद लोग कम दूरी के लिए जोखिम उठाकर नदी पार करते हैं। स्थानीय व्यक्तियों के अनुसार सलैया, मुडगुड़ी, कुड़ी, बचहा और भरौली सहित आसपास के गांवों के छात्र भी शासकीय विद्यालय पड़वार जाते हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। हादसे के बाद ग्रामीणों ने नदी में लंबे समय से हो रहे कथित रेत उत्खनन का मुद्दा भी उठाते हुए आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि रेत निकासी के कारण नदी के कई हिस्सों में गहरे गड्ढे बन गए हैं। बारिश के दौरान तेज बहाव में इन गड्ढों का पता नहीं चल पाता, जिससे नदी पार करने वालों के लिए खतरा और बढ़ जाता है।

जितेंद्र के डूबने की घटना ने सलैया-पड़वार के बीच पुल की वर्षों पुरानी मांग को एक बार फिर सामने ला दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह रास्ता महज आवागमन का साधन नहीं, बल्कि जान जोखिम में डालने की मजबूरी बन जाता है। अब देखना है कि आखिर कितने हादसों के बाद जिम्मेदार विभाग इस समस्या का स्थायी समाधान करते हुए नदी पर पुल निर्माण की दिशा में कदम उठाता है।

श्री सागरेश्वर नाथ जी शाही सवारी आज

उमरिया (स्वतंत्रमत)। श्री सागरेश्वर नाथ सेवा समिति सगरा मंदिर धाम उमरिया से सोमवार 24 अगस्त को दोपहर 2 बजे भव्य शाही सवारी श्री सागरेश्वर नाथ मंदिर से नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान करेगी जो स्टेशन चौराहा,पुराना बस स्टैंड जय स्तंभ चौक,गांधी चौक,रणविजय चौक होते हुए अस्पताल चौराहा वाले रास्ते से बल्ला डीजे वाली गली से होकर सगरा मंदिर वापसी करेगी जिसमें विभिन्न झांकियां शामिल रहेगी। श्री सागरेश्वर नाथ सेवा समिति सगरा मंदिर धाम उमरिया नगर में सांस्कृतिक सौहार्द को बनाए रखते हुए समय समय पर हिंदू धार्मिक पर्वों पर कार्यक्रमों का आयोजन करती है । जिले के श्रध्दालुओ से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद सत्रारंभ समारोह कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद सत्रारंभ समारोह कार्यक्रम पीएम श्री रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

किसानों ने खुद बीज उत्पादन करने का उठाया बीड़ा

उमरिया । बात जिले के आकाश कोट क्षेत्र आठ गांव रंदहमसं धवईझर तुममदर सूरजपुरा, करौंदा अमूवरी माली की है जहां किसानों द्वारा करकेली आर्गेनिक फॉर्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड धवईझर बनाकर लगभग 10कुंटल सरैया धान की खेती बीज बनाने के लिए किया गया है तथा इन फसलों में रोग व्याधियों की रोक थाम हेतु कृषि विस्तार अधिकारी श्री मती सरला सिंह व कृषि वैज्ञानिक की मदद मिल रही है तथा अधिकारियों के सुझाव को उत्पादक संगठन के डायरेक्टर संतोष सिंह वरकड़े शंभू सिंह उमेश सिंह छत्रपाल सिंह कलस्टर कॉर्डिनेटर शिवकुमार कुशराम किसानों के खेतों में जाकर मार्ग दर्शन कर रहे हैं। कृषि अनुविभागीय अधिकारी, कृषि उपसंचालक अधिकारी तथा वरिष्ठ कृषि अधिकारी परम्परागत कृषि विकास योजना की प्रगति व किसानों को मार्ग दर्शन हेतु पूरे कलस्टर का भ्रमण व प्रशिक्षण दिए जिसमें बीज स्वयं स्वयं संरक्षित कर बीज में आत्म निर्भर के लिए सराहना किए तथा कलस्टर कोऑर्डिनेटर को हर 15 दिन में फोटो सहित प्रगति रिर्पोट देने को आदेशित किया ताकि सुझाव दिया जा सके।

स्वर्णभूमि कॉलोनी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के तत्वावधान में शनिवार 22 अगस्त को स्वर्णभूमि कॉलोनी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य कॉलोनी में कार्यरत महिला-पुरुष कामगारों, मजदूरों एवं कारीगरों को उनके कानूनी अधिकारों, श्रम एवं सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों तथा किसी भी प्रकार की परेशानी, शोषण या अपराध की स्थिति में उपलब्ध नि:शुल्क कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया श्री प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मोहन डावर के निर्देशन में किया गया। शिविर में द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खंड उमरिया माननीय सरफराज खान ने उपस्थित कामगारों और मजदूरों को सरल एवं सहज भाषा में विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। न्यायाधीश सरफराज खान ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों की जानकारी होना आवश्यक है। जानकारी के अभाव में कई बार श्रमिक और मजदूर अपने साथ होने वाले शोषण या अन्याय के विरुद्ध आवाज नहीं उठा पाते। उन्होंने कामगारों को समझाया कि यदि उन्हें निर्धारित मजदूरी नहीं मिलती है, काम के दौरान किसी प्रकार का शोषण किया जाता है अथवा उन्हें किसी कानूनी

समस्या का सामना करना पड़ता है, तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर आवश्यक कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

शिविर के दौरान उपस्थित महिला एवं पुरुष कामगारों को यह भी बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर या जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही उन्हें न्यायालयीन प्रक्रिया, कानूनी सलाह लेने के तरीकों तथा अपनी समस्या को संबंधित विधिक सेवा संस्था तक पहुंचाने की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में श्रमिकों से उनकी समस्याओं और कठिनाइयों के संबंध में चर्चा करते हुए उन्हें कानून के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार के दबाव, भय या शोषण की स्थिति में उचित कानूनी माध्यम अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में दैनिक जीवन से जुड़े अनेक छोटे-छोटे कानूनी विषयों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया, जिससे उपस्थित कामगारों को कानून की जानकारी आसानी से समझ में आ सके ।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जा रहे ऐसे विधिक साक्षरता शिविरों का उद्देश्य समाज के उन वर्गों तक कानूनी जानकारी पहुंचाना है, जो जानकारी या संसाधनों के अभाव में अपने अधिकारों का उपयोग नहीं कर पाते। स्वर्णभूमि कॉलोनी में आयोजित शिविर में भी बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कामगारों ने सहभागिता की और कानूनी जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में पैरालीगल वालेंटियर केके शुक्ला सहित सैकड़ों महिला-पुरुष कामगार, मजदूर एवं कारीगर उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने विधिक जागरूकता कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के शिविरों से आम नागरिकों को अपने अधिकारों और उपलब्ध कानूनी सहायता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 24 अगस्त 2026

नर्मदा रेलमार्ग बनाने से बदलेगी क्षेत्र की तस्वीर : अमरकंटक, गौरेला-पेंड्रा, डिंडोरी, मंडला, घंसौर, गोटेगांव, नरसिंहपुर से प्रस्ताव की उठी मांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)

नवीन रेलमार्ग नई पहचान देगी मध्यप्रदेश को एकजुट होकर सभी आगे आए मां नर्मदा भक्त राजनीतिक मानसिकता छोड़कर यदि ये रेलमार्ग जिसमें गौरेला-पेंड्रा से अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, घंसौर, गोटेगांव होते हुए नरसिंहपुर तक प्रस्तावित रेलमार्ग केवल एक नया रेल संपर्क नहीं बल्कि मध्य भारत के आदिवासी धार्मिक पर्यटन कृषि और आर्थिक क्षेत्रों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण विकास की जीवनरेखा बन सकता है। इस रेलमार्ग का सर्वे पूर्व में किया जा चुका है। अत: अब आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र सरकार रेल मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा निर्माण के लिए आदेश जारी करने की दिशा में पहल करें। अमरकंटक क्षेत्र नर्मदा नदी के उद्गम से जुड़ा हुआ है। प्रस्तावित रेलमार्ग जिन क्षेत्रों से होकर गुजरेगा वे नर्मदा अंचल की भौगोलिक सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से गहराई से जुड़े हैं। यदि गौरेला-पेंड्रा से नरसिंहपुर तक यह रेलमार्ग बनता है और रेल सेवा प्रारंभ होती है तो भविष्य में इसे नरसिंहपुर से नर्मदापुरम-इटारसी-खंडवा की दिशा में आगे बढ़ाकर गुजरात तक विस्तारित करने की व्यापक संभावना पर भी विचार किया जा सकता है। इस प्रकार भविष्य में यह एक बड़े नर्मदा रेल कॉरिडोर के रूप में विकसित हो सकता है। भविष्य में इस संपूर्ण रेल संपर्क को नर्मदा रेलमार्ग, नर्मदा परिक्रमा रेलमार्ग अथवा किसी उपयुक्त नाम से विकसित करने की पहल की जा सकती है। इससे नर्मदा उद्गम क्षेत्र से लेकर नर्मदा नदी के प्रवाह क्षेत्र और आगे गुजरात तक आने-जाने वाले श्रद्धालुओं पर्यटकों विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को एक व्यापक रेल सुविधा प्राप्त हो सकती है। इसी उद्देश्य से नर्मदा परिक्रमा रथ जैसी जन-जागरूकता एवं जनभागीदारी की पहल भी की जा सकती हैजिसके माध्यम से आम नागरिक सामाजिक संगठन जनप्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के लोग एकजुट होकर इस मांग को केंद्र सरकार एवं रेल मंत्रालय तक मजबूती से पहुंचा सकें। इस रेलमार्ग से होने वाले प्रमुख लाभ पिछड़े एवं आदिवासी क्षेत्रों का विकास डिंडोरी मंडला सहित अनेक क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने से रोजगार शिक्षा स्वास्थ्य व्यापार और उद्योग के अवसर बढ़ेंगे। अमरकंटक देश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में से एक है। रेल संपर्क मिलने से देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रृद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा होगी। नर्मदा उद्गम क्षेत्र से जुड़े धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल सकती है। किसानों एवं स्थानीय उत्पादकों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में सुविधा मिलेगी। कृषि उपज वन उत्पाद और स्थानीय व्यवसायों को नई संभावनाएं प्राप्त होंगी। रेलमार्ग के निर्माण के दौरान तथा रेल सेवा शुरू होने के बाद प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे। विद्यार्थियों मरीजों और आम नागरिकों को बड़े शहरों एवं प्रमुख संस्थानों तक पहुंचने के लिए सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध होगा। रेलवे स्टेशन और रेल कॉरिडोर के आसपास बाजार होटल परिवहन पर्यटन लघु उद्योग और अन्य व्यवसाय विकसित हो सकते हैं। अमरकंटक सहित नर्मदा क्षेत्र से जुड़े धार्मिक स्थलों की यात्रा आसान होगी तथा देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं का आवागमन बढ़ सकता है। गौरेला-पेंड्रा क्षेत्र से मध्यप्रदेश के पूर्वी एवं मध्य भागों को जोड़ने वाला यह रेल संपर्क दोनों राज्यों के बीच आर्थिक एवं सामाजिक संबंधों को मजबूत कर सकता है। नरसिंहपुर के बाद नर्मदापुरम इटारसी और खंडवा की दिशा में रेल संपर्क को आगे बढ़ाने की दीर्घकालीन योजना पर विचार किया जा सकता है। इससे मध्य भारत और गुजरात के बीच एक महत्वपूर्ण नर्मदा-आधारित रेल संपर्क विकसित होने की संभावना बनेगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना को केवल मांग या घोषणा तक सीमित न रखते हुए इसके लिए संगठित जनप्रतिनिधित्व और जनभागीदारी आवश्यक है। इसके लिए आम नागरिकों को इस मांग से जोड़ना होगा। क्षेत्र के सांसद एवं विधायक मिलकर केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखना होगा। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ सरकार को केंद्र सरकार से समन्वय करना होगा। रेल मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड के समक्ष सर्वे और परियोजना की वर्तमान स्थिति रखनी होगी। आवश्यकतानुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट लागत यात्री संभावनाओं और सामाजिक-आर्थिक लाभ का अध्ययन कराया जाना चाहिए। केंद्र सरकार से इस रेलमार्ग को प्राथमिकता देते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया जाना चाहिए। यह केवल किसी एक जिले या क्षेत्र की रेल की मांग नहीं है। यह अमरकंटक नर्मदा अंचल मंडला, डिंडोरी, सिवनी क्षेत्र, नरसिंहपुर और आसपास के लाखों लोगों के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ी दीर्घकालीन मांग बन सकती है। आज यदि इस रेलमार्ग के लिए प्रयास शुरू किया जाता है तो भविष्य में इसे नर्मदा अंचल के व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने की संभावना बनाई जा सकती है। अमरकंटक से नर्मदा के मार्ग और आगे गुजरात तक एक व्यापक रेल संपर्क की परिकल्पना धार्मिक पर्यटन क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों के लिए ऐतिहासिक महत्व रख सकती है।

आंगनवाड़ी में दी जानकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आंगनवाड़ी केंद्र पंचायत टोला-2 बिछिया में वन स्टॉप सेंटर द्वारा हब की मासिक गतिविधियों के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय द्वारा माहिष्मती घाट में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुंचे सभी रोगियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार आवश्यक औषधियों का वितरण भी किया गया। शिविर में डॉ. नागेंद्र सोनवानी, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी सत्येंद्र झारिया, औषधि संयोजक तथा अंकित झारिया चिकित्सालय स्टाफ ने उपस्थित रहकर अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। हिंदी साहित्य समिति एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वाधान में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मंडन मिश्र सभागार गोंडी पब्लिक ट्रस्ट माहिष्मती घाट में मनाई गई। कार्यक्रम में केएल सोनी मुख्य अतिथि तथा अरविंद शुक्ला अध्यक्ष रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में विनोद सुरेश्वर एवं विजय अग्रवाल उपस्थित रहे। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया कार्यक्रम में शाखा सुजय कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक नितिन बोहरा, शाखा प्रबंधक सहित अन्य अधिकारियों ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए और उनका उत्साहवर्धन किया।

जिले के टॉपर्स का सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन में संचालित प्रोजेक्ट संकल्प के तहत आयोजित आईआईटी-जेईई और नीट परीक्षा की तैयारी हेतु द्वितीय राउंड टेस्ट का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इसमें शासकीय हाईस्कूल खलौड़ी विकासखंड मवई के 10वीं कक्षा के छात्र देवांश पटेल ने प्रथम रैंक हासिल कर पूरे जिले में टॉप किया है। देवांश की इस शानदार उपलब्धि पर उनके विद्यालय में हर्ष का माहौल है।

एक पेड़ मां के नाम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं नवांकुर संस्था सृजन समाज विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम पंचायत बढ़ार के पोषक ग्राम मछरिया में च्एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता संकल्प अभियान एवं कलश वंदन यात्रा के संबंध में जनजागरूकता बैठक भी हुई।

15 सितम्बर तक अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। रबी वर्ष 2026-27 में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने और उसके संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में 20 अगस्त से 15 सितम्बर तक एग्रीस्टैक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान किसानों की फार्मर आईडी बनाने एवं उसमें सभी भूमि खातों को जोड़ने, पैक्स की सदस्यता, किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने, अग्रिम उर्वरक उठाव तथा ई-विकास प्रणाली के माध्यम से ई-टोकन जनरेट करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

पटवारी करेंगे जनसुनवाई

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदन नियमानुसार आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज कराए जाएं तथा नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पटवारी गांवों में जाकर नियमित रूप से जनसुनवाई करें तथा आरआई एवं तहसीलदार इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग करें।

घाट निरीक्षण बचाव सामग्री वितरित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार थाना मोहगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झुरगी पोंडी में स्कूली बच्चों द्वारा नाव का उपयोग कर नदी पार करने की सूचना मिलने पर प्रशासनिक दल ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। नायब तहसीलदार मोहगांव चंद्र कुमार वट्टे, होमगार्ड कंपनी कमांडर हेमराज परस्ते, एवं थाना मोहगांव से सब इंस्पेक्टर लक्ष्मीकांत बिसेन ग्राम पंचायत झुरगी पहुंचे। मौके पर सरपंच एवं उपसरपंच सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। टीम द्वारा नदी घाट का निरीक्षण कर जलस्तर की मार्किंग कराई गई। नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए होमगार्ड कार्यालय मंडला से बचाव सामग्री ग्राम पंचायत को प्रदाय की गई।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल दायित्वों की घोषणा

मण्डला(स्वतंत्रमत)

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की जिला बैठक आयोजित की गई जिसमें जिले के पालक एवं प्रांत सह मंत्री प्रदीप गुप्ता सहित जिले के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों आगामी कार्ययोजनाओं एवं विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ नवीन दायित्वों की घोषणा की गई बैठक में नागेश्वर बंजारा एवं रितेश कछवाहा को जिला सहमंत्री, धीरेन्द्र नामदेव जिला उपाध्यक्ष, मोहित कछवाहा जिला सह संयोजक, अधिवक्ता सौरभ दुबे जिला सेवा प्रमुख, रूपेश सोनवानी जिला सत्संग प्रमुख, प्रखर श्रीवास जिला विद्यार्थी प्रमुख, अजय नंदा जिला सुरक्षा प्रमुख तथा नीलेश राय जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख एवं जिला प्रवक्ता का दायित्व सौंपा गया इसी क्रम में दुर्गा वाहिनी में भव्या सोनी को जिला सह संयोजिका, मातृशक्ति विभाग में पूनम सोनी को विभाग संयोजिका तथा अंजलि करोसिया को जिला सह संयोजिका का दायित्व प्रदान किया गया। वहीं एनसीसी नर्मदा कंप्यूटर सेंटर बिछिया में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की जिला बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रांत सहमंत्री प्रदीप गुप्ता का कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाई गई। जिसमें विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस 400 ग्रामों में मनाने का लक्ष्य लिया गया। साथ ही हितचिंतक अभियान के तहत जिले में 18 हजार हितचिंतक बनाने का लक्ष्य तय किया गया। बैठक के दौरान नवीन दायित्वों की घोषणा भी की गई। जिसमें जिला स्तर में जिला सेवा प्रमुख अतुल राय, जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख मनोज यादव, जिला गोरक्षा प्रमुख संगम यादव, जिला सह सेवा प्रमुख पवन भांडे की नियुक्त की गई तो वहीं बिछिया प्रखंड स्तर पर प्रखंड अध्यक्ष बंटी जंघेला, प्रखंड सह मंत्री अतुल सोनी, मोहगांव प्रखंड में मोहगांव प्रखंड अध्यक्ष राम भगत अग्रवाल, प्रखंड मंत्री देवराज यादव, प्रखंड अंजनिया में प्रखंड संयोजक राजा चौधरी की नियुक्त की गई। बैठक में विभाग मंत्री अमित बैरागी, जिला मंत्री बलदाऊ राजपूत, जिला सहमंत्री गोविंद, जिला सहमंत्री दुर्गेश पांडे, सहमंत्री अमित पिपरसानिया, जिला कोषाध्यक्ष हितेश तिवारी, बजरंग दल जिला संयोजक सहित समस्त प्रखंड व जिला के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज में रक्तदान शिविर 25 को

मण्डला(स्वतंत्र मत)

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के समाज सेवा प्रभाग द्वारा पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में विश्व बंधुत्व रक्तदान महाअभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह रक्तदान शिविर 25 अगस्त को स्थानीय बस स्टैंड के पीछे ब्रम्हाकुमारी मार्ग स्थित विश्व शांति भवन में आयोजित होगा। रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। ज्ञान योग और आत्मिक भाव से किया गया रक्तदान न केवल किसी का जीवन बचाता है बल्कि समाज में आशा और प्रेम का संदेश भी फैलाता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था ने मंडला के सभी युवाओं समाजसेवियों एवं नागरिकों से इस मानव सेवा के पुनीत कार्य में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रक्तदान करने अपील की है। रक्तदान में भाग लेने एवं अग्रिम पंजीकरण के लिए नागरिक मो. नं. 7999925948, 8085531012 पर संपर्क कर सकते हैं।

जैन समाज का कलश दशमी व्रत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जैन धर्मावलंबियों में कलश दशमी व्रत का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इसे सुहाग दशमी सौभाग्य दशमी एवं अक्षय फल दशमी के नाम से भी जाना जाता है। सुख-सौभाग्य उत्तम संतान पारिवारिक सुख-समृद्धि तथा पाप कर्मों के क्षय की भावना से जैन समाज की अधिकांश महिलाओं ने श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ कलश दशमी व्रत किया इस अवसर पर महिलाओं ने जिनालय पहुंचकर भगवान जिनेंद्र देव का अभिषेक, पूजन एवं विधि-विधान से आराधना की श्रृद्धालुओं ने भगवान के समक्ष सुख-सौभाग्य और परिवार की मंगलकामना के साथ व्रत के संकल्प लिए तथा धार्मिक मंत्रों का जाप किया।

भोपाल में वुशु खिलाड़ियों का जलवा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विद्या भारती मध्य क्षेत्र द्वारा भोपाल में आयोजित 37वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह 2026-27 में सरस्वती विद्यालय के खिलाड़ियों ने वुशु प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंडला का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के 11 छात्र-छात्राओं ने कोच सुमित रजक के नेतृत्व में हिस्सा लिया और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण एवं 4 रजत पदक अपने नाम किए। स्वर्ण पदक विजेता दीपक प्रजापति 60 किग्रा वर्ग,भास्कर धुर्वे 65 किग्रा वर्ग यश भंगारे 70 किग्रा वर्ग, दीपशिखा नंदा 45 किग्रा वर्ग, तनु यादव 52 किग्रा वर्ग, माही ठाकुर 48 किग्रा वर्ग, रितिका बनवला 65 किग्रा वर्ग रजत पदक विजेता अक्षत मिश्रा 48 किग्रा वर्ग,सामर्थ विश्वकर्मा 56 किग्रा वर्ग, भुवनेश्वर कछवाहा 52 किग्रा वर्ग, अनु यादव 60 किग्रा वर्ग कोच सुमित रजक ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की है। सरस्वती विद्यालय की प्राचार्या व्यवस्थापक एवं समस्त शिक्षकों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

भव्य कांवड़ पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मण्डला(स्वतंत्रमत)। श्रवण मास के पावन अवसर पर रविवार को मौनी घाट बबैहा से नख्खी माई मंदिर बकौरी तक भव्य कांवड़ पदयात्रा का आयोजन किया गया। धर्मप्रेमियों और श्रृद्धालुओं की बड़ी संख्या में सहभागिता से आयोजित यह कांवड़ यात्रा धार्मिक आस्था और भक्ति का केंद्र बनी रही। कांवड़ यात्रा का शुभारंभ मौनी घाट से हुआ। यात्रा बबैहा ग्वारी फूलसागर बम्होरी बर्राटोला सागर ग्राम सागर कॉलोनी बकौरी और ग्राम बकौरी होते हुए नख्खी माई मंदिर पहुंची। लगभग 13 किलोमीटर की पदयात्रा के बाद मंदिर परिसर में यात्रा का विधिवत समापन हुआ। यात्रा में मंडला शहर सहित बबैहा जुझारी बक्छेरागोंदी ग्वारी फूलसागर, बम्होरी, सागर, बकौरी, उमरिया, लावर, खैरी, कोसमडोंगरी, तिंदनी, पटपर सिंगारपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी शामिल हुए। कांवड़िए पूरे मार्ग में बोल बम, हर हर महादेव और जय जय श्रीराम के जयघोष करते हुए आगे बढ़ते रहे। कांवड़ यात्रा में हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी बंधुओं के साथ मातृशक्ति, बुजुर्गों और बच्चों की गरिमामय उपस्थिति रही। गणमान्य जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों ने भी यात्रा में सहभागिता कर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति, क्षेत्रवासियों एवं धर्मप्रेमियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजकों ने यात्रा में सहयोग देने वाले सभी श्रृद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला भाजपा मंडला के उपाध्यक्ष एवं जिला संचार एवं संकल्प निर्माण समिति के सभापति शैलेश मिश्रा ने सभी सहयोगियों और श्रृद्धालुओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आस्था एकता और सद्भाव की भावना मजबूत होती है।

नवनिर्मित पुलिया ने सड़क को बनाया दलदल, आवागमन हुआ मुश्किल

झिलवानी-बल्लम डुंगरिया के बीच दो बड़े वाहन फंसे दुपहिया वाहनों का निकलना हुआ मुश्किल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। बारिश के मौसम में नैनपुर से सर्रा-डिठौरी होते हुए मंडला जाने वाला प्रमुख सड़क मार्ग बदहाली का शिकार हो गया है। झिलवानी और बल्लम डुंगरिया ग्राम के बीच नवनिर्मित पुलिया के आसपास कीचड़ और दलदल की स्थिति निर्मित होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि यहां पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

यह मार्ग न केवल नैनपुर को सर्रा, डिठौरी होते हुए मंडला से जोड़ता है, बल्कि पाठासीहोरा सहित पूरे पठार अंचल के अनेक गांवों को भी नैनपुर से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। रोजाना इस सड़क से छोटे-बड़े वाहनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों का आवागमन होता है। ऐसे में पुलिया के पास बनी दलदल की स्थिति लोगों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बन गई है।

दो बड़े वाहन फंसे, बढ़ी परेशानी- बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह से ही पुलिया के समीप दो बड़े वाहन कीचड़ में फंस गए, जिसके चलते मार्ग और अधिक अवरुद्ध हो गया। स्थिति ऐसी बन गई कि दुपहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो गया। ग्रामीणों को मजबूरी में कीचड़ और दलदल के बीच से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कंपनी द्वारा पुलिया निर्माण के दौरान मार्ग के आवागमन और जल निकासी की स्थिति को लेकर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। बारिश शुरू होने के बाद यहां की स्थिति लगातार बिगड़ती गई और अब यह स्थान आवागमन के लिए परेशानी का सबब बन गया है।

पहले भी उठ चुका है मामला, कार्रवाई अब तक सिफर- ग्रामीणों के मुताबिक बरसात शुरू होने से पहले ही पुलिया के निर्माण और सड़क की स्थिति को लेकर स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया था। समाचार पत्रों के माध्यम से भी समस्या को प्रमुखता से उठाया गया, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस सुधारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए हजारों लोग इस मार्ग से नैनपुर आते-जाते हैं।

नर्मदा जल लेकर 150 कांवड़ियों का जत्था नैनपुर पहुंचा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। श्रावण मास की भक्ति और आस्था के बीच बालाघाट जिले के चांगुटोला से निकला करीब 150 कांवड़ियों का जत्था नर्मदा जल लेकर नैनपुर पहुंचा। नगर में प्रवेश करते ही सनातन धर्मावलंबियों एवं धर्मप्रेमियों ने कांवड़ियों का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान पूरा वातावरण हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। इसी बीच मंडला से नागपुर की ओर जा रहीं प्रदेश सरकार की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने भी सालीवाड़ा ग्राम के समीप कांवड़ियों को देखकर अपना काफिला रुकवाया और उन पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। मंत्री द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत से कांवड़ियों में भी उत्साह देखने को मिला।

सावन में नर्मदा जल लेने मंडला पहुंचते हैं कांवड़िये- श्रावण मास के दौरान नैनपुर के साथ ही सिवनी और बालाघाट जिले के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में कांवड़िये नर्मदा जल लेने मंडला पहुंचते हैं। नर्मदा तट से जल भरकर कांवड़िये अपने-अपने गांवों और नगरों की ओर प्रस्थान करते हैं, जहां भगवान भोलेनाथ का नर्मदा जल से अभिषेक कर अपनी आस्था अर्पित करते हैं।

श्रावण मास के दौरान अलग-अलग जत्थों में निकलने वाले कांवड़ियों का नैनपुर पहुंचने पर नगरवासियों और धर्मप्रेमियों द्वारा स्वागत किया जाता है। इससे पूरे नगर में सावन की भक्ति और धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहता है।

आज सावन का अंतिम सोमवार- आज श्रावण मास का अंतिम सोमवार होने के कारण नैनपुर के विभिन्न शिवालयों में भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना और अभिषेक किया जाएगा। सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। कांवड़ियों द्वारा लाए गए नर्मदा जल से भगवान शिव का अभिषेक कर श्रद्धालु सुख-समृद्धि और मंगल की कामना करेंगे।

संपादकीय

गंगाजल पर बांग्लादेश की नजर

भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा के पानी का मुद्दा एक बार फिर दोनों देशों के रिश्तों के केंद्र में आ गया है। 1996 में हुई गंगा जल संधि की मियाद दिसंबर 2026 में खत्म होने वाली है। इस समझौते के रिन्युअल से पहले बांग्लादेश ने नई संधि को लेकर अपना रुख सख्त कर दिया है। बांग्लादेश ने कहा है कि वह नई संधि में एक 'गारंटी क्लॉज' की मांग करेगा। गारंटी क्लॉज का अर्थ है कि सूखे के मौसम में भी बांग्लादेश को पानी की सप्लाई होती रहे। यह क्लॉज 1977 की गंगा संधि में तो शामिल था, लेकिन 1996 के समझौते में इसे हटा दिया गया था। अब इस मुद्दे पर जरूरत पड़ने पर ढाका अंतरराष्ट्रीय मंचों का रुख करने के लिए भी तैयार है। बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्री शाहिदुद्दीन चौधरी अनी ने ढाका में 'गंगा जल संधि: रिनेगोशिएशन के मुद्दे' विषय पर आयोजित एक सेमिनार में यह बात कही। यह कार्यक्रम बांग्लादेश इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड इंटरनेशनल अफेयर्स ने आयोजित किया था।

भारत और बांग्लादेश के बीच 12 दिसंबर 1996 को 'गंगा वाटर्स शेयरिंग ट्रीटी' हुई थी। इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने साइन किया था। यह समझौता 30 साल के लिए हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य सूखे या कम पानी वाले मौसम में फरक्का पर उपलब्ध गंगा के पानी को भारत और बांग्लादेश के बीच बांटना है। ध्यान देने वाली बात है कि यह समझौता पूरे साल के पानी के बंटवारे का नहीं, बल्कि मुख्य रूप से 1 जनवरी से 31 मई के लीन सीजन का है। इस समझौते को पूरी तरह समझने के लिए गंगा की धारा को समझना जरूरी है। गंगा उत्तराखंड से निकलकर उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से गुजरती है। पश्चिम बंगाल में फरक्का बैराज के बाद गंगा की धारा दो प्रमुख हिस्सों में बंटती है। एक धारा भागीरथी-हुगली के नाम से दक्षिण की ओर जाती है और कोलकाता होते हुए बंगाल की खाड़ी में मिलती है। दूसरी धारा पूर्व की ओर जाती है और बांग्लादेश में प्रवेश करती है। बांग्लादेश में इस धारा को पद्मा कहा जाता है। यानी बांग्लादेश में गंगा नदी पद्मा के नाम से जानी जाती है। बांग्लादेश चाहता है कि नई संधि में उसे पानी की अधिक भरोसेमंद व्यवस्था मिले। उसका तर्क है कि मौजूदा समझौते में जिस समय के हाइड्रोलॉजिकल आंकड़ों और परिस्थितियों को आधार बनाया गया था, वे आज की स्थिति से काफी अलग हैं। जलवायु परिवर्तन, अनियमित बारिश और सूखे के कारण नदी के प्रवाह में अनिश्चितता बढ़ी है।

भारत और बांग्लादेश के बीच पानी के बंटवारे के रिश्तों में गंगा पर बना फरक्का बैराज भी विवाद का एक बड़ा कारण रहा है। भारत ने पश्चिम बंगाल में गंगा के बहाव का कुछ हिस्सा हुगली नदी प्रणाली की ओर मोड़ने के लिए यह बैराज बनाया था। बांग्लादेश में लंबे समय से इसकी आलोचना होती रही है क्योंकि लोगों को चिंता है कि इससे नदी के निचले हिस्से में सूखे के मौसम में पानी का बहाव कम हो जाता है। बांग्लादेश के लोग लंबे समय से फरक्का बैराज को 'डेथ ट्रैप' मानते रहे हैं। वहीं, भारत का कहना है कि फरक्का कोई बांध नहीं, बल्कि एक डायवर्जन स्ट्रक्चर है। इसके जरिए करीब 40 हजार क्यूसेक पानी फरक्का नहर की ओर मोड़ा जाता है और बाकी पानी बांग्लादेश की ओर बहता है। बहरहाल, गंगा जल संधि की समीक्षा की बात ऐसे समय हो रही है, जब भारत-बांग्लादेश रिश्ते पहले ही कई संवेदनशील मुद्दों से गुजर रहे हैं। पानी दोनों देशों के बीच सबसे महत्वपूर्ण साझा संसाधन है। बांग्लादेश की 54 प्रमुख नदियां भारत से होकर या भारत के साथ साझा जल प्रणाली का हिस्सा हैं। इसलिए गंगा के अलावा तीस्ता समेत कई नदियों का पानी दोनों देशों के रिश्तों को प्रभावित करता है।

शक्कर की बढ़ती कीमत पहला असर

एथेनॉल की जल्दबाजी: सफलता नहीं, समस्याओं की शुरुआत है

भूपेन्द्र गुप्ता
(स्वतंत्र विश्लेषक)

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की नीति का उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा की बचत और किसानों के लिए गन्ने का एक अतिरिक्त बाजार तैयार करना था। इस उद्देश्य से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन किसी भी सार्वजनिक नीति का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं हो सकता कि उसका निर्धारित लक्ष्य कितनी जल्दी हासिल हुआ। असली कसौटी यह है कि उस लक्ष्य को हासिल करने के रास्ते में उपभोक्ता, किसान, खाद्य सुरक्षा और तकनीकी तैयारी के बीच संतुलन बना या नहीं। 2018 की राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य 2030 रखा गया था। लेकिन सरकार ने 2022 में इसे पांच वर्ष पहले, यानी 2025-26, तक हासिल करने का निर्णय किया। सरकार के अनुसार 2025 में देश ने 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग का लक्ष्य हासिल भी कर लिया। यहीं से एक बुनियादी नीतिगत सवाल पैदा होता है-क्या 2030 के लिए निर्धारित लक्ष्य को 2025 में हासिल करना हर परिस्थिति में सफलता है? मनमोहन सिंह सरकार के समय 2013-14 में इथेनाल ब्लेंडिंग केवल 1.53 प्रतिशत थी। 2019-20 तक यह लगभग 5 प्रतिशत और 2020-21 में 8.17 प्रतिशत हुई। उस समय 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग का लक्ष्य 2030 के लिए रखा गया था। यह कहना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा कि तत्कालीन सरकार ने 1.5 प्रतिशत को वाहनों के इंजन की सुरक्षा के कारण कोई स्थायी सीमा बना दिया था। लेकिन उस दौर में ब्लेंडिंग को उपलब्धता और क्षमता के साथ क्रमिक रूप से बढ़ाने का रास्ता अपनाया गया था। यही क्रमिकता आज की नीति के मूल्यांकन का महत्वपूर्ण संदर्भ बन सकती है। आज समस्या यह है कि ब्लेंडिंग को बहुत तेज गति से बढ़ाने के साथ-साथ इसके परिणामस्वरूप पैदा होने वाली चार चुनौतियों पर पर्याप्त सार्वजनिक बहस नहीं हुई है।

पहली चुनौती: चीनी की उपलब्धता और महंगाई

गन्ना एक सीमित कृषि संसाधन है। उससे चीनी भी बनती है और एथेनॉल भी। सरकार ने 2024-25 में एथेनॉल उत्पादन के लिए 40 लाख टन चीनी के उपयोग परिवर्तन की अनुमति दी थी। इतना ही नहीं एथेनॉल के लिए अतिरिक्त एफसीआई चावल भी उपलब्ध कराया गया। सामान्य परिस्थितियों में सरप्लस

शक्कर को एथेनॉल में बदलना मिलों और किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। लेकिन जिस वर्ष गन्ने का उत्पादन कम हो, शक्कर का उत्पादन घटे और घरेलू मांग बढ़े, उस वर्ष खाद्य चीनी और ईंधन एथेनॉल के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा हो सकती है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि एथेनॉल के लिए चीनी का उपयोग परिवर्तन हमेशा गलत है। सवाल यह है कि खाद्य सुरक्षा की न्यूनतम आवश्यकता सुनिश्चित किए बिना इस परिवर्तन की सीमा कितनी होनी चाहिए? चीनी महंगी होने का प्रभाव केवल चीनी तक सीमित नहीं रहता। मिठाई, बिस्कुट, पेय पदार्थ और अनेक प्रासेस्ड खाद्य उत्पाद की लागत भी बढ़ सकती है। इस प्रकार एथेनॉल नीति के अप्रत्यक्ष रूप से महंगाई पर असर की संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दूसरी चुनौती: वाहन का माइलेज

एथेनॉल की ऊर्जा-उत्सर्जन पेट्रोल से कम है। इसलिए श्व20 के इस्तेमाल से कुछ वाहनों में ईंधन बचत में कमी संभव है। सरकार के अपने हालिया वक्तव्यों में भी कहा गया है कि कुछ वाहनों में 3 से 5 प्रतिशत तक ईंधनबचत में नुकसान हो सकता है। सरकार यह भी कहती है कि वास्तविक द्वद्धद्यद्दड्डद्दद्ध अनेक दूसरे कारकों पर निर्भर करता है और ई-20 अनुकूल वाहनों में इसका प्रभाव सीमित है। यह बात स्वीकार करने के बाद भी उपभोक्ता के लिए सवाल बना रहता है-क्या उसे पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर देखनी चाहिए या प्रति किलोमीटर वास्तविक खर्च? यदि एक लीटर पेट्रोल से वाहन पहले की तुलना में कम दूरी तय करता है, तो पेट्रोल की कीमत स्थिर रहने के बावजूद उपभोक्ता की वास्तविक परिवहन खर्च तो बढ़ जाता है।

तीसरी चुनौती: तकनीकी अनुकूलता

यह मुद्दा और भी महत्वपूर्ण है। ई20 को अपनाने के लिए इंजिन सेलीब्रेशन,फ्यूल सिस्टम, रबर कांपोनेंट और दूसरे तकनीकी हिस्सों की अनुकूलता पर काम करना पड़ता है। सरकार स्वयं व्यापक जांच उपरांत स्वीकार करती है कि ई20 के लिए तकनीकी परिवर्तन की आवश्यकता वास्तविक थी और है। यह कहना उचित नहीं होगा कि ई20 से बड़े पैमाने पर इंजन खराब हो रहे हैं। सरकार का कहना है कि इंजन फेल होने का कोई सत्यापित पैटर्न सामने नहीं आया है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। भारत में बड़ी संख्या में पुराने वाहन सड़कों पर हैं। इसलिए नई ई20 अनुकूल गाड़ियों की तकनीकी तैयारी को पूरे वाहन बेड़े की स्थिति मान लेना कितना उचित है? पुराने वाहनों के लिए अनुकूलता, संधारण और दीर्घ-कालिक ड्यूरोबिलिटी का प्रश्न अलग है। यही कारण है कि सरकार की अपनी रोडमेप में भी यह माना गया था कि ई20 के लिए इंजिन हार्डवेयर में बदलाव से माइलेज क्षति को कम किया जा सकता है। अत: समस्या को तेजी से किए गए तकनीकी संक्रमण की चुनौती के रूप में देखना चाहिए।

चौथी चुनौती: महंगाई का व्यापक दबाव

एथेनॉल ब्लेंडिंग का उद्देश्य पेट्रोल को सस्ता करना नहीं, बल्कि आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटाना है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत और ऊर्जा सुरक्षा के लाभ मिल सकते हैं। सरकार के अनुसार 2014-15 से इथेनाल कार्यक्रम ने बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की बचत की है। लेकिन इन मेक्रोइकानिमिक लाभों से उपभोक्ता स्तरीय लागत में कोई भी फायदा नहीं हुआ। यदि एक ओर एथेनॉल के लिए कृषि संसाधनों का उपयोग परिवर्तन खाद्य चीनी की कीमत बढ़ाता है और दूसरी ओर कुछ वाहनों में माइलेज घटती है, तो परिवार के बजट पर दोहरा दबाव पड़ सकता है-खाद्य पदार्थ महंगे और परिवहन भी अपेक्षाकृत महंगा। इसलिए एथेनॉल नीति की सफलता का मूल्यांकन केवल कितना इथेनाल ब्लेंड हुआ से नहीं किया जा सकता।

असली सवाल: लक्ष्य जल्दी पूरा करना या तैयारी पूरी करना?

यहां मनमोहन सिंह सरकार के दौर का संदर्भ महत्वपूर्ण है। 2013-14 में ब्लेंडिंग 1.53 प्रतिशत थी और 2030 तक 20 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया था। बाद में मोदी सरकार ने ब्लेंडिंग की गति को कई गुना बढ़ाया और 20 प्रतिशत का लक्ष्य 2025 में ही हासिल कर लिया। इस तेज प्रगति को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। लेकिन नीति का दूसरा प्रश्न है- क्या तकनीकी बदलाव, पुराने वाहनों के लिए संक्रमण व्यवस्था, चीनी की पर्याप्त उपलब्धता और उपभोक्ता लागत का आकलन भी उसी गति से हुआ? शायद नहीं ! यदि किसी नीति का लक्ष्य पांच वर्ष पहले हासिल हो जाए लेकिन उसके कारण खाद्य सुरक्षा, वाहन अनुकूलता और उपभोक्ता लागत से जुड़े नए प्रश्न खड़े हो जाएं, तो उस नीति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। भारत को एथेनॉल नीति छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि उसे अधिक संतुलित बनाने की आवश्यकता है। एथेनॉल के लिए गन्ने पर निर्भरता घटाकर कृषि अपशिष्ट, सेलूलेसिक बायोमास और अन्य अखाद्य अपशिष्ट के उपयोग को बढ़ाना चाहिए। चीनी की न्यूनतम घरेलू उपलब्धता के लिए स्पष्ट सुरक्षा-सीमा होनी चाहिए। पुराने वाहनों के संक्रमण की लागत का अध्ययन होना चाहिए और उपभोक्ता को प्रति किलोमीटर वास्तविक लागत की जानकारी मिलनी चाहिए। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर लेना अपने आप में नीतिगत सफलता का प्रमाण नहीं है। सच्ची सफलता तब होगी जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने के साथ चीनी की कीमत नियंत्रित रहे, खाद्य सुरक्षा सुरक्षित रहे, पुराने और नए वाहनों के तकनीकी हितों का ध्यान रखा जाए और उपभोक्ता की वास्तविक लागत न बढ़े। अन्यथा 2030 का लक्ष्य 2025 में हासिल करना उपलब्धि का आंकड़ा तो हो सकता है, लेकिन बिना पर्याप्त तकनीकी और खाद्य-सुरक्षा तैयारी के लक्ष्य की यह जल्दबाजी समस्याओं की शुरुआत भी बन सकती है। जो शक्कर कीमतों में वृद्धि से हो ही चुकी है।

अनुशासन के लिए बेंत शिक्षा की आत्मा पर चोट

तमिलनाडु के तेनकासी जिले में कक्षा 10 की दस छात्राओं को एक शिक्षिका द्वारा कथित रूप से बेंत से पीटे जाने की घटना को केवल विद्यालय में अनुशासन की एक घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटना हमारे शिक्षा तंत्र के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा करती है-क्या विद्यालय केवल पाठ्यक्रम और परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले संस्थान हैं, या फिर वे ऐसे सुरक्षित और गरिमामय स्थान भी हैं, जहां बच्चे बिना भय के सीख सकें, अपनी बात रख सकें और अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकें?

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, बल्कि आत्मविश्वास पैदा करना है। जिस हाथ में बच्चों को दिशा देने के लिए किताब और कलम होनी चाहिए, यदि उसी हाथ में बेंत आ जाए, तो चोट केवल शरीर पर नहीं लगती, बल्कि बच्चे के मन और शिक्षा व्यवस्था के प्रति उसके विश्वास पर भी पड़ती है। बालकों का नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 17 में शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न पर स्पष्ट रोक लगाई गई है। इसलिए शिक्षा का अधिकार केवल विद्यालय में दाखिला लेने या कक्षा में बैठने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है कि प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, बाल-हितैषी, भयमुक्त और गरिमामय वातावरण में शिक्षा प्राप्त करे। यदि तेनकासी (तमिलनाडु) की घटना में लगाए गए आरोप सत्य पाए जाते हैं, तो यह केवल अनुशासन की सीमा का उल्लंघन नहीं, बल्कि छात्राओं के वैधानिक अधिकारों का गंभीर हनन होगा। अनुशासन के नाम पर किसी बच्चे के साथ शारीरिक या मानसिक हिंसा करना शिक्षा के मूल उद्देश्य को ही पराजित करता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है तथा न्यायिक व्याख्याओं ने जीवन के अधिकार को मानवीय गरिमा से जोड़ा है।

अनुच्छेद 14 समानता और कानून के समक्ष समान संरक्षण की गारंटी देता है। बच्चे भी इन संवैधानिक संरक्षणों के अधिकारी हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय यानी यूएनसीआरसी को स्वीकार किया है, जिसके तहत बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक हिंसा, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण से संरक्षण मिलना चाहिए। इसी भावना के अनुरूप भारतीय कानूनों में भी बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। जहां किसी बच्चे को पढ़ाई के नाम पर भय, अपमान या शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़े, वहां शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। बच्चे की गरिमा शिक्षा व्यवस्था की पहली शर्त होनी चाहिए। बच्चे के पालन-पोषण और व्यक्तित्व निर्माण की जिम्मेदारी केवल माता-पिता की नहीं होती। बच्चा अपने दिन का महत्वपूर्ण हिस्सा विद्यालय में बिताता है। इसलिए शिक्षक और विद्यालय प्रबंधन उसके मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अनुशासन का अर्थ भय पैदा करना नहीं, बल्कि बच्चे को अपनी गलती समझने, उसे सुधारने और बेहतर व्यवहार के लिए प्रेरित करना है। संवाद, सहानुभूति, मार्गदर्शन और सकारात्मक प्रोत्साहन से बच्चों में आत्म-अनुशासन विकसित किया जा सकता है।

बेंत, धमकी, अपमान और डर से पैदा हुआ अनुशासन वास्तविक अनुशासन नहीं, बल्कि दबाव है। तमिलनाडु ने शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। 'इल्लम थेडी कल्वी' जैसी पहल शिक्षा को बच्चों के करीब ले जाने का प्रयास है। 'नान मुदलवन' युवाओं में कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने पर केंद्रित है, जबकि 'पुधुमई पेन' जैसी योजना बालिकाओं को उच्च शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करती है। लेकिन इन योजनाओं की सफलता केवल नामांकन, परीक्षा परिणाम या उच्च शिक्षा में प्रवेश के आंकड़ों से नहीं मापी जा सकती। यह भी देखना होगा कि जिस विद्यालय में बच्चा पहुंचता है, वहां उसे सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास मिलता है या नहीं। एक ओर सरकार बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करे और दूसरी ओर विद्यालय परिसर में उन्हें अपमान या हिंसा का सामना करना पड़े, तो नीति और व्यवहार के बीच गंभीर विरोधाभास पैदा होता है। ऐसी घटनाओं के बाद केवल संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई कर देना पर्याप्त नहीं है। प्रत्येक ऐसी घटना शिक्षा व्यवस्था में मौजूद कमियों की ओर संकेत करती है।

डॉ. पुनीत अरोरा
लेखक हरियाणा मानवाधिकार आयोग से जुड़े हैं

इसलिए विद्यालयों में अनुशासन संबंधी नीतियों, बाल संरक्षण व्यवस्था और शिकायत निवारण तंत्र की व्यापक समीक्षा आवश्यक है। प्रभावित छात्राओं को आवश्यकतानुसार मनोवैज्ञानिक परामर्श और भावनात्मक सहयोग दिया जाना चाहिए। विद्यालय में पूर्व में प्राप्त शिकायतों और की गई अनुशासनात्मक कार्रवाइयों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। शिक्षकों को बाल अधिकारों, सकारात्मक अनुशासन और अहिंसक व्यवहार के संबंध में नियमित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। शिक्षा विभाग को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक विद्यालय में बच्चों के लिए ऐसा शिकायत तंत्र उपलब्ध हो, जहां वे बिना भय के अपनी बात रख सकें। जिस बच्चे को शिक्षक से डर लगता है, उसके लिए शिकायत तंत्र का होना ही पर्याप्त नहीं; उस तंत्र पर उसका विश्वास होना भी जरूरी है। मानवाधिकार की दृष्टि से किसी नाबालिग बच्चे की शारीरिक सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, गरिमा और शिक्षा-ये सभी एक-दूसरे से जुड़े अधिकार हैं।

कथित रूप से बेंत से पीटा जाना केवल शरीर पर चोट का मामला नहीं है। इससे बच्चे के भीतर भय, अपमान, आत्मविश्वास में कमी और विद्यालय से दूरी जैसी दीर्घकालिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। किसी भी नाबालिग छात्र या छात्रा के साथ ऐसा कथित व्यवहार उसके बुनियादी मानवाधिकारों को प्रभावित करता है। इसमें गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार, शारीरिक एवं मानसिक शोषण से संरक्षण का अधिकार तथा सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में शिक्षा पाने का अधिकार शामिल हैं। इसलिए ऐसी घटनाओं में त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी सुधारात्मक कार्रवाई आवश्यक है। बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य और उसका भविष्य किसी भी अनुशासनात्मक व्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण है। यदि विद्यालय बच्चे को भयमुक्त वातावरण नहीं दे सकता, तो शिक्षा का अधिकार अधूरा है। और यदि अनुशासन के नाम पर बेंत उठती है, तो चोट केवल बच्चे को नहीं लगती-चोट शिक्षा व्यवस्था की आत्मा और मानवाधिकारों की बुनियाद पर लगती है।

मेघ आए बन-ठन के

मेघ आए बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरके।

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।

क्षितिज अटारी गदराई दामिनि दमकी
'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आए बड़े बन-ठन के, सँवर के।

- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

कश्मीर मुद्दा सुलझाए बगैर ब्रिटेन का निकलना!

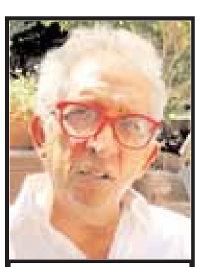

श्याम भाटिया
(लेखक लंदन स्थित पत्रकार हैं)

भारत और पाकिस्तान के बीच की 'जैसे को तैसा' जवाब देने की प्रवृत्ति और अविश्वास के मिलेजुले भाव से देखना दिलचस्प है। बुधवार को भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने श्रीनगर का दौरा किया और जम्मू-कश्मीर को 'भारत का अहम हिस्सा' बताया। पाकिस्तान ने तुरंत इसका विरोध किया। इसके बाद राजनयिक स्तर पर 'जैसे को तैसा' वाला दौर शुरू हुआ = पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर लगे सुरक्षा बैरियर हटवा दिए; तो जवाबी प्रतिक्रिया में भारत ने भी नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के बाहर ठीक वही किया।

भारत और पाकिस्तान की आज़ादी के बाद उनकी उम्र लगभग 80 साल हो चुकी है। लेकिन वे अभी भी ऐसे व्यवहार करते हैं मानो दिवंगत माता-पिता की विरासत के लिए झगड़ रहे बच्चे हों। ज़ाहिर है, यहां 'दिवंगत माता-पिता' से अभिप्राय ब्रिटिश साम्राज्य से है। इससे एक दिलचस्प सवाल उठता है= 1947 में पीछे छोड़ दिए गए 'ताज के रत्न' (भारत) को ब्रिटेन किस नज़रिए से देखता है? क्या ब्रिटेन वाकई अतीत को भूलकर आगे बढ़ गया है? मुझे शक है कि इसका जवाब उससे कहीं ज़्यादा जटिल है, जितना ब्रिटिश या उनकी पूर्व प्रजा स्वीकार करना चाहेगी। भारत से ब्रिटेन की वापसी असाधारण रूप से जल्दबाज़ी में हुई थी। फरवरी 1947 में क्लेमेंट एटली की सरकार ने घोषणा की कि ब्रिटिश शासन जून 1948 तक खत्म हो जाएगा। लॉर्ड माउंटबेटन वायसराय बनकर आए और उन्होंने इस समय-सीमा को सरका कर पहले कर दिया। अगस्त 1947 में आज़ादी मिली। नए देशों की सीमाओं की घोषणा सिर्फ़ दो दिन बाद की गई। लाखों लोगों को अचानक पता चला कि वे एक ब्रिटिश वकील, सर सिरिल रैडक्लिफ द्वारा खींची गई रेखा के गलत तरफ़ रह रहे हैं, जो इससे पहले कभी भारत नहीं आए थे। इसके नतीजे बहुत भयानक रहे-बड़े पैमाने पर लोगों का विस्थापन, सांप्रदायिक नरसंहार और कड़वाहट की ऐसी विरासत, जो पीढ़ियों तक बनी रही। और फिर कश्मीर का मुद्दा था। यह महज़ ज़मीन का कोई टुकड़ा भर नहीं था, जिसे एक नया देश आसानी से दूसरे देश को सौंप दे। जम्मू-कश्मीर एक रियासत थी, जिसके शासक महाराजा हरि सिंह ने काफी हील-हुज्जत के बाद अक्तूबर 1947 में भारत में विलय के दस्तावेज़ (इंस्ट्रूमेंट ऑफ़ एक्सेशन) पर हस्ताक्षर किए थे। इसे गवर्नर-जनरल लॉर्ड माउंटबेटन ने स्वीकार कर लिया, जो आज़ादी के बाद भी भारत के गवर्नर-जनरल बने रहे। संलग्न पत्र में उन्होंने लिखा था कि जब कानून-व्यवस्था बहाल हो जाएगी, तो विलय

का सवाल लोगों की राय से तय किया जाना चाहिए। वह अनसुलझा इतिहास भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में सबसे बड़ा ज़ख्म बन गया। तीन युद्ध हुए, सशस्त्र विद्रोह, आतंकवाद, सैन्य टकराव और न जाने कितने ही कूटनीतिक संकट आए।

आज 2026 में, हम देख रहे हैं कि परमाणु हथियार संपन्न दो देश एक-दूसरे के राजनयिक मिशनों के बाहर सुरक्षा इंतज़ामों को लेकर जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं, क्योंकि एक अमेरिकी राजदूत ने कश्मीर के बारे में कुछ ऐसा कहा जो पाकिस्तान को नागवार गुजरा। इन सबके लिए ब्रिटेन को दोष देना आसान होगा। लेकिन यह करना कुछ ज़्यादा ही आसान होगा। भारत और पाकिस्तान के पास परिपक्व होने के लिए लगभग आठ दशक थे। उनके नेताओं ने सुलह की बजाय बार-बार राष्ट्रवाद को चुना। दोनों देशों ने घरेलू राजनीतिक मकसदों के लिए कश्मीर का इस्तेमाल किया। दोनों ने बंटवारे और खुद को पीड़ित दिखाने के आधार पर मज़बूत प्रचार कथानक गढ़े हैं। सन 1947 के बाद से दिल्ली या इस्लामाबाद में लिए गए हर फ़ैसले के लिए ब्रिटेन को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन फिर, ब्रिटेन भी इतिहास से पूरी तरह बच नहीं सकता। नि:संदेह, उसने ऐसे राजनीतिक हालात पैदा किए जिनमें बंटवारा हुआ। इसने तय किया कि मूल समयसीमा से पहले ही यहां से चले जाना है। उसने पंजाब और बंगाल के बंटवारे की निगरानी की। सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया में ब्रिटिश अधिकारी गहराई तक शामिल थे। ब्रिटिश राष्ट्रीय संग्रहालय के रिकॉर्ड से स्थापित होता है कि ब्रिटिश अधिकारियों के पास यह तय करने के लिए सिर्फ़ नौ हफ़्ते थे कि ब्रिटिश भारत का बंटवारा कैसे किया जाए। और फिर ब्रिटेन के सूत्रधार अपने देश लौट गए। शायद कहानी का सबसे असाधारण हिस्सा यही है। ब्रिटिश साम्राज्य नक्शे से गायब हो गया, लेकिन उसकी सीमाएं नहीं गईं। उसके बनाए संस्थान पूरी तरह खत्म नहीं हुए। उसकी अंग्रेज़ी भाषा नए रसूखदार वर्ग की गर्व योग्य बोली बन गई। उसकी संसदीय प्रणाली को अपनाया गया। उसकी सेना का ढांचा, प्रशासनिक परंपराएं और कानूनी नियम बने रहे। और उसके जाने के दौरान बने ज़ख्म भी बने रहे। तथापि, ब्रिटेन खुद काफी हद तक आगे बढ़ चुका है। आज का ब्रिटेन बिल्कुल अलग सवालों में उलझा हुआ है= ब्रेक्सिट, आप्रवासन, एनएचएस, जीवन-यापन की बढ़ती लागत, सुधार, पारंपरिक राजनीतिक दलों का पतन और दुनिया में उसकी अनिश्चित स्थिति। वहीं, भारत और पाकिस्तान इस बीच अभी भी उस इलाके को लेकर झगड़ रहे हैं, जिसका आधुनिक राजनीतिक भविष्य उपमहाद्वीप में ब्रिटेन के आखिरी महीनों के दौरान तय हुआ था। इस पूरे मामले में कुछ-कुछ शेक्सपियर के नाटकों जैसी बात है।

ब्रिटेन ने मंच छोड़ दिया, कलाकार बदल गए, वेशभूषा बदल गई, दर्शक बदल गए, लेकिन झगड़ा जारी रहा। शायद इस बात की असली परीक्षा यह नहीं है कि क्या ब्रिटेन अपने साम्राज्य वाले दिनों को छोड़कर आगे बढ़ चुका है और क्या ब्रिटेन के लोग अब भी 'राज' के पुराने वैभव की खुमारी में खोए रहते हैं, बल्कि असली सवाल यह है कि क्या ब्रिटिश यह समझते हैं कि उनके आखिरी दिनों में लिए गए फैसलों का असर आज भी करोड़ों लोगों की ज़िंदगियों को आकार दे रहा है। दिल्ली-इस्लामाबाद की नवीनतम घटनाओं से तो लगता है कि इतिहास अभी भी अतीत नहीं बना, वहीं का वहीं खड़ा है। 'ताज का रत्न' अब दो मज़बूत स्वतंत्र देश बन चुके हैं, दोनों परमाणु शक्ति संपन्न हैं, और भारत अब दुनिया का सबसे ज़्यादा आबादी वाला देश है। दोनों देशों ने अपना-अपना इतिहास, अपनी महत्वाकांक्षाएं और अपनी-अपनी पहचान विकसित कर ली है। वे अब ब्रिटेन का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन न तो ब्रिटेन और न ही दक्षिण एशिया के ये देश यह दिखावा कर सकते हैं कि जिस तरीके से ब्रिटेन यहाँ से गया, उससे बाद की घटनाओं पर कोई असर नहीं पड़ा। अस्सी साल बाद, शायद अब समय आ गया है कि तीनों देश उस असहज सच को स्वीकार करें। ब्रिटिश राज 1947 में भारत से चला गया, लेकिन वह गया कैसे, इसका इतिहास कभी भारत से पूरी तरह नहीं गया।

प्रयागराज में बढ़ा गंगा-यमुना का जलस्तर, प्रशासन अलर्ट

प्रयागराज

प्रयागराज में लगातार हो रही बारिश के बीच गंगा और यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। हालांकि, फिलहाल दोनों नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं और जिले के सभी तटबंध सुरक्षित बताए गए हैं। प्रशासन की टीमें जलस्तर और बारिश की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। रविवार सुबह 8 बजे तक मिली जानकारी के अनुसार प्रयागराज में नदियों का खतरे का स्तर 84.734 मीटर निर्धारित है। नैनी में यमुना का जलस्तर 80.63 मीटर दर्ज किया गया। वहीं, फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.27 मीटर और छतनाग में 80.30 मीटर रिकॉर्ड किया गया। जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण नदी किनारे रहने वाले लोगों के बीच चिंता बढ़ी है, लेकिन प्रशासन के मुताबिक अभी स्थिति नियंत्रण में है। बीते 24 घंटे में प्रयागराज के अलग-अलग इलाकों में अच्छी बारिश भी दर्ज की गई। नैनी में 53.6 मिलीमीटर, फाफामऊ में 56.4 मिलीमीटर और छतनाग में सबसे ज्यादा 64.0 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। बारिश के कारण नदियों के जलस्तर पर भी असर पड़ रहा है।

प्रशासन ने बताया कि सभी तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं और फिलहाल किसी तरह की आपात स्थिति नहीं है। अधिकारियों को नदी के जलस्तर में होने वाले बदलाव पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित विभागों की टीमें भी अलर्ट मोड पर हैं। प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की गई है कि वे नदी के किनारे जाने से बचें और जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कदम उठाए जाएंगे।

राहत चौकियों को किया गया सक्रिय

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि राहत चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है। सभी उपजिलाधिकारियों और राजस्व कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करने के लिए कहा गया है। बाढ़ प्रभावित या संभावित प्रभावित लोगों से अपील की गई है कि वे सुरक्षित स्थानों और प्रशासन की ओर से बनाए गए शरणार्थी शिविरों में पहुंचें। शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। यमुनापार के शंकरगढ़ इलाके में टोंस और लोनी नदी के जलस्तर बढ़ने से शुक्रवार को कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। बराडीह, इटवा, देवरा, लोनीपार, ककरहा बस्ती, सिंहपुर और कॉलोनी बस्ती समेत आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ का पानी पहुंचने से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। लोनीपार स्थित जूनियर विद्यालय और प्राथमिक विद्यालय में राहत शिविर बनाए गए हैं। करीब 180 लोगों को राहत शिविर में पहुंचाया गया है।

'इस्लामिक नाटो' पर बांग्लादेश कन्फ्यूज

ढाका। क्या बांग्लादेश पाकिस्तान, तुर्किये और सऊदी अरब के बीच बने कथित 'इस्लामिक नाटो' में शामिल होगा? इस सवाल पर बांग्लादेश की सरकार की ओर से कोई साफ संकेत नहीं दिया गया और बातों को गोल-गोल घुमाया गया। विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने कहा है कि किसी भी समझौते या बहुपक्षीय संगठन में शामिल होने का फैसला सिर्फ बांग्लादेश के राष्ट्रीय हित और उसके लोगों के हित को देखकर किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में शमा ने कहा कि बांग्लादेश की विदेश नीति का आधार 'बांग्लादेश फर्स्ट' है। उन्होंने कहा कि अगर किसी समझौते या बहुपक्षीय व्यवस्था से बांग्लादेश के हित और उसके लोगों के हित सुरक्षित होते हैं, तभी उसमें शामिल होने पर विचार किया जाएगा। यह मामला तब शुरू हुआ जब बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा, 'सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ किसी आर्थिक या रक्षा ढांचे में शामिल होने की संभावना के प्रति बांग्लादेश सकारात्मक रुख रखता है।' एक मंत्री का बयान दिखाता है कि वह इस्लामिक नाटो में शामिल होना चाहता है। वहीं दूसरी मंत्री कहती हैं कि अपने हितों को देखकर फैसला लेंगे। ये दिखाता है कि बांग्लादेश के अंदर ही कनफ्यूजन है। शमा ओबैद इस्लाम से सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये से जुड़े किसी संभावित आर्थिक या रक्षा ढांचे में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर सवाल किया गया था। हाल में ऐसी रिपोर्ट्स आई थीं कि, बांग्लादेश सकारात्मक रुख रखता है। हालांकि, बांग्लादेशी राज्य मंत्री ने इन अटकलों पर किसी तरह की पुष्टि नहीं की। उन्होंने साफ कहा कि बांग्लादेश ऐसे फैसले स्वतंत्र रूप से लेगा। उन्होंने भारतीय और पाकिस्तानी मीडिया में चल रही खबरों को लेकर भी कहा कि वे बांग्लादेश सरकार के फैसले का आधार नहीं हो सकतीं। उनका कहना था कि अगर सरकार ऐसा कोई फैसला करती है, तो बांग्लादेशी मीडिया को इसकी जानकारी सबसे पहले दी जाएगी। यानी फिलहाल ढाका की तरफ से इस सुरक्षा ढांचे में शामिल होने को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अब अमेरिकी इलाका

ट्रंप ने शेयर किया मैप... ईरान पर नए प्रतिबंध भी

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अमेरिका का नया इलाका बताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। ट्रंप ने स्ट्रेट को लेकर अपना रुख और कड़ा कर दिया है जबकि तेहरान का कहना है कि जब तक वॉशिंगटन अपना नजरिया नहीं बदलता, तब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद ही रहेगा। बता दें, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने होर्मुज को अमेरिकी इलाका बताया है, इससे पहले भी ट्रंप ऐसा कर चुका है। 18 अगस्त को भी उन्होंने यही तस्वीर शेयर की थी। और कहा था कि जल्द ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अमेरिकी इलाका घोषित किया जाएगा। 14 अगस्त को लॉन्ग आइलैंड में ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका बहुत जल्द स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अपना इलाका घोषित करेगा।

वहीं, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी मोहसिन रेज़ाई ने इससे पहले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर दो टूक लहजे में कहा था, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने में अमेरिका की नाकामी और उस पर अपना मालिकाना हक जताने के दावे के बीच का अंतर, वाशिंगटन और होर्मुज के बीच की 7 हजार मील की दूरी से भी ज्यादा है। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा था, फारस की खाड़ी में पोस्ट अमेरिकन ऑर्डर में आपका स्वागत है।

ट्रंप का हालिया पोस्ट ऐसे समय में आया है जब वॉशिंगटन ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक टकराव में कटुता आ सकती है। ईरान ने प्रस्तावित प्रतिबंधों की निंदा भी की थी। साथ ही, चेतावनी भी दी कि इससे उसकी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है और इसका असर उसके मुख्य व्यापारिक साझेदारों, खासकर चीन पर असर पड़ सकता है। चीन ईरानी तेल का एक बड़ा खरीदार है।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ईरान के खिलाफ इतिहास के सबसे कड़े प्रतिबंधों की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने चीन से भी आग्रह किया है कि वह तेहरान के तेल निर्यात के मामले में वॉशिंगटन का सहयोग करे। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने प्रस्तावित प्रतिबंधों की आलोचना की। उनका कहना है कि अमेरिकी अपनी सीमाओं से बाहर अमेरिकी अधिकार थोपने की कोशिश कर रहा है। साथ ही, उन्होंने यह भी दावा किया कि इस तरह के सेकेंडरी प्रतिबंधों का अंतरराष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी मोहसिन रेज़ाई ने भी पड़ोसी देशों को वॉशिंगटन के आर्थिक अभियान का समर्थन न करने की चेतावनी दी है। उनका साफ कहना है कि जो कोई भी अमेरिका के आर्थिक युद्ध में शामिल होगा, उसे वे दुश्मन मानेंगे।

ट्रंप और ईरान के बीच मतभेद जारी

ट्रंप ने बार-बार देशों को चेतावनी दी है कि वे ईरान को लाइफलाइन न दें। ट्रंप ने इस बात पर भी कई बार जोर दिया है कि तेहरान को वह समझौता स्वीकारना चाहिए जिसे वॉशिंगटन सही मानता है। वहीं, ईरान अपना कड़ा रुख अपनाए है। साथ ही, उसने यह संकेत भी दिए हैं कि वह कूटनीति के लिए तैयार है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने टकराव खत्म करने के लिए कूटनीतिक समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि ईरान को अपनी ताकत और सम्मान बनाए रखते हुए इस जंग को खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। अब ट्रंप ने फिर एक बार स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अमेरिकी इलाका बता दिया है, जबकि ईरान का कहना है कि जब तक अमेरिका अपना रवैया नहीं बदलता होर्मुज को नहीं खोला जाएगा। ऐसे में, आने वाले समय में इस तनाव के और बढ़ने की आशंका है।

गणेश प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत

मुंबई। मुंबई में गणेश प्रतिमा के आगमन कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। 'भुलेश्वरचा राजा' की प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए हैं। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। घटना भुलेश्वर इलाके में हुई, शुरुआती जांच में सड़क पर कोई बड़ा गड्ढा नजर नहीं आया है। प्रतिमा का संतुलन बिगड़ना हादसे की वजह माना जा रहा है। पुलिस जांच कर रही है।

होटल के कमरे में मृत मिला सेना का जवान

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर पुलिस थाना इलाके के तहत सत्य निकेतन में एक होटल के कमरे में सेना का 26 वर्षीय जवान मृत पाया गया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। दिल्ली पुलिस के अनुसार सत्य निकेतन के होटल ब्लू मून इन में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसकी पहचान आंध्र प्रदेश के गुंटूर निवासी अनिल साई तेजा वल्लेपु के रूप में हुई है।

भूकंप के जोरदार झटकों से दहल उठा जापान, 23 नागरिक जख्मी

टोक्यो

जापान में रविवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राजधानी टोक्यो समेत पूर्वी जापान के कई इलाकों में आए इस भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 5.9 मापी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के कारण 23 लोग घायल हुए हैं, हालांकि इनमें से ज्यादातर को मामूली चोटें आई हैं। भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं बताया गया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र दक्षिणी इबाराकी प्रांत में था और इसकी गहराई करीब 70 किलोमीटर थी। यह इलाका लगातार भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। वहीं, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 5.8 दर्ज की है। भूकंप के झटके टोक्यो क्षेत्र में भी महसूस किए गए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के कारण क्षेत्र के चार प्रांतों में कुल 23 लोग घायल हुए हैं। इनमें सैतामा में 9, कानागावा में 9, चिबा में 4 और इबाराकी में एक व्यक्ति घायल हुआ है। ज्यादातर लोगों को उस समय चोट लगी, जब वे सो रहे थे और अचानक आए भूकंप के झटकों से घबराकर उठ गए। अधिकारियों ने बताया कि कुछ लोग हड़बड़ी में बिस्तर से उठते समय गिर गए, जबकि कुछ फर्नीचर या दरवाजों से टकराकर घायल हुए।

ओडिशा तट के पास कार्गो जहाज डूबा, 22 अभी भी लापता

भुवनेश्वर

ओडिशा के तट के पास बंगाल की खाड़ी में पनामा के झंडे वाला मालवाहक जहाज एमवी ओशन विनर शनिवार को संपर्क टूटने के बाद डूब गया। जहाज में 24 क्रू सदस्य सवार थे। इनमें 20 चीनी नागरिक, म्यांमार के तीन नागरिक और बांग्लादेश का एक नागरिक शामिल था। भारतीय तटरक्षक बल ने अब तक दो लोगों को बचा लिया है, जबकि बाकी क्रू सदस्यों की तलाश जारी है। भारतीय तटरक्षक बल के मुताबिक, जहाज डूबने से पहले एमवी ओशन विनर से संपर्क टूटने की जानकारी मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि जहाज ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 समुद्री मील दूर डूबा। यह जहाज 20 अगस्त की रात ओडिशा के पारादीप तट से रवाना हुआ था और सिंगापुर जा रहा था। शुरुआत में कितने क्रू सदस्यों को बचाया गया, इसे लेकर स्थिति साफ नहीं थी। बाद में तटरक्षक बल ने पुष्टि की कि दो लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। जहाज से संपर्क टूटने और उसके डूबने के बाद भारतीय तटरक्षक बल और भारतीय नौसेना ने संयुक्त खोज और बचाव अभियान शुरू किया। आसपास मौजूद अन्य जहाजों को भी अलर्ट किया गया है और लापता क्रू सदस्यों की तलाश में मदद करने के लिए कहा गया है। बचाव अभियान का मुख्य उद्देश्य बाकी क्रू सदस्यों का पता लगाना और उनकी स्थिति की जानकारी हासिल करना है। जहाज किन परिस्थितियों में डूबा, इसकी सही वजह का अभी तक पता नहीं चल सका है। तटरक्षक बल के अनुसार, एमवी ओशन विनर में कुल 24 क्रू सदस्य सवार थे। पारादीप से करीब 240 समुद्री मील दूर जहाज के डूबने के बाद तटरक्षक बल, नौसेना और आसपास के जहाज बचाव अभियान में जुटे हैं। अब तक दो लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि बाकी क्रू सदस्यों की तलाश जारी है। जहाज डूबने की परिस्थितियों और लापता लोगों की स्थिति को लेकर आगे की जानकारी का इंतजार है।

तापसी के बयान से भड़कीं कंगना

लगता है कि बॉलीवुड में एक और विवाद शुरू होने वाला है! कंगना रनौत और तापसी पन्नू की सालों पुरानी लड़ाई फिर सुर्खियों में आ गई है। तापसी ने वुमन समिट 2026 में शिरकत की थी। वहां उनसे कंगना संग रिश्तों के सुधरने पर सवाल किया गया। तापसी ने कहा कि वो कभी कंगना ने मिली नहीं हैं। उनके बारे में कुछ बोलना एक्ट्रेस की परवरिश और उनके नजरिए को दर्शाएगा। ऐसे में लोगों के लिए ये देखना और तय करना काफी है कि कौन कहां से आता है। तापसी पन्नू ने सिर्फ ये कहकर अपनी बात खत्म कर दी थी। मगर कंगना उनकी बातों से सहमत नहीं नजर आईं। उन्होंने तापसी के बयान के चंद घंटों बाद इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक्ट्रेस को जमकर फटकार लगाई। कंगना रनौत ने उन्हें सस्ती कॉपी कहते हुए लिखा- एक सस्ती कॉपी अपनी आने वाली क्र-ग्रेड फिल्म के साथ घूम रही है। हमेशा की तरह मीडिया के सामने उसके पास बात करने के लिए सिर्फ कंगना रनौत का नाम है। लेकिन आज उसने सारी हदें पार कर दीं और बेशर्मी से मेरी परवरिश और मेरे माता-पिता का मजाक उड़ाया।

इमरान हाशमी पर भारी पड़ा आवारापन 2 का ये सीन, 20 साल पुराने सवाल का आखिर मिला जवाब

आवारापन-2 इमरान हाशमी के लिए गेम चेंजर साबित हुई है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों से इतर इस फिल्म ने हाशमी के सिनेमा और उनकी स्टार इमेज को जिस तरह फिर से परिभाषित किया है, उसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिल्म की असाधारण सफलता के पीछे कई वजहें हैं, लेकिन एक खास सीन सोशल मीडिया पर चर्चा में बना हुआ है और शायद यह सीन फिल्म से कहीं ज्यादा इमरान हाशमी की स्टारडम और 2007 में आई पहली फिल्म आवारापन से जुड़ी उस पुरानी याद के बारे में बताता है, जो आज भी उनके प्रशंसकों के मन में जिंदा है। यह सीन फिल्म के दूसरे हिस्से में आता है और अचानक दर्शकों को आवारापन-1 की दुनिया में वापस ले जाता है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि 2007 में रिलीज हुई पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भले ही नाकाम रही थी, लेकिन धीरे-धीरे उसने कल्ट फिल्म का दर्जा हासिल कर लिया था। उस फिल्म के कई सीन इमरान हाशमी के प्रशंसकों की यादों में हमेशा के लिए दर्ज हो गए। मूल फिल्म की तरह इस बार भी यह सीन भगवान और शिवम पंडित के बीच एक बातचीत का है या यूं कहें तो एक तरह के टकराव के इर्द-गिर्द बुना गया है। इमरान हाशमी का किरदार शिवम पंडित यहां फिर उसी सवाल के साथ खड़ा नजर आता है। ये सीन बेहद खूबसूरत है। कुछ मिनटों के लिए यह फिल्म को उसकी सामान्य कहानी से ऊपर उठा देता है। शायद यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है। आवारापन-2 की कहानी भले ही हर जगह एक जैसी असरदार न हो, लेकिन यह सीन जस्टिफाई करता है कि दर्शक वापस आखिर किसके लिए आए हैं, जवाब है शिवम पंडित के लिए। उसके भीतर पल रहे दर्द के लिए और उस एहसास के लिए कि शायद कोई अदृश्य शक्ति अब भी उसके रास्ते को दिशा दे रही है। इस सीन की शुरुआत होती है, जब शिवम जेल से निकलने के बाद एक खुद को घायल दिखाकर एंबुलेंस से भागने में कामयाब हो जाता है। उसके पीछे थाई पुलिस के दो अधिकारी लगे हैं। कुछ देर बाद शिवम चारों तरफ से घिर जाता है। उसके पास भागने की कोई जगह नहीं बचती। वह हाथ ऊपर कर देता है और पुलिसकर्मी उसकी तरफ बढ़ते चले आते हैं। तभी कुछ ऐसा होता है, जो लगभग चमत्कार जैसा लगता है। लाल कपड़े पहने बौद्ध भिक्षुओं का एक समूह अचानक शिवम को चारों तरफ से घेर लेता है। शिवम की आंखें बंद हैं और उसके हाथ अब भी ऊपर उठे हुए हैं। जब वह आंखें खोलता है, तो उसे एहसास होता है कि ये बौद्ध भिक्षु उसे रोकने के लिए नहीं, बल्कि आगे बढ़ाने के लिए उसके चारों तरफ खड़े हैं। वे उसे आगे की ओर धकेलते हैं। शिवम चलता चलता जाता है। पहले सहज भाव से। फिर धीरे-धीरे उसे महसूस होने लगता है कि यह महज संयोग नहीं है। शायद यह भगवान का उसे दिया हुआ संकेत है कि वह अकेला नहीं है। उसके सामने कोई रास्ता है, भले ही इस वक्त उसे यह दिखाई न दे कि वह रास्ता आखिर कहां जा रहा है। तभी ये बोल सुनाई देते हैं-

खुद को न यूं सता, उसको तू दे बुझा
चाहता यही आसमां
अब तेरे प्यार में, दिल के करार में
शामिल तू कर ले जहां।

और जैसे ही तेरा मेरा रिश्ता पुराना बजना शुरू होता है, कैमरा धीरे-धीरे ऊपर उठता है। दूर भगवान बुद्ध की एक विशाल सुनहरी प्रतिमा दिखाई देती है। शिवम उसकी ओर देखता है और भिक्षुओं के साथ आगे बढ़ता रहता है। पुलिस से दूर और शायद अपनी नियति की ओर। यह दृश्य अपने आप में बेहद प्रभावशाली है लेकिन इसकी अहमियत तब और बढ़ जाती है, जब हमें याद आता है कि पहली आवारापन में तेरा मेरा रिश्ता पुराना का क्या अर्थ था। मूल फिल्म में यह गाना उस वक्त आता है, जब शिवम भिक्षुओं के बीच शरण लेता है। वे उसे प्रार्थना करना और किसी बड़ी, अदृश्य शक्ति के सामने सिर झुकाना सिखाते हैं लेकिन शिवम ऐसा किरदार नहीं है जो बिना सवाल किए भगवान पर भरोसा कर ले।

गाने के बोल सुनिए -

तेरा यकीन क्यों मैंने किया
नहीं तुझसे राह क्यों जुदा
मुझ पे ये जिंदगी करती रही सितम
तूने ही दी है पनाह
तेरा मेरा रिश्ता पुराना।

यह किसी भक्ति गीत से ज्यादा भगवान के साथ एक इंसान की बातचीत जैसा लगता है। जैसे कोई ऐसा शख्स, जिसने जिंदगी से बहुत कुछ खोया है, अपने भगवान से जवाब मांग रहा हो और यही बात आवारापन 2 के उस दृश्य को इतना दिलचस्प बना देती है।

इस बार गाना शिवम से कहता है -

माना है टूटा तू
खुद से है छूटा तू
खुद को तू खुद से मिला
जख्मी परिंदा है
फिर भी तू जिंदा है
मान ले कहना मेरा।

पहली फिल्म का शिवम भगवान से सवाल कर रहा था। सीक्वल का शिवम जैसे उसी सवाल का जवाब सुन रहा है। शायद यही वजह है कि यह दृश्य अपनी कहानी से कहीं आगे निकल गया है। ऊपर से देखें तो यह एक स्टाइलिश एस्केप सीक्वेंस है। एक ऐसा हीरो जो पुलिस से बाल-बाल बचकर निकल जाता है लेकिन इसके भीतर एक ऐसी बातचीत छिपी है, जिसे पूरा होने में लगभग दो दशक लग गए। इंटरनेट ने भी इस सीन को अपनी एक अलग कहानी दे दी है। लोगों के लिए ये भिक्षु जैसे भगवान के माध्यम बन जाते हैं, जो शिवम को खतरे से बाहर निकालकर उस रास्ते पर आगे बढ़ा रहे हैं, जिस पर शायद उसकी नियति ने उसे पहले से चलने के लिए चुना है।

नगरीय निकायों की कलेक्टर ने की समीक्षा

बाढ़ आपदा प्रबंधन, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की हुई समीक्षा

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में जिले के नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की समीक्षा बैठक शनिवार को आयोजित की गई। बैठक में नगरीय निकायों में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में बाढ़ आपदा प्रबंधन, नाले-नालियों की साफ-सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता सर्वेक्षण-2026, पौधारोपण को एजेंडे में शामिल किया गया। बैठक में नगरीय निकायों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए नगरीय निकायों में बनाए गए बाढ़ कंट्रोल रूम, नोडल अधिकारियों तथा संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के रहवासियों के लिए ठहरने एवं भोजन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। नरसिंहपुर सहित गाडरवारा, करेली, गोटेगांव, तेंदूखेड़ा, सालीचौका, सांईखेड़ा और चीचली नगरीय क्षेत्रों में संभावित प्रभावित क्षेत्रों तथा आश्रय स्थलों की जानकारी प्रस्तुत की गई।

नाले-नालियों की सफाई और कचरा प्रबंधन पर विशेष जोर

नगरीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से बचाव के लिए नाले-नालियों की साफ-सफाई की प्रगति की समीक्षा की गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर नगरपालिका क्षेत्र के 16 प्रमुख नालों और 168 नालियों की सफाई की जा चुकी है। अन्य नगरीय निकायों में भी प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई का कार्य किया गया है। बैठक में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था, डंप साइट से कचरा उठाने, कचरा पृथक्करण तथा स्वच्छता संबंधी जागरूकता गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। नगरीय निकायों द्वारा स्वच्छता की पाठशाला, घर-घर कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त शहर तथा कचरा मुक्त सार्वजनिक स्थलों के लिए जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं।

सीएमओ अगले चार माह में किए जाने वाले कार्यों का वर्क प्लान तैयार करे

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के निर्देशों का पालन करने के निर्देश

स्वच्छता सर्वेक्षण और पौधारोपण की समीक्षा

बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 के लिए नगरीय निकायों की तैयारियों एवं उनकी प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही वर्ष 2026 के लिए निर्धारित पौधारोपण लक्ष्यों के विरुद्ध खोदे गए गड्ढों, रोपित पौधों तथा पोर्टल पर दर्ज जानकारी की स्थिति देखी। नगरीय निकायों में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न निकायों द्वारा घरों में अलग-अलग डस्टबिन रखने, गीले कचरे से खाद बनाने, कपड़े के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने,दुकानदारों को समझाईश देकर दुकान के सामने डस्टबिन का उपयोग तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने जैसी नवाचार गतिविधियां भी संचालित करने के निर्देश समस्त सीएमओ को दिए।उन्होंने कहा कि सभी सीएमओ अगले चार माह में किए जाने वाले कार्यों का वर्क प्लान तैयार करे।साथ ही गाडरवारा और नरसिंहपुर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत वर्कशॉप भी आयोजित किए जाने के निर्देश दिए।बैठक में नगरीय निकायों के अधिकारियों को योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति पर सतत निगरानी रखने तथा नागरिकों को बेहतर नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के संबंध में समीक्षा की गई। बैठक में समस्त सीएमओ, उप यंत्री, सहायक यंत्री मौजूद थे।

युवा समाजसेवी फलित सिंह पटेल के नेतृत्व में नशामुक्त युवा जागरण यात्रा

नरसिंहपुर जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में आयोजित हुआ नशा मुक्ति अभियान,

विद्यार्थियों ने ली नशामुक्त समाज की शपथ

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिले में सहयोग युवा समिति द्वारा युवा जागरण यात्रा अभियान के अंतर्गत नरसिंहपुर जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में नशा मुक्ति जन-जागरूकता कार्यक्रमों का प्रभावी आयोजन किया गया समिति के फाउंडर मेंबर फलित सिंह पटेल के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के तहत शासकीय विद्यालय झामर, बम्हौरी, नयागांव, धमना, मुराछ और इमलिया गाररू में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिया सशक्त संदेश-कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, प्रेरक गीत, भाषण और कविताओं के माध्यम से यह संदेश दिया कि नशा किस तरह व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और भविष्य को अंधकार में धकेल देता है। छात्रों के जीवंत मंचन ने उपस्थित शिक्षकों व ग्रामीणों को गहराई से प्रभावित किया।

विद्यार्थियों ने साझा किए विचार व सुझाव-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात आयोजित संवाद सत्र में छात्रों ने नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु अपने नवाचारी विचार रखे। विद्यार्थियों ने कहा कि युवाओं को खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियों और कौशल विकास से जोड़कर इस लत से दूर रखा जा सकता है। साथ ही, शिक्षण संस्थानों के आस-पास नशीली सामग्रियों की बिक्री पर रोक लगाने की बात भी प्रमुखता से उठाई गई।

राष्ट्र निर्माण के लिए नशा मुक्ति आवश्यक

श्रीमती फलित सिंह पटेल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके युवा होते हैं। यदि युवा ऊर्जा सही दिशा में लगे, तो समाज में सकारात्मक बदलाव सुनिश्चित है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और अपने गांव व समाज में इसके खिलाफ अलख जगाने का आह्वान किया कार्यक्रम समापन के अवसर पर शिक्षकों, समिति के सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने जीवन में कभी भी नशा न करने और नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने की सामूहिक शपथ ली।

जिला कांग्रेस सेवा दल की कार्यकारिणी गठित

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अतुल चौरसिया ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव की अनुमति एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन पी प्रजापति, पूर्व विधायक संजय शर्मा , पूर्व विधायक सुनील जायसवाल , जिला संगठन मंत्री दीवान शैलेंद्र सिंह की सहमति से कार्यकारिणी की घोषणा की।जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अतुल चौरसिया ने बताया कि जिला पदाधिकारियो में उपाध्यक्ष रीतेश नामदेव, उमाकांत गुप्ता,रंजीत चौरसिया, कोषाध्यक्ष अभिषेक जाट, महासचिव सीताराम पटेल, अम्मू खान, अन्नी यादव, आयुष जैन, हरि विष्णू कौरव, आशीष कौरव, वीर कौरव को बनाया गया है। जबकि मुख्य प्रशिक्षकश्री एड. रंजीत पटेल, प्रशिक्षक रूपेश बरसैंया, अमर सिंह सिलावट, राजू झारिया, जगमोहन पटेल जमाड़ा, वहीं सचिव पद पर अभय नेमा, संदीप राय, जितेंद्र तिवारी, कैलाश रघुवंशी, अभिषेक लेवी, पलाश पटेल, शरद साहू, नीरज स्वामी, सौरभ पटेल, प्रदीप गुमास्ता, प्रसन्न राठौर, रामजी राय, अनूप शुक्ला, संयुक्त सचिव आजाद खान, रीतेश यादव, शेख रिजवान खान, कपिल ठाकुर ,दीपक शर्मा, सचिन पुरी गोस्वामी,आनंद ज्योतिषी, अनुज चौरसिया, दीपक पटेल, रक्षित चौरसिया, अंशुल मेहरा को लिया गया है। इसके अलावा मीडिया समन्वयक संदीप दुबे,

बबलू कहार को नियुक्त किया गया है। जबकि सोशल मीडिया समन्वयक रीतेश उपाध्याय, गोल्डी खान को बनाया गया है। ध्वज प्रभारी देवेन्द्र शुक्ला रहेंगे।

गोटेगांव विधानसभा प्रभारी विनीत पचौरी एवं श्रीधाम ब्लॉक अध्यक्ष सतीश पटेल, मुंगवानी राजेश ठाकुर, करकबेल गोपाल सिंह लोधी, डांगीढाना राघवेन्द्र गुमास्ता , नरसिंहपुर विधानसभा प्रभारी अंकुर बटरी, नरसिहपुर रूरल ब्लॉक अध्यक्ष ऋषिराज मुस्करया, करेली नफीश खान, नगर अध्यक्ष राजा मालवीय, नरसिहपुर अरबन ब्लाक अध्यक्ष शनि केशरवानी, तेंदूखेड़ा विधानसभा प्रभारी अंचल तिवारी, कोडिया ब्लाक अध्यक्ष मिस्टर क़ीर, चावरपाठा ब्लाक अध्यक्ष लोकेश कुमार पटेल, करपगाँव आशुतोष शुक्ला, सांईखेड़ा ब्लाक अध्यक्ष कपिल कौरव, चीचली सूरज राय,गाडरवाडा मनीष कौरव एवं गाडरवारा नगर अध्यक्ष तिलक चौहान को नियुक्त किया गया है।

कलार महिला मंडल ने मनाया हरियाली उत्सव, किया पौधरोपण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। नगर कलार महिला मंडल नरसिंहपुर ने मंडल सदस्य रूबी अनुराग चौकसे के निवास स्थान अक्षर धाम कालोनी में मंडल सदस्यों के साथ हरियाली उत्सव मनाया। सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छदेकर ,तिलक लगाकर स्वागत रुबी चौकसे द्वारा किया गया। भगवान शिव पार्वती का पूजन अर्चन शिव मंदिर अक्षर धाम कालोनी में किया गया ,साथ ही मंदिर प्रांगण में तीज उत्सव पर वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा भजन गाते गये। सावन के गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ गेम्स भी खिलाएं गये।विजेताओं को पुरस्कार दिये,सभी सदस्यो को भी तीज के उपलक्ष में पुरस्कार एवं श्रंगार सामग्री दी गयी।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सरिता राय,उपाध्यक्ष रेणु जायसवाल,सचिव रिंकी राय,कोषाध्यक्ष कामिनी राय,संरक्षक अर्चना राय,आरती राय के साथ मंडल के सभी सदस्यों ने अपनी उपस्तिथि एवं सहभागिता देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। मंडल सदस्यों द्वारा रूबी चौकसे एवं कालोनाईजर अनुराग चौकसे के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

एथलेटिक्स खिलाड़ियों के लिए प्रतिभा चयन कार्यक्रम 26 को

सतना, स्वतंत्रमत।

भारत सरकार की खेलो इंडिया स्माल सेंटर योजना के अंतर्गत जिला सतना में एथलेटिक्स खेल के प्रतिभावान खिलाड़ियों के चयन के लिए प्रतिभा चयन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 26 अगस्त 2026 को दादा सुखेंद्र सिंह स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स जवाहर नगर सतना में आयोजित होगा। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग सतना/मैहर ने बताया कि प्रतिभा चयन कार्यक्रम प्रातः 7 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम में जिले के 9 से 18 वर्ष आयु तक के प्रतिभावान खिलाडियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रतिभा चयन कार्यक्रम में उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

सर्वेश राय बने प्रदेश संगठन मंत्री

कल्चुरी समाज में हर्ष की लहर

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय कल्चुरी एकता महासंघ ने संगठन विस्तार की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए समाजसेवी सर्वेश राय को प्रदेश संगठन मंत्री नियुक्त किया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय संयोजक श्रीमती अर्चना जायसवाल द्वारा की गई है। श्री राय की नियुक्ति की घोषणा होते ही पूरे प्रदेश सहित गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, भोपाल के कल्चुरी समाज के पदाधिकारियों में हर्ष का माहौल है। समाजजनों ने सर्वेश राय को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा।राष्ट्रीय संयोजक श्रीमती अर्चना जायसवाल ने कहा कि सर्वेश राय लंबे समय से समाज सेवा और संगठन के कार्यों में सक्रिय हैं।

समाज को एकजुट करने और युवाओं को जोड़ने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी सक्रियता को देखते हुए उन्हें प्रदेश संगठन मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सर्वेश राय ने अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय संयोजक श्रीमती अर्चना जायसवाल सहित राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे महासंघ के उद्देश्यों, भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के विचारों और समाज की एकता को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

नगर में उज्जैन की तर्ज पर निकलेगी नर्मदेश्वर महाकाल की शाही सवारी

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर आगामी 24 अगस्त को पूरी तरह भगवान शिव की भक्ति में डूबा नजर आएगा। बाबा महाकाल के समस्त भक्त उज्जैन की तर्ज पर नर्मदेश्वर महाकाल की भव्य शाही सवारी धूमधाम से निकालेंगे। आयोजन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है। शक्ति चौक स्थित मुख्य कार्यालय में प्रतिदिन बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

महाराजा नर्मदेश्वर महाकाल नगर की प्रजा को आशीर्वाद देने के लिए शिवधाम डमरूघाटी से अपनी शाही सवारी पर निकलेंगे। आयोजकों ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रावण मास के अंतिम सोमवार, 24 अगस्त को दोपहर 3 बजे

शाही सवारी शिवधाम डमरूघाटी से प्रारंभ होकर महाकाल चौराहा, चुंगी नाका, नया बस स्टैंड, पुरानी गल्ला मंडी, झंडा चौक, थाना चौकी, महावीर भवन, शक्ति चौक होते हुए ऋण मुक्तेश्वर धाम शिवालय चौक पहुंचेगी। यात्रा के समापन

पर ऋण मुक्तेश्वर धाम शिवालय चौक में भगवान नर्मदेश्वर महाकाल की विधिवत पूजा-अर्चना एवं भव्य महाआरती की जाएगी। महाआरती के पश्चात उपस्थित सभी श्रद्धालुओं में प्रसादी का वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष भी शाही सवारी को उज्जैन की प्रसिद्ध शाही सवारी की तर्ज पर सजाया जा रहा है। बाबा महाकाल की फूलों से सजी आकर्षक पालकी, ढोल-नगाड़ों की थाप, डीजे, मनमोहक झांकियां और भक्तों का सैलाब इस सवारी का मुख्य आकर्षण रहेगा। शाही सवारी मे 52 शक्तिपीठ माँ गढ़कालिका धाम उज्जैन मुख्य पुजारी करिश्मा नाथ जी, पासीघाट के श्री श्री 1008 रामदास जी त्यागी टाटाम्बरी सरकार शिष्य मंडल, किन्नर समाज प्रमुख विशेष रूप से उपस्थित हो रहे है ।

शाही सवारी को लेकर नगर के युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। नगर के प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह नगरवासियों द्वारा भव्य स्वागत मंच बनाए जाएंगे, जहां जल व्यवस्था और प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की जा रही है। समिति ने समस्त नगरवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा नर्मदेश्वर महाकाल की इस शाही सवारी में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें और नगर की सुख-समृद्धि व खुशहाली के लिए बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना, स्वतंत्रमत। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

बराकला में समरसता संकल्प अभियान एवं कलश यात्रा का राज्यमंत्री ने किया शुभारंभ

सतना, स्वतंत्रमत।

रैगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बराकला में पूज्य संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान एवं कलश यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सहभागिता कर संत रविदास महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन किया और कलश यात्रा के शुभारंभ में शामिल हुईं। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी महाराज का जीवन और उनका विचार दर्शन समाज को सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे, सेवा और मानवता का मार्ग दिखाता है। उन्होंने अपने जीवन और वाणी के

माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव को दूर कर सभी वर्गों को समानता एवं एकता के सूत्र में बांधने का संदेश दिया। राज्यमंत्री ने कहा कि समरसता संकल्प अभियान संत रविदास जी महाराज के विचारों और उनके समतामूलक समाज के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

कलश यात्रा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक एकता, सद्भाव और भाईचारे का संदेश पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से संत रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने और समाज में आपसी प्रेम, सहयोग एवं सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।

पत्रकार-शिक्षक स्वर्गीय वेद प्रकाश शुक्ल की 29वीं पुण्यतिथि मनाई गई

सतना, स्वतंत्रमत।

स्व. पं. वेद प्रकाश शिव प्रताप स्मृति सेवा न्यास के तत्वावधान में पत्रकार एवं शिक्षक स्वर्गीय वेद प्रकाश शुक्ल की 29वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज हाईब्रिड मोड में पुण्यतिथि मनाई गई।

कार्यक्रम में उपस्थित एवं ऑनलाइन जुड़े लोगों ने स्वर्गीय शुक्ल के व्यक्तित्व कृतित्व और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान को स्मरण करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संयोजन उनके सुपुत्र डॉ.जय प्रकाश शुक्ल एवं विजय प्रकाश शुक्ल ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर डॉ.जय प्रकाश शुक्ल ने बताया कि स्वर्गीय वेद प्रकाश शुक्ल का निधन 22 अगस्त 1997 को हुआ था। निधन के समय वे प्राथमिक विद्यालय नई बाजार कर्वी में पदस्थ थे। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय श्री शुक्ल नवाचारों और वैकल्पिक शिक्षा के प्रबल पक्षधर थे। शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने के साथ उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा दैनिक भारत और दैनिक जागरण जैसे समाचार पत्रों के स्थानीय संवाददाता के रूप में अपनी सेवाएं दीं। विजय प्रकाश शुक्ल ने कहा कि स्वर्गीय श्री शुक्ल बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने कृषि पत्रकारिता व्यवसाय उद्यमिता और समाजसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई तथा सामाजिक सरोकारों के प्रति सदैव सजग रहे।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शुक्ल परिवार के डॉ. अजय प्रकाश वेदांतए अभिनव सहित अन्य परिजनों ने स्वर्गीय वेद प्रकाश शुक्ल के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों एवं सामाजिक सरोकारों को स्मरण करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लेने का संकल्प व्यक्त किया।

पत्रकारों की सुरक्षा पुलिस की जिम्मेदारी

कानून व्यवस्था को लेकर एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे से स्वतंत्र मत की चर्चा

ग्रामीण अंचल में अपराध नियंत्रण, नशा मुक्ति और यातायात व्यवस्था को लेकर हुआ मंथन, पत्रकार-पुलिस समन्वय पर दिया जोर

सतना, स्वतंत्रमत। जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एडिशनल एसपी ग्रामीण क्षेत्र प्रेमलाल कुर्वे से सौजन्य मुलाकात वरिष्ठ पत्रकार हमीद खान ने की। इस दौरान लगभग एक घंटे तक चली बैठक में जिले के समसामयिक मुद्दों ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते अपराध अवैध गतिविधियों और पुलिस.पत्रकार समन्वय को लेकर गहन चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत में एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे ने स्वतंत्र मत से चर्चा करते बताया कि बताया कि सतना जिला सीमावर्ती जिला है जहां ग्रामीण अंचल काफी विस्तृत है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की उपस्थिति और सक्रियता बेहद जरूरी है।

ग्रामीण अपराधों पर विशेष चर्चा -हमीद खान पत्रकार ने विशेष रूप से बीरपुर नागौद और रामपुर बाघेलान जैसे ग्रामीण थाना क्षेत्रों में हो रही चोरी लूट और अवैध शराब के कारोबार का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में बीरपुर में हुई चोरी की घटना में पीड़ित परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ऐसे मामलों में पुलिस को त्वरित और संवेदनशील रवैया अपनाना चाहिए। इस पर एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे ने गंभीरता दिखाते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। सभी

थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि छोटी से छोटी शिकायत को भी गंभीरता से लें। उन्होंने आश्वस्त किया कि बीरपुर चोरी मामले में भी जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

नशे के कारोबार पर कसेगी नकेल -चर्चा के दौरान नशे के बढ़ते कारोबार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। हामिद खान ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहा हैए जिसके कारण चोरी जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। इस पर एडिशनल एसपी ने बताया कि जिले में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। अवैध शराब गांजा और अन्य मादक पदार्थों के विक्रेताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले एक माह में कई बड़ी कार्रवाइयां की गई हैं।

मैहर में विधायक की गाड़ी पर चालान की कार्रवाई का उदाहरण देते हुए हमीद खान ने सतना की यातायात व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा बिना किसी भेदभाव के की जा रही कार्रवाई से आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। एडिशनल एसपी कुर्वे ने कहा कि यातायात नियमों का पालन कराना उनकी प्राथमिकता है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

पत्रकारों की सुरक्षा और समन्वय -वरिष्ठ पत्रकार हमीद खान ने पत्रकारों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि कई बार ग्राउंड रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों को असामाजिक तत्वों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पुलिस का सहयोग जरूरी है। एडिशनल एसपी ने इस पर स्पष्ट कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। पत्रकारों की सुरक्षा पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसी भी पत्रकार को अगर कोई धमकी या परेशानी आती है तो वह सीधे उनसे संपर्क कर सकता है। एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे ने कहा कि पुलिस और पत्रकार दोनों का उद्देश्य समाज में शांति और सत्य स्थापित करना है। दोनों के बीच बेहतर समन्वय से जिले में अपराध पर अंकुश लगाना आसान होगा। उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार हमीद खान द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल करने का आश्वासन दिया।

बारिश के बीच शहर की व्यवस्थाओं का जायजा लेने मैदान में उतरीं महापौर

विभिन्न वार्डों का किया सघन भ्रमण, नागरिकों से सीधा संवाद कर मौके पर जानीं समस्याएं एवं आवश्यकताएं

कटनी (स्वतंत्र मत)। बारिश के बीच शहर की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने और नागरिक सुविधाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लेने महापौर प्रीति संजीव सूरी शनिवार को नगर के विभिन्न वार्डों के मैदानी भ्रमण पर निकलीं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर सड़क, नाली, सीवर, जल निकासी एवं सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा नागरिकों से सीधे संवाद कर स्थानीय आवश्यकताओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मौके पर सामने आई आवश्यकताओं को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ ही स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए।

निर्माणाधीन नाली कार्य का किया निरीक्षण

नगर भ्रमण के दौरान महापौर ने वार्ड क्रमांक-1 बाल गंगाधर तिलक वार्ड अंतर्गत साई मंदिर के पीछे निर्माणाधीन नाली कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति एवं निर्माण की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को नाली निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली निर्माण कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराया जाए।

वल्लभनगर रोड पर तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश

इसके बाद महापौर ने वार्ड क्रमांक-3 अंतर्गत वल्लभनगर रोड पहुंचीं। सड़क की स्थिति का जायजा लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक स्थानों पर डस्ट डलवाकर मार्ग को मोटरेबल बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान भी आवागमन सुचारु बना रहे। महापौर ने मौके पर मौजूद नागरिकों से संवाद कर स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी ली और उन्हें आश्वस्त किया कि सड़क के स्थायी सुधार के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। संबंधित कार्य का

भूमिपूजन किया जा चुका है तथा शीघ्र ही कार्य प्रारंभ कर स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

सीवर कार्य वाले क्षेत्रों में आवागमन सुचारु रखने के निर्देश

महापौर ने विवेकानंद वार्ड पहुंचकर विभिन्न गलियों एवं सड़क मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने सीवर कार्य की स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य के दौरान आवागमन व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक स्थानों पर डस्ट डलवाने सहित अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान नागरिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए तथा संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्यों को व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाए।

लक्ष्मी पान भंडार से साउथ स्टेशन मार्ग के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

नगर भ्रमण के दौरान महापौर ने लक्ष्मी पान भंडार से साउथ स्टेशन तक मुख्य मार्ग का भी जायजा लिया। मार्ग की स्थिति को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को बारिश उपरांत सड़क सुधार एवं आवश्यक निर्माण कार्य के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रमुख मार्गों के व्यवस्थित विकास के साथ नागरिकों के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता दी जाए।

सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था का भी लिया जायजा

महापौर ने विभिन्न क्षेत्रों में सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को बारिश के दौरान नालियों एवं जल निकासी व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार तत्काल सफाई एवं अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान शहर की व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहें, इसके लिए अधिकारी नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का निरीक्षण करें और आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें।

नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता

महापौर ने कहा कि बारिश के दौरान नागरिक सुविधाओं को सुचारु बनाए रखना नगर निगम की प्राथमिकता है। इसके लिए सड़क, नाली, जल निकासी, सीवर एवं सफाई व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मौके पर सामने आने वाली आवश्यकताओं पर तत्काल कार्रवाई की जाए तथा जिन कार्यों के स्थायी समाधान की आवश्यकता है, उनके लिए आवश्यक प्रस्ताव एवं कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध रूप से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा मैदानी स्तर पर लगातार निरीक्षण एवं निगरानी के माध्यम से नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और शहर की व्यवस्थाओं को और अधिक व्यवस्थित एवं सुचारु बनाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

मुड़वारा के दूसरे छोर पर बनेगा बुकिंग काउंटर और वेटिंग हाल

सीनियर डीसीएम ने किया मुड़वारा स्टेशन का निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्र मत)।

शशांक गुप्ता ने विगत दिवस मुड़वारा जंक्शन पहुंचकर निरीक्षण किया। उनके पहुंचते ही रेल अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति रही। उन्होंने प्लेटफार्म नंबर 5 की तरफ से जायजा लेना शुरू किया। इस दौरान सर्कुलेशन एरिया की जानकारी ली। प्लेटफार्म नंबर पांच की तरफ खुले पड़े एरिया को रैलिंग से सुरक्षित करने की जगह यहां पर पकी बाउंड्रीवॉल बनाने के लिए ले आउट तैयार करने और टीसी स्टाफ को प्लेटफार्म में बिना काम के तफरी करने वाले अवांछित लोगों पर जुर्माना लगाने के सत निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि मुड़वारा जंशन के प्लेटफार्म 5 की तरफ भी अमृत भारत योजना के तहत दूसरे चरण के तहत बुकिंग काउंटर के साथ ही वेटिंग हाल का निर्माण कार्य होना है, जिसके कारण इस एरिया को सुरक्षित करने की तरफ रेल प्रशासन अभी से तैयारी कर रहा है। इसे साथ ही उन्होंने सर्कुलेशन एरिया हे में डेरा जमाकर रुकने वाले संदिग्ध लोगों को हटाने के लिए आरपीएफ टीम को निर्देशित किया है। मुख्य जंक्शन कटनी पहुंचे एडीआरएम अभय कुमार गुप्ता ने प्लेटफार्म नंबर 5 की तरफ स्थित लॉबी का निरीक्षण किया। यहां से वे एनकेजे के लिए रवाना हुए और वहां पर सघन निरीक्षण करने के बाद उन्होंने एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल वैन एआरएमवी का जायजा लेते हुए निर्देश दिए।

हॉटस्पॉट एवं शैडो एरिया में पुलिस की पैनी नजर

कटनी पुलिस ने चलाया सरप्राइज सघन चेकिंग अभियान

कटनी (स्वतंत्र मत)।

अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नियंत्रण तथा आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने कटनी पुलिस द्वारा सरप्राइज चेकिंग एवं पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया। एसपी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में देर शाम सभी थाना क्षेत्रों में संवेदनशील एवं चिन्हित क्षेत्रों में पुलिस ने विशेष निगरानी की। थाना प्रभारियों एवं पुलिस टीमों द्वारा हॉटस्पॉट एवं शैडो एरिया में बाइक पेट्रोलिंग, पैदल गश्त एवं चेकिंग की गई। इस दौरान गुंडे-बदमाश, निगरानीशुदा बदमाश, नकबजन, लुटेरे, चाकूबाज, जिलाबदर एवं रासुका के आरोपियों की जांच की गई। संदिग्ध गतिविधियां पाए जाने पर कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्तियों को अपराध से दूर रहने की हिदायत दी गई। अभियान के दौरान होटल, लॉज, ढाबे, रैन बसेरे, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड तथा अन्य संवेदनशील एवं सार्वजनिक स्थलों की विशेष रूप से चेकिंग की गई। शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। वाहनों में ब्लैक फिल्म, अनधिकृत हूटर एवं मोडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करने वालों पर भी चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर संदिग्ध गतिविधियों एवं असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखी।

एनकेजे पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान - एनकेजे थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराधों पर नियंत्रण लिए एनकेजे पुलिस ने थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान थाना क्षेत्र के ब्लैक स्पॉट्स पर पैदल मार्च किया गया, संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग की गई। थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत ने बताया कि क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने आम नागरिकों से भी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

उत्कृष्ट विद्यालय में किया गया पौधारोपण

कटनी (स्वतंत्र मत)।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय माधव नगर कटनी के प्राचार्य एम किंडो के जन्मदिन पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण प्रकृति संतुलन बनाए रखने हेतु नाशपाती, नींबू, अमरूद आदि के फलदार पौधे जिला शिक्षा अधिकारी सच्चिदानंद पांडेय, सहायक संचालक राजेश अग्रहरि, प्राचार्य आलोक पाठक उत्कृष्ट विद्यालय के समस्त शिक्षक कर्मचारी संध्या बेन, शैलबाला मैथ्यूज, रामसिंह बागरी, रमेश सिंह, समिधा त्रिपाठी, रामवती तुड़हा, डॉ परवीन खान, वर्षा गौतम, रूबी भोजक, सपना मिश्रा, नेहा अग्रवाल, राजीव, रंजन, विक्रम, असीम, आभा गौतम, नेहा सोनी, रानी बरकडे, शैलेंद्र पटेल, उमेश, विजय, कर विनीत, विवेक तिवारी, पदम पटेल, अनूप पांडेय, पूर्णेश उइके, रोहित, प्रदीप, अमर, रामेश्वर, विजय आदि की उपस्थिति में पौधारोपण कर मनाया गया और फूलमाला पुष्पगुच्छ शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

रविवार अवकाश में भी खुला निगम कार्यालय

जलकर जमा कर नागरिक उठा रहे 50 प्रतिशत छूट का लाभ

कटनी (स्वतंत्र मत)।

जलकर राहत योजना के तहत बकाया जलकर राशि जमा करने वाले उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ दिलाने के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा शासकीय अवकाश के दिनों में भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में रविवार के अवकाश दिवस पर भी नगर निगम कार्यालय एवं निर्धारित काउंटर खुले रखे गए हैं। यहां पहुंचकर नागरिक अपने बकाया जलकर का भुगतान कर योजना का लाभ उठा रहे हैं। नगर निगम प्रशासन की इस पहल से उन उपभोक्ताओं को विशेष सुविधा मिल रही है, जो कार्यदिवसों में अपने आवश्यक कार्यों के कारण जलकर जमा नहीं कर पाते। अवकाश के दिन खुले काउंटरों पर पहुंचकर नागरिक अपने बकाया जलकर का निपटारा कर रहे हैं तथा नियमानुसार 50 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा नगर निगम की गठित टीमों द्वारा उपभोक्ताओं से डोर-टू-डोर संपर्क कर योजना की जानकारी दी जा रही है। टीम द्वारा पात्र उपभोक्ताओं को बकाया जलकर की 50 प्रतिशत राशि जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे वे शेष राशि पर मिलने वाली छूट का लाभ उठा सकें।

शनिवार को 82 उपभोक्ताओं ने उठाया लाभ

जलकर राहत योजना को लेकर नागरिकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। शनिवार को अवकाश के बावजूद निगम द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधा का लाभ उठाते हुए 82 उपभोक्ताओं ने बकाया जलकर जमा किया और 50 प्रतिशत की छूट प्राप्त की। निगम प्रशासन द्वारा योजना की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने के साथ ही भुगतान प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। नगर निगम प्रशासन ने पात्र जलकर उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे योजना की निर्धारित अंतिम तिथि 10 सितंबर से पहले अपने बकाया जलकर का 50 प्रतिशत भुगतान कर शेष 50 प्रतिशत राशि पर मिलने वाली छूट का लाभ उठाएं। निगम प्रशासन के अनुसार यह बकाया जलकर की देनदारी समाप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है, इसलिए पात्र उपभोक्ता समय सीमा का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द योजना का लाभ लें।

जेपीवी डीएवी विद्यालय में 28 वें स्थापना दिवस पर हुआ 21 कुंडीय यज्ञ का आयोजन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

जमुना प्रसाद विश्वकर्मा डीएवी विद्यालय में 23 अगस्त को विद्यालय के 28वें स्थापना दिवस पर 21 कुंडीय यज्ञ का आयोजन हुआ यह आयोजन मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय प्राचार्य एस के सिन्हा के निर्देशन एवं डीएवी विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष सिंह, विद्यालय के पूर्व वरिष्ठ संस्कृत आचार्य सतानंद मिश्रा एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति में पूर्ण हुआ। ओम से अंकित पताकाओं से सुसज्जित प्रांगण में विद्यालय के कक्षा नवमी से कक्षा बारहवीं के सभी विद्यार्थियों द्वारा पूर्ण विधि विधान से वेद मंत्रों का उच्चारण करते हुए वैदिक रीति से हवन कार्य संपन्न किया गया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थी उत्साहित थे तथा उन्होंने पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संस्कृत शिक्षक अमरदीप शर्मा द्वारा बताए गए वैदिक नियमों का पालन करते हुए हवन कार्य करने में अपनी सहभागिता प्रदर्शित की इसी अवसर पर प्राचार्य द्वारा विद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु आशीर्वचन कहे गए उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के उत्तम भविष्य की आशा व्यक्त की तथा पूर्ण लगन एवं उत्साह से विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने संगठन को सफलता का आधार बताया तथा शिक्षा को पुस्तकों तक ही सीमित नहीं बल्कि जीवन को मार्गदर्शन प्रदान करने का माध्यम बतलाया यह आयोजन विद्यार्थियों के मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हवन के इस आयोजन से विद्यालय में सकारात्मक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। प्रसाद वितरण पूर्ण होने के पश्चात कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

अखंड ज्योति विसर्जन के साथ चालिहा महोत्सव का समापन

कलश-जवारों के साथ निकली भव्य शोभायात्रा, भजन कीर्तन में निहाल हुए श्रद्धालु

कटनी (स्वतंत्र मत)।

झूलेलाल चालीहा समिति द्वारा कटनी में 14 जुलाई से मनाए जा रहे झूलेलाल चालीहा महोत्सव का 23 अगस्त को उत्साह के समापन हो गया। इस अवसर पर पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत कटनी के मार्गदर्शन में झूलेलाल चालिहा समिति तथा झूलेलाल सेवा समिति द्वारा कटनी नदी के मसुरहा घाट तट पर विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में सिंधी समाज के साथ ही अन्य समाज के लोगों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में शहर के जनप्रतिनिधियों ने भी शिरकरत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। इसके पहले गुरुनानक वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर से रविवार की सुबह 9 बजे भगवान श्री झूलेलाल जी की अखंड ज्योति व कलश शोभायात्रा निकाली गई। समाजसेवी संजय खूबचंदानी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि श्री झूलेलाल जी की अखंड ज्योति व कलश शोभायात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर जंगल दफ्तर, हीरागंज, सिंधु भवन, सिंधी स्कूल, वरुण भवन, आदर्श कॉलोनी से होते हुए कटनी नदी के मसुरहा

घाट पहुंचकर समाप्त हुई। इस शोभायात्रा के साथ वरुण संस्था की अखण्ड ज्योति भी सम्मिलित हुई। यहां विधि-विधान के साथ अखंड ज्योति का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने 40 दिवसीय व्रत का समापन करते हुए भगवान श्री झूलेलाल जी के पल्लव व अरदास से देश प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत - इस भव्य शोभा यात्रा का रोहरा परिवार, सिंधु नौजवान मण्डल, धर्मलोक हॉस्पिटल एवं सामाजिक संस्थाओं ने जगह-जगह स्वागत किया।

मसुरहा घाट में प्रातः 11 बजे से भजन संगीत का आयोजन किया गया, तत्पशात दोपहर 1 बजे गुरु प्रसाद, आम भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर त्रिलोक चंद भोजवानी, पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंदू लाल जादवानी, मोहन बत्रा, दर्शनलाल गेई, महेश बहलानी, अमर चेतवानी, नेवंद खूबचंदानी, हरीश बहलानी, सुरेश गांधी, राजकुमार नानकानी, मोहन बजाज मन्नु भैया, शांति नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक चेलानी, माधवनगर पंचायत अध्यक्ष वीरू तीर्थानी, ठाकुरदास रंगलानी, राजकुमार माखीजा, नानक राम खूबचंदानी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, पूरनलाल मुल्तानी, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, भाजपा नेता रामरतन पायल, चेतन हिंदुजा, नवीन मोटवानी, पूर्व केडी, अध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, सुरेश सोनी, मयंक गुप्ता, मृदुल मिश्रा, अवकाश जायसवाल, राजू शर्मा, जियन्द राय पंजवानी, हीरा सहजवानी, आशीष सोनी, आशीष रैकवार, प्रेम बत्रा, राजकुमार चेलानी, चन्दू रोहरा, प. दिनेश शर्मा, जवाहर जसूजा, मनीष गेई, सुरेंद्र दुबे, राकेश चांदवानी, जयराम दास पंजवानी, कालू तनवानी, मेघराज खूबचंदानी, साजन बजाज, विजय रोहरा, विजय आहूजा, अमर पुरुस्वानी, मनोहर तनवानी, राजकुमार जीवनांनी, शंकर आहूजा, अजय केसवानी, हेमंत सखानी, शंकर आहूजा, बालचंद चेतवानी, राजेश बनवारी, अशोक बेसानी, अशोक बजाज, राजेश खूबचंदानी, रवि मोटवानी, बसंत थारवानी, प्रताप सुंदरानी, शशि रत्नानी, रूपेश खूबचंदानी, सुशील जसूजा, गोविंद चावला, मनोहर उधवानी, संजय खूबचंदानी, गौतम गलानी एवं सामाजिक संस्थाओं में वरुण संस्था, सिंधु नौजवान मण्डल, सुपर ग्रुप, सिंधी भावरन ग्रुप, सुहिंणा सिन्धी ग्रुप के सदस्यगण एवं नगर के अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एनएसयूआई की बड़ी जीतः रेलवे स्कूल में शिक्षकों की भर्ती जारी

कटनी (स्वतंत्र मत)। एनकेजे रेलवे स्कूल में शिक्षकों की भारी कमी के खिलाफ एनएसयूआई जिला कटनी द्वारा जिला अध्यक्ष अजय खटिक के नेतृत्व में किए गए जोरदार प्रदर्शन का बड़ा असर सामने आया है। छात्रों के साथ धरना-प्रदर्शन कर रेलवे प्रशासन को एक माह का अल्टीमेटम देने के बाद रेलवे द्वारा अब शिक्षकों की भर्ती का आदेश जारी कर दिया गया है। एनकेजे रेलवे स्कूल में कक्षा पहली से बारहवीं तक बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। इस गंभीर समस्या को लेकर एनएसयूआई ने छात्रों के साथ स्कूल परिसर में धरना दिया था और स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि निर्धारित समय में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद रेलवे अधिकारियों एवं स्कूल प्रबंधन के साथ हुई चर्चा में एनएसयूआई को लिखित आश्वासन दिया गया था कि एक माह के भीतर आवश्यकता के अनुसार शिक्षकों की भर्ती की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई नियमित रूप से संचालित हो सके। इसी क्रम में 20 अगस्त को पश्चिम मध्य रेलवे, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 1112/2026 जारी कर संविदा शिक्षकों की नियुक्ति का आदेश जारी किया गया है। आदेश में पीजीटी, टीजीटी एवं पीआरटी सहित विभिन्न पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक ने कहा कि यह जीत केवल एनएसयूआई की नहीं, बल्कि उन सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों की जीत है, जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए आवाज उठाई। एनएसयूआई हमेशा छात्रों की समस्याओं के लिए सड़क से लेकर प्रशासन तक संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने कहा कि श्हमारा उद्देश्य केवल आंदोलन करना नहीं, बल्कि छात्रों के अधिकारों के लिए संघर्ष करके उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। रेलवे द्वारा शिक्षकों की भर्ती का आदेश जारी होना हमारे संघर्ष की सफलता है। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, पर्याप्त शिक्षक और नियमित कक्षाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। भविष्य में भी छात्रों के हित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर एनएसयूआई मजबूती से आवाज उठाएगा।

सिंड्रेला का डबल धमाका, पायस ने जीता पुरुष एकल खिताब

नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस में सिंड्रेला दास ने महिला और अंडर-19 दोनों वर्गों में मारी बाजी

कानपुर।

यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पश्चिम बंगाल की सिंड्रेला दास ने दोहरा खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम किया। उन्होंने महिला एकल के साथ अंडर-19 बालिका एकल का खिताब भी अपने नाम किया। पुरुष एकल में दिल्ली के पायस जैन ने पीएसपीबी के मानव ठक्कर को 4-1 से हराकर खिताब जीता। स्पोर्ट्स हब में हुए महिला एकल फाइनल में सिंड्रेला ने महाराष्ट्र की दिव्यांशी बोमविक को 9-11, 11-8, 11-8, 5-11, 11-7, 11-9 से हराया। दिव्यांशी ने पहला गेम जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन सिंड्रेला ने लगातार दो गेम जीतकर वापसी की। चौथे गेम में दिव्यांशी ने 11-5 से स्कोर 2-2 किया। इसके बाद सिंड्रेला ने दबाव संभालते हुए अगले दोनों गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में सिंड्रेला ने पीएसपीबी की स्वस्तिका घोष को 4-3 से हराया।

निर्णायक गेम में 4-7 से पिछड़ने के बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। दूसरी ओर, दिव्यांशी ने पीएसपीबी की यशस्विनी घोरपड़े को 4-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

पायस ने मानव की चुनौती तोड़ी

पुरुष एकल फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त पायस जैन और दूसरी वरीयता वाले मानव ठक्कर के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। पायस ने पहला गेम 11-3 से जीता, लेकिन मानव ने दूसरे गेम में वापसी की। इसके बाद पायस ने बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए अगले तीन गेम जीतकर 11-3, 9-11, 11-5, 12-10, 11-8 से मुकाबला अपने नाम किया। पायस ने सेमीफाइनल में आरएसपीबी के जीत चंद्रा को 4-1, जबकि मानव ने हरियाणा के अंकुर भट्टाचार्य को 4-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

अंडर-19 में भी सिंड्रेला अव्वल

अंडर-19 बालिका एकल फाइनल में सिंड्रेला ने तमिलनाडु की अनन्या मुरलीधरन को 4-1 से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता। सेमीफाइनल में उन्होंने महाराष्ट्र की नैशा रेवारस्कर को 3-1 से शिकस्त दी थी। दूसरे सेमीफाइनल में अनन्या ने महाराष्ट्र की दिव्यांशी बोमविक को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

प्रियानुज ने सात गेम में जीता खिताब

अंडर-19 बालक एकल फाइनल में आरएसपीबी के प्रियानुज भट्टाचार्य ने तमिलनाडु के पीबी अभिनंद को 4-3 से हराया। अभिनंद ने पांचवें गेम में 23-21 से जीत दर्ज कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया, लेकिन प्रियानुज ने छठे और निर्णायक सातवें गेम में संयम बनाए रखते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल में प्रियानुज ने पश्चिम बंगाल के पुनीत बिस्वास को 3-0, जबकि अभिनंद ने पश्चिम बंगाल के सोहम मुखर्जी को 3-0 से हराया था।

श्रीलंका के खिलाफ पडिक्कल का लगातार दूसरा टेस्ट शतक

कोलंबो।

बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल के शानदार शतक 117 रनों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां मेजबान श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुरु हुए दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 300 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय ध्रुव जुरेल 7 और सारांश जैन 4 रन बनाकर खेल रहे थे। आज भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 45 रन बनाये। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने भी अर्धशतक लगाकर टेस्ट क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे किये। आज के खेल का आकर्षण पडिक्कल की पारी रही। इस बल्लेबाज ने 193 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौकों की मदद से 117 रन की शानदार और संयमित पारी खेली। वहीं शुभमन ने 50 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के एक चक्र में 1000 रन पूरे करने वाले भारत के पहले कप्तान बनने का अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

ऋषभ पंत चोटिल होकर पवेलियन लौटे, गिल की फिफ्टी, भारत का स्कोर 300/5

भारत को दिन के दौरान दो झटके भी लगे, जिससे टीम की चिंताएं थोड़ी बढ़ीं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत हाथ पर चोट लगने के बाद रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर गये। इसके कुछ समय बाद रवींद्र जडेजा को भी बाएं हाथ में परेशानी हुई और उन्हें मैदान पर फिजियो से उपचार लेना पड़ा। जडेजा ने इसके बाद भी 83 गेंदों पर 43 रन की उपयोगी पारी खेली। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने दिन के अंतिम चरण में लगातार दबाव बनाए रखा और कुछ अहम विकेट हासिल किए। असिता फर्नांडो और केशारा नुवांथा ने अपनी टीम के लिए कुछ अहम विकेट निकालकर भारत की रन गति को नियंत्रित करने की कोशिश की।

हालांकि, दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 300/5 का एक मजबूत स्कोर बना लिया। अब ध्रुव जुरेल और इस मैच से डेब्यू करने वाले सारांश जैन पर दूसरे दिन पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी रहेगी।

पोलैंड में डायमंड लीग एथलेटिक्स में पुरुषों की ऊंची कूद में भाग लेते हुए इटली के गियानमार्को टेंबेरी।

मेसी पर विरोधी खिलाड़ी की गर्दन पर हाथ मारने के लिए लगा जुर्माना

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पर मैदान हुए एक झड़प को लेकर भारी जुर्माना लगाया है। मेसी की यहां हुए मैच मैच के दौरान फिलाडेल्फिया यूनियन के मिडफील्डर क्विन सुलिवन से झड़प हो गयी थी। ये मामला इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच 2-2 से बराबरी पर रहे मैच का है। इस मामले में मेसी को दोषी पाया गया है पर उनपर किसी प्रकार के प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। इससे वह अगले मुकाबले में भी खेल सकेंगे।

फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में मेसी और सुलिवन के बीच पहले बहस हुई। इसके बाद मेसी पर सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारने का आरोप लगा हालांकि मैच के दौरान रेफरी ने दोनों में से किसी भी खिलाड़ी को कोई कार्ड नहीं दिखाया था पर एमएलएस ने बाद में घटना की वीडियो फुटेज देखने के बाद मेसी को अनुशासनात्मक नीति का उल्लंघन करे पाया।

एफआईएच हॉकी विश्वकप के दूसरे दौर में नीदरलैंड्स ने भारतीय टीम को 3-1 से हराया

सेमीफाइनल की राह हुई कठिन

एम्सटलवीन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी विश्वकप के दूसरे दौर में नीदरलैंड्स ने 3-1 से हरा दिया। ओलंपिक विजेता के खिलाफ हुए मैच में भारतीय टीम ने काफी प्रयास किया पर वह जीत हासिल करने में विफल रही।

इस हार के साथ भारतीय टीम के लिए टूर्नामेंट में आगे जाना बेहद कठिन हो गया है। भारतीय टीम ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की पर वह डच टीम के सामने टिक नहीं पायी। मैच के पहले और दूसरे क्वार्टर में भारतीय रक्षापंक्त ने डच आक्रमक को विफल करने में सफलता हासिल की पर इसके बाद वह इसे बरकरार नहीं रख पायी। मध्यांतर तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर था पर इसके बादा नीदरलैंड्स के खिलाड़ी गोल करने में सफल रहे।

हाफटाइम के बाद, नीदरलैंड्स ने अपनी गति और बढ़ा दी। भारतीय टीम ने भी शुरुआत में कुछ हमले किये पर वह उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। मैच के

41वें मिनट में डच टीम ने एक गोल कर स्कोर 1-0 से आगे कर दिया। नीदरलैंड्स के खिलाड़ी डुको टेलजेनकम्प ने भारतीय रक्षापंक्ति की कमी का लाभ उठाते हुए एक शानदार फील्ड गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बड़ी बढ़त दिलाई।

अपने स्टोर की संख्या बढ़ाने की तैयारी में टाटा स्टारबक्स

मुंबई। भारत में कॉफी चेन स्टारबक्स एक बार फिर आक्रामक विस्तार रणनीति अपनाने जा रही है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले डेढ़-दो साल में कारोबारी मॉडल को नए सिरे से तैयार करने के बाद कंपनी को कारोबार में स्पष्ट सुधार के संकेत मिले हैं, जिसके चलते अब स्टोर खोलने की रफ्तार बढ़ाई जाएगी। टाटा स्टारबक्स ने लगातार चार तिमाहियों में समान स्टोर बिक्री में वृद्धि दर्ज की है और अब बिक्री में तेजी भी दिख रही है। वर्तमान में भारत में करीब 500 स्टारबक्स कैफे संचालित करने वाली टाटा स्टारबक्स की योजना अब मौजूदा लगभग 80 शहरों में ही स्टोर की संख्या (घनत्व) बढ़ाने पर है, न कि केवल नए शहरों में पहुंचने पर। डिसूजा ने बताया कि कंपनी ने पिछले दो वर्षों में स्टोर के आकार, प्रति स्टोर पूंजीगत खर्च और पेय पदार्थों की कीमतों सहित अपने पूरे कारोबारी मॉडल की समीक्षा की है, ताकि इसे अधिक टिकाऊ बनाया जा सके। जून तिमाही में टाटा स्टारबक्स का राजस्व 11 प्रतिशत बढ़ा और इस दौरान चार नए स्टोर भी खोले गए, जिनमें दो रिजर्व स्टोर शामिल हैं। टीसीपीएल के अधिकारी ने जून में कहा था कि टाटा स्टारबक्स की दीर्घावधि महत्वाकांक्षा चीन के स्तर (लगभग 8,000 स्टोर) तक पहुंचने की है। बीते वित्त वर्ष 2025-26 में संयुक्त उद्यम का राजस्व सात प्रतिशत बढ़कर 1,367 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शीर्ष 10 में से 4 कंपनियों का मार्केट कैप 87,960 करोड़ घटा

भारती एयरटेल को सर्वाधिक 28,052 करोड़ का नुकसान; एलआईसी और रिलायंस में बढ़त

मुंबई।

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह जारी नरमी के बीच शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 87,960.29 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई, जिसमें दूरसंचार दिग्गज भारती एयरटेल को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 468.42 अंक यानी 0.60 प्रतिशत नीचे

आया, वहीं एनएसई निफ्टी में भी 114 अंक की गिरावट रही। इस बाजार गिरावट का सबसे बड़ा शिकार भारती एयरटेल रही, जिसका बाजार पूंजीकरण 28,052.96 करोड़ रुपये घट गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 22,070.34 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मार्केट कैप में 20,861.20 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में 16,975.79 करोड़ रुपये की कमी आई। हालांकि इस नकारात्मक रुख के उलट छह कंपनियों ने अपने बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 12,650 करोड़ रुपये बढ़कर 5,35,980.31 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 8,119.53 करोड़ रुपये की बढ़त हासिल कर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में 3,487.83 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस में 3,424.28 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक में 752.47 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक में 356.95 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

सोने में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

एक सप्ताह में 7,960 रुपए तक महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली। पिछले एक सप्ताह में देश भर में सोने की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम में भारी उछाल आया है, जबकि अन्य कैरेट के सोने में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। यह तेजी वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने की मांग में वृद्धि का परिणाम है। देश के कई शहरों में पिछले एक सप्ताह के दौरान सोने की कीमतों में जोरदार तेजी देखी गई है। 24 कैरेट वाले सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम 7,960 रुपये तक का इजाफा हुआ है। इसी अवधि में, 22 कैरेट गोल्ड 7,300 रुपये और 18 कैरेट सोने की कीमत में 5,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रविवार को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट वाले सोने की कीमत 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हो चुकी है। मुंबई में भी इसकी कीमत 1,63,090 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,600.91 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर कीमतों में मजबूती का संकेत देता है। आंकड़ों के अनुसार 16 अगस्त को जहां 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम था, वहीं 23 अगस्त को यह 1,63,240 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,350 रुपये से बढ़कर 1,49,650 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,16,500 रुपये से बढ़कर 1,22,470 रुपये हो गया है। यह उछाल निवेशकों के लिए सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में दर्शाता है।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता भी वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी

मुंबई। पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में गिरावट झेलने के बाद भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में वैश्विक कारकों से प्रभावित रहेगा। निवेशकों की नजर खास तौर पर पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। ईरान और अमेरिका के बीच 60 दिन की अस्थायी युद्ध विराम अवधि समाप्त होने और कोई नया समझौता न होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गए हैं। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिल सकता है।

बाजार की चाल मुख्यत: वैश्विक संकेतों, पश्चिम एशिया के तनाव, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड पर निर्भर करेगी। ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी। ब्रेंट क्रूड की ऊंची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार पर दबाव बना रही हैं। अमेरिकी बाजारों का मिला-जुला रुख और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रखेंगे। चुनिंदा मिडकैप, स्मॉलकैप, डिफेंस या बैंकिंग शेयरों में खरीदारी का रुझान दिख सकता है। निफ्टी और सेंसेक्स के एक निश्चित दायरे में रहने की उम्मीद है, इसलिए आक्रामक लॉन्ग पोजीशन लेते समय स्टॉप-लॉस का कड़ाई से पालन करें।

ब्रेंट क्रूड 94.39 प्रति बैरल

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ब्रेंट क्रूड रविवार को 0.65 फीसदी की तेजी के साथ 94.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। राजधानी दिल्ली में रविवार को पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

गुरुग्राम में पेट्रोल 102.97 रुपये और डीजल 95.64 रुपये प्रति लीटर पर है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

त्योहारों से पहले खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव

घरेलू तेल 20-24 रुपए प्रति किलो महंगे होने से मांग प्रभावित

नई दिल्ली। आगामी त्योहारों के मद्देनजर बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। देशी तेलों के मुकाबले 20-24 रुपए प्रति किलो सस्ता होने के कारण सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे आयातित खाद्य तेलों के दाम मजबूत हुए। वहीं ऊंचे दाम के चलते घरेलू सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तिलहन में गिरावट दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार देशी तेलों की तुलना में सस्ता होने से आगामी त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आयातित सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन के दाम मजबूत रहे। विदेश में मजबूती के बावजूद आयातक इन्हें लागत से नीचे बेच रहे हैं, जिससे इनकी औद्योगिक मांग बढ़ी है। दूसरी ओर ऊंचे दाम

के चलते लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मामूली रूप से गिरे। सोयाबीन संयंत्रों द्वारा खरीद मूल्य घटाए जाने से सोयाबीन तिलहन में भी गिरावट आई। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम ऊंचे भाव पर कमजोर मांग के बीच स्थिर बने रहे।

बिनौला तेल की उपलब्धता कम होने और ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने से इसके दाम में सुधार देखा गया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 50 रुपये की गिरावट के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमश: 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 6,775-6,825 रुपये और 6,625-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।

किसानों को आधुनिक तकनीक का लाभ दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर जिले के बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से की बातचीत

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के किसान भाइयों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं। राज्य सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक का लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी का परिणाम है कि बलराम कृषि महोत्सव में आधुनिक तकनीकों की जानकारी के साथ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपनी व्यस्तताओं के बावजूद किसानों से संवाद अवश्य करते हैं। भले ही नई दिल्ली की व्यस्तता हो या प्रदेश के जिलों के अन्य प्रशासनिक दायित्व, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर जिले के बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से बातचीत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर ही कृषकों को कृषि की आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रीकरण और शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिवस नई दिल्ली से शिवपुरी के किसानों से वर्चुअली चर्चा की। इससे पहले वे अशोकनगर, गुना ,विदिशा, रायसेन, भोपाल राजगढ़ सीहोर,

नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, उज्जैन, खरगोन आदि स्थानों पर हुए बलराम कृषि महोत्सव में वर्चुअल सहभागिता कर चुके हैं। जनजातीय बाहुल्य अलीराजपुर के महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं व्यक्तिगत रूप से सम्मिलित हुए थे।

अन्न और धन-धान्य से संपूर्ण होगा समाज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि किसान के समृद्ध और खुशहाल होने से ही संपूर्ण समाज अन्न और धन-धान्य से परिपूर्ण रहेगा। सीमा पर जवान और खेत में किसान की भूमिका समान है, दोनों ही देश के लिए समर्पित हैं। उनकी इस प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप ही राज्य सरकार पूर्ण संवेदनशीलता और सक्रियता से किसान हित में कार्य कर रही है। पूरा साल किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अशोक नगर के बलराम कृषि महोत्सव में कहा था कि किसान का अर्थ ही स्वावलंबन है, अपने बलबूतों पर अपने परिवार के साथ संपूर्ण समाज के पालन पोषण के लिए अन्न का कटोरा भरने का सामर्थ्य किसानों में ही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर किसानों की आय बढ़ाने, उनका जीवन स्तर उन्नत करने और उनके समग्र कल्याण के लिए आरंभ बलराम कृषि महोत्सव में जिला स्तर पर कृषि के उन्नत तकनीक के प्रदर्शन और विषय विशेषज्ञों से किसानों के सीधे संवाद की व्यवस्था की गई है। इन आयोजनों में किसानों को नवीन तकनीक और बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को डिजिटल कृषि सेवा, मौसम आधारित खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट सिंचाई, उन्नत कृषि यंत्रों और आधुनिक कृषि प्रबंधन प्रणालियों की जानकारी भी दी जा रही है। कृषि विशेषज्ञ किसानों को बदलती जलवायु के अनुरूप खेती की नई पद्धतियों और जोखिम प्रबंधन के उपाय से भी अवगत करा रहे हैं।

किसान आईडी किसानों के लिए विश्वसनीय डिजिटल पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों को अपनी किसान आईडी बनाने के लिए भी निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। किसान आईडी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए डिजिटल कृषि मिशन का प्रमुख अंग है। आधार कार्ड के समान किसान आईडी किसानों के लिए एक विश्वसनीय डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। यह आईडी भू-अभिलेख, पशुधन स्वामित्व ,बोई गई फसल और प्राप्त लाभ सहित विभिन्न किसान संबंधित डेटा से जुड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रासायनिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग से किसानों के स्वास्थ्य पर पड़ रहें असर के प्रति भी सतर्क हैं। मुख्यमंत्री किसानों को निरंतर प्राकृतिक खेती लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्राकृतिक खेती केवल खेती की पद्धति नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करने का माध्यम है। यह मिट्टी, जल और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए उत्पादन बढ़ाने का मार्ग है। प्राकृतिक खेती में मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ती है। कम सिंचाई में भी फसल अच्छी होती है। जलवायु परिवर्तन के दौर में यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल बचाने का बड़ा अभियान है।

प्राकृतिक खेती, रासायनिक खेती को ब?ती लागत से किसानों को राहत देती है। यह खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाती है। इससे रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों पर निर्भरता कम होती है। उत्पादन लागत घटने से शुद्ध आय बढ़ती है। यह छोटे किसानों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। प्राकृतिक खेती रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के घातक प्रभाव को कम करती है। विषमुक्त वातावरण में खेत और किसान दोनों सुरक्षित रहते हैं। स्वस्थ किसान ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है।

पंजाब का फार्मूला मप्र में लागू कर आउटसोर्स कर्मियों को सीधे विभाग से वेतन दे सरकार

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

पंजाब की तर्ज पर मप्र विधानसभा में आउटसोर्स पर्सनल बिल-2026 लाने की मांग

ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने मध्यप्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए पंजाब की तर्ज पर व्यवस्था लागू करने की मांग की है। मोर्चे के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव एवं महामंत्री दिनेश सिसोदिया ने कहा कि सरकार आउटसोर्स कर्मियों को ठेकेदारों के माध्यम से भुगतान करने के बजाय सीधे विभागों से वेतन देने की व्यवस्था करे।

मनोज भार्गव ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों से किए गए वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2013 में संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का वादा किया गया था, लेकिन 12 वर्ष बाद भी यह पूरा नहीं हुआ। इसी तरह 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के वचन-पत्र में आउटसोर्स कर्मियों को केंद्र के समान न्यूनतम वेतन और संविदा कर्मी बनाए जाने का वादा किया गया था, लेकिन इस दिशा में भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। भार्गव ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में 'पंजाब स्टेट आउटसोर्स पर्सनल बिल क्र/17/पीएलए/2026' विधानसभा में पारित किया गया है। इसके तहत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के ग्रुप-सी और डी के बिजली कंपनियों, फायर ब्रिगेड तथा अन्य जोखिमपूर्ण एवं आपातकालीन विभागों के आउटसोर्स कर्मियों को तीन वर्ष के लिए शासकीय विभागों एवं उपक्रमों से सीधे अनुबंधित करने तथा ठेकेदारों के बजाय विभाग से मासिक वेतन देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि इसी मॉडल को मध्यप्रदेश में लागू करने से ठेकेदारों की कथित बिचौलिया व्यवस्था और कमीशनखोरी पर रोक लग सकती है। मोर्चे ने प्रदेश के करीब तीन लाख आउटसोर्स कर्मियों के हित में मप्र आउटसोर्स पर्सनल बिल-2026 विधानसभा में लाकर शीघ्र लागू करने की मांग की है।

वन विभाग के पदोन्नत शासकीय सेवक मुख्यमंत्री के प्रति व्यक्त करेंगे आभार

भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में आज 24 अगस्त को होगा आभार समारोह

भोपाल (स्वतंत्र मत)। वन विभाग में शासकीय सेवकों की पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आज 24 अगस्त को समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह सुबह 11 बजे भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम), नेहरू नगर, भोपाल में आयोजित होगा। समारोह में पदोन्नति प्राप्त वन विभाग के शासकीय सेवक वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को पूर्ण किए जाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पदोन्नत शासकीय सेवक शामिल होंगे।

पथरिया थाने में शांति समिति की बैठक संपन्न

नगरवासियों ने पुलिस का किया सम्मान

पथरिया (स्वतंत्र मत)। आगामी पर्व एवं त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर पथरिया थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधिकारियों के साथ नगर के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने सहभागिता की। इस दौरान नगर की व्यवस्थाओं और आगामी पर्वों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में नगरवासियों ने पुलिस के समक्ष विभिन्न स्थानीय समस्याएं एवं सुझाव रखे। पुलिस अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने नागरिकों से आगामी पर्वों के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखने, शांति व्यवस्था में सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की।

बैठक के दौरान नगरवासियों ने पथरिया पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की। नागरिकों ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने भी नागरिकों के सहयोग को शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती का आधार बताया। बैठक में आगामी पर्वों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था तथा नगर में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने को लेकर आवश्यक रणनीति पर चर्चा की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि पर्वों के दौरान कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के अंतर्राज्यीय नेटवर्क का किया पर्दाफाश

17 राज्यों के 33 जिलों में 127 दिन चली कार्रवाई, 12 साइबर ठग गिरफ्तार

भोपाल।

मध्यप्रदेश पुलिस की 'ई-जीरो एफआईआर' व्यवस्था के तहत देवास पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से करीब 54 लाख 84 हजार 725 रुपए की ठगी गई राशि बरामद की है। कार्रवाई मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के उद्देश्य से की गई। थाना कोतवाली क्षेत्र के एक नागरिक से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 63 लाख 52 हजार रुपए की साइबर ठगी की शिकायत साइबर हेल्पलाइन

1930 पर मिली थी। प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने बैंकिंग ट्रांजेक्शन, खाताधारकों, मोबाइल नंबरों, बैंक स्टेटमेंट, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण शुरू किया।

देवास पुलिस की 19 टीमों में शामिल 70 पुलिसकर्मियों ने राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश और दिल्ली सहित 17 राज्यों के 33 जिलों में स्थानीय पुलिस के सहयोग से दबिश दी। करीब 127 दिनों तक चली कार्रवाई में पुलिस टीमों ने लगभग 58 हजार 315 किलोमीटर की दूरी तय की।

जांच में सामने आया कि आरोपी खुद को दूरसंचार विभाग, मुंबई क्राइम ब्रांच और सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाने तथा गिरफ्तारी का भय दिखाते थे। फर्जी जांच प्रक्रिया और न्यायालय जैसी परिस्थितियां बनाकर बैंकिंग एवं निवेश संबंधी जानकारी हासिल की जाती थी और रकम विभिन्न खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी। मध्यप्रदेश पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि 'डिजिटल अरेस्ट' कोई वैधानिक प्रक्रिया नहीं है। ऐसे मामलों में घबराएं नहीं और राशि ट्रांसफर न करें। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत करें या नजदीकी पुलिस थाने से संपर्क करें।

पुलिस वाहन से वायरलेस सेट चोरी

आरक्षक की शिकायत पर हटा थाने में एफआईआर

हटा (स्वतंत्र मत)। पुलिस विभाग के अधिग्रहण वाहन से सरकारी वायरलेस सेट के मामले में हटा थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। वायरलेस सेट के गायब होने की शिकायत आरक्षक सोनू कुर्मी, पुलिस थाना हटा द्वारा 10 अगस्त को की गई जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। शिकायत के अनुसार पुलिस विभाग के अधिग्रहण वाहन क्रमांक एमपी34जेडबी 1801 में वायरलेस सेट लगाया गया था। वाहन के साथ लगे वायरलेस सेट का नंबर 511टीडब्ल्यूएच/7871 बताया गया है। वार्षिक भौतिक सत्यापन के दौरान जब वाहन और उसमें उपलब्ध उपकरणों की जांच की गई तो वायरलेस सेट नहीं मिला। इसके बाद पुलिस रेडियो कार्यालय से वायरलेस सेट जमा कराने संबंधी पत्र प्राप्त होने पर उसकी तलाश की गई लेकिन सेट का कोई पता नहीं चला। इसके बाद आरक्षक सोनू कुर्मी द्वारा हटा थाने में शिकायत प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की गई। शिकायत में वायरलेस सेट मय सहायक सामग्री की कीमत करीब 50 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ वायरलेस सेट चोरी होने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की है।

रिपोर्ट पर उठे सवाल

मामले में सबसे अहम सवाल यह है कि जब वायरलेस सेट महीनों से गायब था तो इसकी शिकायत 10 अगस्त को ही क्यों दर्ज कराई गई। पुलिस विभाग के अधिग्रहण वाहन से सरकारी संचार उपकरण गायब होने के बावजूद इतने लंबे समय तक इसकी प्राथमिकी दर्ज नहीं होना भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

श्रावण के अंतिम सोमवार को लेकर मंदिर ट्रस्ट ने की व्यापक व्यवस्थाएं

रविवार को 80 हजार श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सोमवार को रहेगा गर्भ गृह में प्रवेश निषेध

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्रावण मास के रविवार को श्रीदेव जागेश्वरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रविवार को मंदिर गर्भगृह में श्रद्धालुओं का प्रवेश पूर्णत: निषेध रहा तथा मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गर्भगृह के बाहर से ही जल चढ़ाने एवं दर्शन की विशेष व्यवस्था की गई सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु बांदकपुर पहुंचने लगे और दिनभर भक्तों की आस्था का

जनसैलाब दिखाई दिया लगभग 80 हजार श्रद्धालुओं ने श्रीदेव जागेश्वरनाथ जी के दर्शन कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को लेकर मंदिर ट्रस्ट एवं प्रशासन के सामने श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को व्यवस्थित करने की चुनौती है, अंतिम सोमवार होने के कारण रविवार की अपेक्षा सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक बढ़ने की संभावना है, इसी को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम दर्शन, जलाभिषेक, भीड़ नियंत्रण तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को पहले से ही सुनिश्चित किया गया है। मंदिर ट्रस्ट के प्रवक्ता आचार्य रवि शास्त्री महाराज एवं मंदिर ट्रस्ट के सहायक प्रबंधक केदारनाथ दुबे ने बताया कि श्रावण का चौथा सोमवार इस वर्ष श्रावण मास का अंतिम सोमवार है, भगवान श्रीदेव जागेश्वरनाथ जी के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था को देखते हुए बड़ी संख्या में भक्तों के बांदकपुर पहुंचने की संभावना है मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया गया है।

भक्ति और आस्था का भव्य दृश्य

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मंदिर ट्रस्ट एवं जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था का पालन करें और धैर्यपूर्वक कतार में लगकर भगवान के दर्शन एवं जलाभिषेक करें भीड़ अधिक होने की स्थिति में श्रद्धालु व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा अनावश्यक रूप से गर्भगृह में प्रवेश का प्रयास न करें उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ के दर्शन सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से प्राप्त हों, यही मंदिर ट्रस्ट का प्रमुख उद्देश्य है। रविवार को लगभग 80 हजार श्रद्धालुओं द्वारा किए गए जलाभिषेक से बांदकपुर में श्रावण मास की भक्ति और आस्था का भव्य दृश्य देखने को मिला। अंतिम सोमवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए शांतिपूर्ण वातावरण में भगवान श्रीदेव जागेश्वरनाथ का दर्शन एवं पूजन करें और श्रावण के अंतिम सोमवार को श्रद्धा भक्ति एवं अनुशासन के साथ मनाएं।

बोल बम के जयकारों से गूंजा हटा

कांवड़ यात्रा के साथ बांदकपुर रवाना हुए शिवभक्त

हटा (स्वतंत्र मत)।

बुंदेलखंड की उपकाशी हटा में श्रावण मास के चौथे सोमवार के एक दिन पूर्व रविवार को सूर्योदय के साथ ही पूरा नगर बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। कांवड़ मित्र मंडली के तत्वावधान में आयोजित दसवीं जय हिंदू राष्ट्र कांवड़ यात्रा का भव्य शुभारंभ हुआ। हजारों शिवभक्तों के उत्साह, डमरुओं की गूंज, भगवा ध्वजों और आकर्षक झांकियों के बीच कांवड़ यात्रा बांदकपुर स्थित जागेश्वरनाथ धाम के लिए रवाना हुई। कांवड़ यात्रा का शुभारंभ कमला नेहरू वार्ड स्थित शंकर जी के चबूतरा एवं मां हरसिद्धि माता मंदिर से हुआ। यहां सैकड़ों युवक-युवतियां, महिलाएं और पुरुष कांवड़ लेकर एकत्रित हुए। इसके बाद शिवभक्त सुनार नदी का पवित्र जल लेने के लिए भूतेश्वर मंदिर पहुंचे। जल भरने के बाद कांवड़ियों ने पुन: शंकर जी के चबूतरा पहुंचकर विधिवत यात्रा प्रारंभ की। कंधों पर कांवड़, हाथों में डमरू और जुबां पर बोल बम के जयकारे लिए शिवभक्त जब नगर की सड़कों से निकले तो वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। भगवा वस्त्रों में सजे कांवड़िये डमरू और लेजम की थाप पर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे।

बच्चों में दिखा सबसे अधिक उत्साह

कांवड़ यात्रा में इस बार बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

छोटे-छोटे बच्चे भी अपने कंधों पर कांवड़ लेकर बोल बम के जयकारे लगाते हुए यात्रा में शामिल हुए। कई बच्चों ने अपनी कांवड़ों को आकर्षक ढंग से सजाया था। युवाओं के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी कांवड़ यात्रा का हिस्सा बनीं। हटा के अलग-अलग स्थानों से कांवड़िये यात्रा में शामिल होने के लिए एकत्रित हुए। गजबाबा मंदिर समिति की ओर से भी शिवभक्तों ने सुनार नदी से जल भरकर कांवड़ यात्रा में सहभागिता की। सभी कांवड़िये मुख्य मार्गों से होते हुए बांदकपुर के लिए रवाना हुए।

जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

कांवड़ यात्रा को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने के लिए नगरवासियों ने भी पूरे उत्साह के साथ शिवभक्तों का स्वागत किया। हटा से दमोह नाका, सोजना और रुसल्ली रोड तक मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग खड़े रहे। विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच बनाए गए, जहां कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन

किया गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए पानी, प्रसाद और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं। सुबह से ही नगर की सड़कों पर शिवभक्तों के स्वागत के लिए उमड़े लोगों के कारण पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। जैसे ही कांवड़ियों का जत्था पहुंचा, हर-हर महादेव बोल बम और जय भोलेनाथ के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इसे भव्य स्वरूप प्रदान किया। भगवा रंग में रंगा हटा नगर, डमरुओं की गूंज, शिवभक्ति में झूमते कांवड़िये और मार्ग में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब पूरे आयोजन को यादगार बना रहा।

पेयजल समस्या के समाधान के लिए 20 टैंकरों का वितरण

हटा (स्वतंत्र मत)।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से हटा विधायक उमादेवी खटीक की विधायक निधि से खरीदे गए 20 पानी के टैंकरों का वितरण रविवार को उमाश्री पैलेस से किया गया। इन टैंकरों को विभिन्न ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराया गया है ताकि गर्मी एवं पेयजल संकट के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रदाय व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा सके। विधायक निधि से उपलब्ध कराए गए इन टैंकरों के माध्यम से उन ग्राम पंचायतों में पेयजल पहुंचाने में मदद मिलेगी, जहां लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ता है। टैंकरों के वितरण कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को आवश्यकता के समय पर्याप्त

पेयजल उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ नेमा, भाजपा नेता लालचंद खटीक, भोले सराफ, जितेंद्र प्यासी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीएमएचओ ने किया औचक निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

दवाइयां, कोल्ड चैन, रिकॉर्ड एवं हितग्राहियों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं को जानने के लिए सीएमएचओ डॉ. राकेश राय ने रविवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर नरसिंहगढ़ का औचक निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित स्टाफ

से बात की। एएनएम ने बताया कि यहां पर प्रतिमाह 25 से 30 डिलीवरी होती हैं, एएनएम ने दो रैक एवं क्रैश ट्रॉली की मांग की। सीएमएचओ ने गर्भवती महिलाओं से उनको दी जा रही सेवाओं पर बात की। निरीक्षण में व्यवस्थाएं एवं रिकॉर्ड संतोष जनक मिला।

▶▶ चार माह में अर्जित किया 3196 करोड़ का ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू

पमरे के तीनों मण्डलों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत मत)। चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम चार माह में पश्चिम मध्य रेलवे ने 3,196 करोड़ 19 लाख का कुल ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में अर्जित 2,951 करोड़ 13 लाख की तुलना में 245 करोड़ 04 लाख अधिक, अर्थात 8.30 प्रतिशत की वृद्धि है। इस ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू में यात्री यातायात से 923 करोड़ 94 लाख, माल यातायात से 2,108 करोड़ 32 लाख, अन्य कोचिंग मद से 67 करोड़ 59 लाख तथा विविध आय (संड्री) से 96 करोड़ 34 लाख शामिल हैं।

▶▶ निरीक्षण कर दिए बेहतर उपचार के निर्देश

सुपर स्पेशलिटी में भर्ती बच्चों से मिलने पहुंचे कलेक्टर

जबलपुर (स्वतंत मत)। कलेक्ट्र राघवेन्द्र सिंह ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की न्यूनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट पहुंचकर जिला अस्पताल छिंदवाड़ा से रेफर होकर आए बच्चों को दिये जा रहे उपचार की जानकारी ली। साथ ही संबंधित चिकित्सकों से चर्चा कर भर्ती बच्चों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान सभी संबंधित चिकित्सीस व अधिकारी मौजूद रहे।

मेरिट वाले शिक्षकों को दिया जाए चॉइस फिलिंग का विकल्प

मप्र हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

बदला सिंगल बेंच का फैसला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2018 के तहत स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग की संयुक्त शिक्षक भर्ती से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद उसके नियमों में बीच में बदलाव नहीं किया जा सकता। इस मामले में डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश को पलटते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि जनजातीय कार्य विभाग में पहले से पदस्थ हो चुके मेरिटोरियस अभ्यर्थियों को स्कूल शिक्षा विभाग में चॉइस फिलिंग का अवसर दिया जाए। इसके बाद उनकी मेरिट के आधार पर पदस्थापन सुनिश्चित किया जाए। हाईकोर्ट के इस निर्णय से प्रदेश के सैकड़ों शिक्षकों की पोस्टिंग प्रभावित होने की संभावना है।

54 अपीलों पर आया मप्र हाईकोर्ट का फैसला

दरअसल यह फैसला सिवनी जिले की मिडिल स्कूल टीचर साक्षी ताम्रकार सहित अन्य अभ्यर्थियों की ओर से दाखिल 54 अपीलों पर सुनाया गया। वर्ष 2018 में स्कूल शिक्षा और ट्राइबल वेलफेयर विभाग के लिए संयुक्त शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। भर्ती प्रक्रिया में आरक्षित वर्ग के कई अभ्यर्थियों ने सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों से भी अधिक अंक प्राप्त किए थे। मेरिट के आधार पर इन अभ्यर्थियों को जनजातीय कार्य विभाग के स्कूल आवंटित कर दिए गए। बाद में नवंबर और दिसंबर 2022 में जारी निर्देशों के कारण एक विभाग में नियुक्ति लेकर जॉइन कर चुके अभ्यर्थियों को दूसरे विभाग यानी स्कूल शिक्षा विभाग की शेष रिक्तियों के लिए होने वाली काउंसलिंग और चॉइस फिलिंग से बाहर कर दिया गया।

अभ्यर्थियों को मिला पसंदीदा स्कूल

इस मामले में अभ्यर्थियों का तर्क था कि बाद में जारी इन निर्देशों के कारण भर्ती प्रक्रिया की मूल व्यवस्था प्रभावित हुई। उच्च मेरिट प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को स्कूल शिक्षा विभाग में अपनी पसंद के स्कूल चुनने का अवसर नहीं मिला, जबकि उनसे कम मेरिट वाले अभ्यर्थियों को स्कूल शिक्षा विभाग में पसंदीदा स्कूल आवंटित हो गए। इसी व्यवस्था को चुनौती देते हुए अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी।

2 माह में चॉइस फिलिंग का अवसर

मप्र हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह 2 माह के भीतर संबंधित आवेदकों को स्कूल चॉइस फिलिंग पॉलिसी के तहत अपनी प्राथमिकताएं दर्ज करने का अवसर प्रदान करे। इसके बाद अभ्यर्थियों की मेरिट के आधार पर पोस्टिंग तय की जाएगी। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि यदि इस प्रक्रिया के कारण पहले से कार्यरत कम मेरिट वाले शिक्षक प्रभावित होते हैं, तो उन्हें उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर संबंधित विभाग या दूसरे विभाग में समायोजित किया जाए।

हाइवा की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थाना क्षेत्र के मानेगांव क्रॉसिंग के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि हादसे में उसके भाई समेत दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम धाधरा निवासी सतीश मरावी (22 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि वह अपने 19 वर्षीय भाई गोपाल मरावी और अभिषेक मरावी के साथ काम के सिलसिले में घंसौर-तिलवारा गए थे। शाम जब तीनों बाइक से वापस अपने गांव धाधरा लौट रहे थे, तभी मानेगांव क्रॉसिंग के पास बाईं ओर से आ रहे एक बिना नंबर के हाईवा चालक ने अचानक वाहन मोड़ दिया। इसके चलते बाइक सीधे हाईवा से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि सतीश और उसके भाई गोपाल के सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद गंभीर रूप से घायल गोपाल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के कारणों और फरार हाईवा चालक की भूमिका की जांच में जुटी है।

अमृत योजना से खुदी सड़कों पर कांग्रेस ने जताया आक्रोश

पुतला दहन कर दी उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सतपुला से रांझी क्षेत्र तक जर्जर पड़ी सड़क के विरोध रविवार को कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्रीय विधायक का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने बताया कि सतपुला से रांझी मार्ग की स्थिति जर्जर है, जिससे स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को आवाजाही में परेशानी हो रही है और दुर्घटनाएं भी हो रही हैं।

करोड़ों रुपये की लागत से बनी दादा ईश्वरदास रोहणी स्टेडियम रोड की दुर्दशा भी चिंता का विषय बनी हुई है। स्थानीय विधायक और प्रशासन की इस मुद्दे पर उदासीनता के कारण क्षेत्र की आम जनता में आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आंदोलन की घोषणा के बाद प्रशासन और विधायक प्रतिनिधियों ने आनन-फानन में केवल अस्थाई गिट्टी डालकर खानापूर्ति की कोशिश की।

जल्द सड़क निर्माण करने की मांग

कांग्रेस नेताओं का कहना था कि कागजी निरीक्षण और अस्थाई कार्यों से जनता की समस्या हल नहीं होगी। कांग्रेस नेताओं ने अमृत योजना के तहत चल रहे कार्यों में लापरवाही का आरोप लगाया। पिछले छह महीनों से पाइपलाइन बिछाने और निर्माण कार्य जारी है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद सड़कों की उचित मरम्मत नहीं की गई। खोदी गई सड़कों पर गिट्टी और गड्ढे छोड़ दिए गए हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने तंज कसते हुए कहा कि बड़ी गाड़ियों में घूमने वाले जनप्रतिनिधियों को आम जनता की तकलीफों का एहसास नहीं है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सतपुला-रांझी मार्ग का गुणवत्तापूर्ण और स्थायी निर्माण जल्द शुरू नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि जनता की सुविधा के लिए पक्की सड़क बनाई जाए, जिससे लोगों को रोजमर्रा की दिक्कतों और हादसों से राहत मिल सके।

पलंग पर सो रही बच्ची को सांप ने डसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

तिलवारा थाना क्षेत्र में घर के अंदर पलंग पर सो रही 10 वर्षीय बच्ची को सांप ने डंस लिया। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार तिलवाराघाट के बर्मन मोहल्ला निवासी छोटेलाल बर्मन ने सूचना दी कि उसकी 10 वर्षीय बेटी आरती बर्मन 21 अगस्त की रात करीब 10:30 बजे घर के अंदर पलंग पर सो रही थी। इसी दौरान बच्ची को सांप ने डंस लिया। बच्ची ने सांप को झटककर पलंग से नीचे गिरा दिया, जिसके बाद सांप तेजी से भाग गया। कुछ देर बाद बच्ची की हालत बिगड़ने लगी और वह बेहोश होने लगी।परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। रात करीब 1:15 बजे चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। बच्ची की मौत की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

माउंट एल्ब्रूस की चोटी पर महिला आरक्षक वर्षा ने फहराया तिरंगा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में पदस्थ महिला आरक्षक वर्षा पटेल ने 21 अगस्त 2026 को यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रूस (18,510 फीट / 5,642 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की। शिखर पर पहुंचकर उन्होंने भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और मप्र पुलिस का ध्वज फहराया। एनएसवाई आउटडोर्स के तत्वावधान में प्रसिद्ध पर्वतारोही नरेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में यह अंतरराष्ट्रीय अभियान 11 अगस्त 2026 को शुरू हुआ था। इस दौरान टीम को रूस में भीषण ठंड, तूफानी हवाओं और खराब परिस्थितियों जैसी गंभीर मौसम संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ा।

कई दिनों तक सही समय का इंतजार करने के बाद, 20 और 21 अगस्त को स्थिति में सुधार हुआ। वर्षा पटेल ने 21 अगस्त की सुबह 9:07 बजे शिखर पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की।

जर्जर भवन को नगर निगम ने ढहाया, टला बड़ा खतरा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम की टीम ने भान तलैया क्षेत्र में एक जर्जर भवन हटाने की कार्यवाही की। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशों पर अमल करते हुए निगम की टीम ने क्षेत्र में स्थित अत्यधिक जर्जर व खतरनाक भवन को हटाने की सुरक्षित व व्यवस्थित कार्यवाही पूरी की। समय रहते की गई कार्रवाई से घनी आबादी वाले इलाके में एक बड़े संभावित हादसे का खतरा टल गया है। कार्यवाही को पूरी सतर्कता, सुरक्षा मानकों और सुनियोजित तरीके से संपन्न कराने के लिए नगर निगम के अधिकारी स्वयं मौके पर उपस्थित रहे। यह जर्जर भवन लंबे समय से आस-पास के रहवासियों और राहगीरों के लिए गंभीर खतरे का सबब बना हुआ था। नगर निगम की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से क्षेत्र नागरिकों ने राहत की सांस ली है और नगर निगम की संवेदनशीलता व सक्रियता की सराहना की है। कार्यवाही के समय अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र कौरव, आदि उपस्थित रहे।

माँ नर्मदा को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी

नर्मदा संवाद पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र जन अभियान परिषद् जबलपुर एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में नर्मदा संवाद का जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जन अभियान परिषद् भोपाल के निदेशक प्रशासन डॉ वीरेंद्र व्यास, प्रदेश सलाहकार शिव नारायण पटेल, नर्मदा समग्र के क्षेत्र समन्वयक मनोज जोशी एवं जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया द्वारा माँ नर्मदा एवं भारत माता के चित्र पर पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ व्यास ने नर्मदा नदी की अविरलता व सदा नीर प्रवाह बनाए रखने के लिए जिले में करणीय कार्यों के आधार पर कार्ययोजना पर संवाद किया। प्रदेश सलाहकार श्री पटेल ने नदी के स्व स्वच्छता पर प्रकाश डालते हुए तटीय क्षेत्रों में पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के छोटे छोटे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। क्षेत्र समन्वयक श्री जोशी ने नर्मदा पथए परिक्रमा वासियों और जल ग्रहण क्षेत्रों के बारे में विस्तार से चर्चा की। विषय विशेषज्ञ महेंद्र कौरव ने कहा कि स्वच्छ रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने आदर्श घाट की संकल्पना, मृदा कटाव से बचाव, गीले व ठोस अपशिष्ट निपटारे, मिट्टी की मूर्तियों के उपयोग और सघन पौधारोपण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला में जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया ने माँ नर्मदा की स्वच्छता के लिए परिषद् का साथ देने की अपील की।

ट्रेनों में महिलाओं का सामान चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम ने एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी के पांच मामलों का खुलासा करते हुए कुल 3.21 लाख मूल्य की चोरी गई संपत्ति बरामद की है । बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी अब्दुल इमरान, निवासी इटारसी द्वारा इटारसी स्टेशन एवं चलती/खड़ी ट्रेनों में यात्रियों को निशाना बनाता था। आरोपी विशेष रूप से देर रात सो रहे यात्रियों तथा खिड़की के पास बैठी महिला यात्रियों के सामान पर नजर रखता था। वारदात के बाद वह भीड़ एवं अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो जाता था। एक प्रकरण में ट्रेन संख्या 15067 में यात्रा कर रहे यात्री का लेडीज पर्स चोरी होने की शिकायत दर्ज हुई थी। प्रकरण की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी की तलाश की गई।

क्षतिग्रस्त सड़कों के मरम्मत कार्यों का निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बारिश के मौसम में क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधार एवं मरम्मत कार्यों का निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा तकनीकी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और व्यवस्थित रूप से कार्य कराने के निर्देश दिए। बताया गया कि प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों की सड़कों का सुधार कार्य निरन्तर चल रहा है, इसके अतिरिक्त धार्मिक स्थलों के साथ-साथ मां नर्मदा के पवन तट गौरी घाट एवं तिलवारा घाट के पहुंच मार्गों का सुधार कार्य भी कराया जा रहा है, क्योंकि इन मार्गों का नियमित रूप से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी उपयोग करते हैं और वे मां नर्मदा के दर्शन करने हेतु जाते हैं। सड़क मरम्मत कार्य का निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा तकनीकी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और व्यवस्थित रूप से कार्य कराने के निर्देश दिए। नगर निगम सीमा क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधार मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्यों के लिए सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं और इसके लिए सूची भी तैयार कराई जा रही है जिससे क्षतिग्रस्त सड़कों का जल्द से जल्द निर्माण एवं मरम्मत का कार्य पूर्ण कराया जा सके।

नाले में उतराती हुई मिली युवक की लाश, गले में कसी थी रस्सी

सिहोरा के डुंडी फाटक के पास की घटना, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिहोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डुंडी फाटक के पास रविवार शाम लगभग 5 बजे एक 25 वर्षीय युवक का शव नाले में तैरता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सोनपुर मझौली निवासी विपिन पटेल के रूप में हुई है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो युवक के गले में रस्सी बंधी मिली, जिससे पूरा मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, विपिन बीती रात करीब 8 बजे घर वालों से यह कहकर निकला था कि वह थोड़ा टहलने जा रहा है और जल्द ही वापस लौट आएगा। जब वह देर रात तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों की चिंता बढ़ी और उन्होंने अपने स्तर पर तलाश शुरू की। रविवार सुबह से भी परिजन विपिन को ढूंढ रहे थे। शाम करीब 5 बजे स्थानीय लोगों ने डुंडी फाटक के पास नाले में शव तैरता देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया।

पीएम रिपोर्ट आने का इंतजार

इधर सूचना मिलते ही पुलिस टीम और परिजन मौके पर पहुंचे, जहां परिजनों ने मृतक की शिनाख्त विपिन पटेल के रूप में की। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया तो गले में रस्सी बंधी पाई गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि हर पहलू से जांच की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल भेज दिया गया है और मर्ग कायम कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह का खुलासा हो सकेगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**